नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 15 मई 2025 गुरुवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 350 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1610 : पेरिस की संसद ने लुई तेरहवें को फ्रांस का राजा नियुक्त किया।
1796 : फ्रांसीसी सैनिकों ने मिलान पर कब्जा किया।
1953 : मास्को मेट्रो आम लोगों के लिए खोला गया।
1958 : सोवियत संघ ने स्पूतनिक-3 लांच किया।
2008 : कैलिफोर्निया मैसाच्युसेट्स के बाद समलैंगिक विवाह को वैध घोषित करने वाला अमेरिका का दूसरा प्रांत बना।
2001 : इटली में दक्षिणपंथी गठबंधन को बहुमत।
2013 : इराक में हुई हिंसा में 389 लोगों की मौत।

झारखंड में 100 दिनों का रोजगार दिलाने के लिए चलेगा दैनिक मांग अभियान

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने समीक्षा बैठक में दिए कई निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बुधवार को मंत्रालय में विभागीय कामकाज की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण विकास की योजनाओं के साथ-साथ झारखंड राज्य आजीविका मिशन के कार्यों के प्रगति की जानकारी ली। मनरेगा की स्कीम की स्थिति के बारे में जाना। अधिकारियों को मनरेगा के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार से जोड़ें। अनुसूचित जाति एवं जनजाति बहुल क्षेत्रों में योजनाओं की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया गया। ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को 100 दिन का रोजगार सुनिश्चित करने के लिए दैनिक मांग अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इससे 1.5 से दो लाख परिवारों को स्थायी आय का सहारा मिल सकेगा। मंत्री ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से बन रहे वर्मी कंपोस्ट यूनिट में तेजी लोन का निर्देश दिया। इसमें महिला सदस्यों की भागीदारी को प्राथमिकता देने को कहा। जहां पारंपरिक कुआं बनाना संभव नहीं है, वहां रिंग वेल के निर्माण पर जोर देने को कहा। जरूरत पड़ने पर इस स्कीम का अनुमोदन लघु सिंचाई विभाग से लिया जायेगा। मंत्री ने पंचायत स्तर पर खेल मैदानों का निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने को कहा। मानव दिवस निर्माण में महिलाओं एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय की कम से कम 26 से 28 फीसदी भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 15 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कराया जायेगा। 10 करोड़ रुपये की लागत से पुल का निर्माण कराया जायेगा। बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित कार्यों का त्वरित निष्पादन करें। जिन कार्यों को लेकर शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उनकी जांच अगले दो महीनों में पूरी करें और दोषियों पर कार्रवाई करें। लंबित कार्यों को मिशन मोड में पूर्ण करने के लिए तत्काल टेंडर प्रक्रिया शुरू करने को कहा। बैठक में विभागीय सचिव एन श्रीनिवासन, मनरेगा आयुक्त मृत्युंजय वर्णवाल, सीइओ आजीविका मिशन कंचन सिंह आदि मौजूद थे।

बच्चों के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री से यूनिसेफ की भारत में प्रतिनिधि सिन्थिया मेककेफरी ने की शिष्टाचार भेंट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में यूनिसेफ की भारत में प्रतिनिधि सिन्थिया मेककेफरी ने शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने झारखंड में बच्चों के समग्र विकास के लिए यूनिसेफ द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यों एवं गतिविधियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। बाल अधिकारों के संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास के लिए बेहतर माहौल बनाने हेतु राज्य सरकार के संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने यूनिसेफ के कार्यों की सराहना करते हुए पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य के बच्चे हर क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ें, इसके लिए कई योजनाएं चलायी जा रही हैं। जब तक बच्चे स्वस्थ और सुरक्षित नहीं रहेंगे, तब तक उनके विकास की बात नहीं हो सकती है। यही वजह है कि हमारी सरकार बच्चों में कुपोषण और कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने के लिए हर स्तर पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए यूनिसेफ को सरकार की ओर से पूरा सहयोग मिलेगा। सभी के सहयोग से इस राज्य के बच्चों को बेहतर जीवन देने का प्रयास किया जायेगा। मौके पर यूनिसेफ, झारखंड की प्रमुख कननिका मित्रा और कम्यूनिकेशन स्पेशलिस्ट आस्था अलंग भी मौजूद थीं।

यूपी के जेवर में बनेगी भारत की छठी सेमीकंडक्टर इकाई

केंद्रीय मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के जेवर में एक 3,706 करोड़ के सेमीकंडक्टर प्लांट को मंजूरी दे दी है। यह प्लांट एचसीएल और फॉक्सकॉन की साझेदारी में लगाया जाएगा और इसमें मोबाइल, लैपटॉप और गाड़ियों के लिए डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स बनाए जाएंगे। मामले में सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह देश का छठा सेमीकंडक्टर प्लांट होगा और इसकी उत्पादन क्षमता 20,000 वेफर्स प्रति माह होगी, जिससे हर महीने 3.6 करोड़ चिप्स तैयार की जाएंगी। केंद्रीय मंत्री श्री वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश के जेवर में भारत की छठी सेमीकंडक्टर इकाई को मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत अब तक पांच सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी दी गई है और वहां तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। एक इकाई में इसी साल उत्पादन शुरू हो जाएगा। यह इकाई एचसीएल और फॉक्सकॉन का संयुक्त उपक्रम है। केंद्र सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पांच सेमीकंडक्टर इकाइयां पहले से ही निर्माण के उन्नत चरणों में हैं। इस छठी इकाई को मंजूरी मिलने के बाद भारत रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उद्योग को विकसित करने की अपनी यात्रा में आगे बढ़ गया है। आज स्वीकृत इकाई एचसीएल और फॉक्सकॉन का संयुक्त उद्यम है।

किर्गिस्तान में बिहार के एमबीबीएस छात्र की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गोपालगंज। जिले के एमबीबीएस छात्र की हत्या किर्गिस्तान में उसके ही रूम पार्टनर ने मामूली विवाद के बाद कर दी। रूम पार्टनर ने आपसी विवाद में सिर पर कुकर से वार दिया। इसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आरोपी राजस्थान का दीपेश गुर्जर बताया जा रहा है। छात्र की पहचान स्व वशिष्ठ चौबे के 26 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार चौबे के रूप में हुई है। नीतीश यूरेशियन यूनिवर्सिटी, किर्गिस्तान में एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्र थे। जुलाई में उनकी पढ़ाई पूरी होने वाली थी। आरोपी युवक को किर्गिस्तान की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना की सूचना जैसे ही बिहार स्थित मृतक के परिजनों को मिली पूरे घर में कोहराम की स्थिति हो गयी। सबों का रो-रोकर बुरा हाल है।

वीर सैनिकों के सम्मान में जगमगाए देश भर के रेलवे स्टेशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अदम्य शौर्य और पराक्रम के सम्मान में देश भर के रेलवे स्टेशन जगमगा उठे। भारतीय रेल ने वीर सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह अनूठा आयोजन किया। इस मौके पर कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक के रेलवे स्टेशनों पर राष्ट्रभक्ति का अलग जोश देखने को मिला। इस दौरान तिरंगे की रोशनी में नहाए रेलवे परिसर देशभक्ति के गीतों से गूंज उठे। वहीं स्टेशनों पर लगी स्क्रीनों पर राष्ट्रभक्ति से जुड़े विजुअल्स ने यात्रियों को राष्ट्र प्रेम की भावनाओं से भर दिया। इस ऑपरेशन की सफलता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय रेल ने देश के विभिन्न हिस्सों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया, जिसने देशवासियों के मन मस्तिष्क में राष्ट्रप्रेम और सेना के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया। इसके अलावा भारतीय रेल ने तिरंगा यात्रा के साथ तमाम स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के जरिए भी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को जनमानस तक पहुंचाया। भारतीय रेल की इस पहल ने ना केवल सेना के रणबांकुरों का अभिनंदन किया, बल्कि आम जनता को भी ऑपरेशन सिंदूर की गौरव गाथा से जोड़ा। यह आयोजन दर्शाता है कि देश का प्रत्येक नागरिक अपने वीर सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद न्याय की अखंड प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की वह गौरव गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

कूनन व्यवस्था को बेहतर बनाये रखने के लिए पूरी मुस्तैदी से करें कार्य : नीतीश

पटेल भवन पहुंच मुख्यमंत्री ने गृह व आपदा प्रबंधन विभाग का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को पटेल भवन पहुंचकर गृह एवं आपदा प्रबंधन विभाग का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने पटेल भवन स्थित द्वितीय तल पर गृह विभाग स्थित अपने कक्ष में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और राज्य की कानून व्यवस्था एवं पुलिसिंग गतिविधि की बेहतरी के लिये किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी लोग समय पर कार्यालय आकर अपने कार्यों का बेहतर ढंग से निपटारा करें। पुलिस पर लोगों का पूरा भरोसा है, उस पर खरा उतरें। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाये रखने के लिये पूरी मुस्तैदी से कार्य करें। मुख्यमंत्री राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र भी गये और वहां की व्यवस्थाओं तथा कार्य पद्धतियों की जानकारी ली। इस दौरान विकास आयुक्त सह आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र की कार्य पद्धति की जानकारी देते हुये बताया कि यह केन्द्र 24 घंटे संचालित रहता है। मुख्यमंत्री ने पांचवें तल स्थित बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के विभिन्न भागों का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं कॉन्फ्रेंस हॉल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, सदस्य एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों को आपदा से बचाव के लिये आप सब बेहतर ढंग से कार्य करते रहें। मुख्यमंत्री के समक्ष आगजनी से बचाव के लिये जन जागरूकता को लेकर बनायी गयी वीडियो गीत भी प्रस्तुत की गयी। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, आपदा प्रबंधन मंत्री विजय कुमार मंडल, सांसद संजय कुमार झा, विकास आयुक्त सह आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि सहित गृह विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

गोलीबारी में नालंदा का लाल शहीद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के उतरथु गांव निवासी सिकंदर राउत बिंद बुधवार को पाकिस्तान की तरफ से की गई गोलीबारी में शहीद हो गए। उनकी शहादत की खबर जैसे ही घर के लोगों को मिली, सभी सन्न रह गए। किसी में भी यह हिम्मत नहीं हुई को वह शहीद के पिता प्रताप राउत बिंद को यह जानकारी दे कि उनके प्राण से प्यारा बेटा अब इस दुनिया में नहीं रहा। उसने देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया है। हालांकि जब इस बात की जानकारी बूढ़े पिता को मिली तो उनकी आंखों में पानी से ज्यादा चेहरे पर गर्व का भाव था। उनका कहना है कि बेटा देश के काम आया, इससे बड़ा सौभाग्य क्या हो सकता है। परिवार वाले सिकंदर का शव लेने के लिए रवाना हो गए हैं। गांव में पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। शहीद सिंकदर के पिता प्रताप राउत ने कहा कि बुढ़ापे में भगवान ने तीसरी लाठी छीन ली है, लेकिन गर्व है कि वह लाठी देश के काम आई। मेरे बेटे ने भारत मां के लिए जान दी है, इससे बड़ा सौभाग्य किसी पिता के लिए क्या हो सकता है। शहीद के घर इकट्ठा लोगों ने बताया कि सिकंदर दो भाइयों में छोटे थे और उनके दो छोटे बेटे हैं। हर कोई शहीद सिकंदर की बहादुरी और देशभक्ति की बातें कर रहा है। गांव के लोगों ने कहा कि सिकंदर राउत का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उनकी शहादत हमेशा लोगों को प्रेरणा देती रहेगी। वे हमेशा लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगे। सिकंदर जैसे वीर सपूतों के कारण ही हमारा देश सुरक्षित है। हमें उनकी शहादत को हमेशा याद रखना चाहिए। सिकंदर का पार्थिव शरीर जल्द ही गांव पहुंचेगा। इसके बाद पूरे सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

चार बच्चों के साथ मां ने खाया जहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। पूर्व मध्य रेल के गया-डीडीयू रेलखंड पर अवस्थित रफीगंज स्टेशन के डाउन प्लेटफार्म पर बुधवार को एक निर्दयी मां ने पहले अपने चार बच्चों को जहर खिला दिया। इसके बाद खुद भी जहर खा ली। जहर खाने के कारण तीन बच्चों की मौत हो गई जबकि मां की मौत इलाज के दौरान सदर अस्पातल में हो गयी। मृतकों में तीन बेटियां शामिल है। बताया जा रहा है कि महिला समेत पांचों को रेलवे प्लेटफॉर्म पर छटपटाते देखकर रेल सुरक्षा बल के जवानों और स्थानीय लोगों ने सभी को आनन-फानन में इलाज के लिए रफीगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया, जहां इलाज के दौरान सूर्यमणि कुमारी (5), राधा कुमारी (3) एवं शिवानी कुमारी (1) की मौत हो गई। वहीं डॉक्टरों ने रितेश कुमार (6) और उसकी मां सोनिया देवी (40) को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। सदर अस्पताल में इलाज के दौरान सोनिया देवी की भी मौत हो गयी। सोनिया देवी गोह प्रखंड में बंदेया थाना क्षेत्र के झिकटिया गांव निवासी रवि बिंद की पत्नी थी। जानकारी मिलने पर मृत बच्चों के चाचा राम सूरज बिंद और मौसी बेबी देवी रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। अस्पताल में सोनिया के देवर राम सूरज बिंद ने बताया कि मंगलवार की रात भाभी का भईया से झगड़ा हुआ था। बुधवार की सुबह भईया रवि बिंद कहीं काम करने चले गए। भईया के काम पर जाने के बाद जानकारी मिली कि भाभी सोनिया देवी अपने चारों बच्चों को साथ लेकर अपने मायके नालंदा जाने के लिए रफीगंज स्टेशन चली गई है। भाभी के घर से स्टेशन जाने के कुछ ही घंटे बाद हमें वहां से सूचना मिली कि भाभी ने अपने चारों बच्चों के साथ जहर खाकर जान देने की कोशिश की है। जानकारी मिलने पर जब हमलोग अस्पताल आए तो तीन बच्ची को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था। वहीं भाभी और एक भतीजा की हालत नाजुक देखकर दंग रह गए। मामले की जानकारी मिलने के बाद रफीगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गई। पुलिस ने मां एवं तीनों बच्चों के शवों का पोस्टमार्टम कराने की तैयारी में जुटी है। आरपीएफ इंस्पेक्टर राम सुमेर ने बताया कि जवानों ने उन्हे सूचना दी कि रफीगंज स्टेशन के डाउन प्लेटफार्म पर एक महिला सहित चार बच्चे छटपटा रहे हैं। सूचना मिलते ही फौरन मौके पर पहुंचे और पांचो को टेम्पो से इलाज के लिए रफीगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जहां इलाज के दौरान तीन बच्चों की मौत हो गई।

अवैध वसूली में दारोगा सहित चार गिरफ्तार

पूर्णिया(नबिटा ब्यूरो)। नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले पुलिसकर्मी ही जब कानून तोड़ने लगें तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। जिले के हाट थाना क्षेत्र में इसी तरह की एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां अवैध वसूली के आरोप में एक दरोगा सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दो बीएमपी जवान और एक प्राइवेट चालक भी शामिल हैं। आरोप है कि ये चारों पुलिसकर्मी गश्त के दौरान एक वाहन सवार युवक को रोककर जबरन पैसे वसूल रहे थे। जैसे ही यह मामला सामने आया, पुलिस विभाग ने त्वरित कार्रवाई कर दारोगा समेत सभी आरोपितों को निलंबित करने के साथ उन्हें तत्काल गिरफ्तार कर लिया।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :

Manaitand, Near Water Tank

Dhanbad, Jharkhand- 826001

Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

बिहार प्रशासनिक सेवा के इन 15 पदाधिकारियों को क्यों मिला नोटिस, एक हफ्ते में देना होगा जवाब

पटना, एजेंसी। सामान्य प्रशासन विभाग ने सेवा इतिहास पोर्टल के अपडेशन कार्य में भाग नहीं लेने वाले बिहार प्रशासनिक सेवा के 15 पदाधिकारियों से एक हफ्ते के अंदर स्पष्टीकरण मांगा है। विभाग के अवर सचिव ने पत्र जारी कर कहा है कि बार-बार सूचना दिए जाने के बावजूद सेवा इतिहास पोर्टल को अब तक अपडेट नहीं कराया जाना अनुशासनहीनता का द्योतक और वरीय पदाधिकारी के आदेश की अवहेलना है। विभाग ने पूछा है कि क्यों नहीं आपके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई प्रारंभ करने की अनुशंसा की जाये। इन पदाधिकारियों को 19 मई को निर्धारित अपडेशन कार्यक्रम में निश्चित रूप से उपस्थित होने का निर्देश भी दिया गया है। राज्य सरकार बिप्रसे पदाधिकारियों की सेवा से संबंधित सभी सूचना व अभिलेख का ऑनलाइन संधारण कर रही है। इसके लिए पदाधिकारियों को निर्धारित तिथि को सामान्य प्रशासन विभाग में निर्धारित तिथि को उपस्थित होकर सेवा इतिहास पोर्टल पर स्वयं से संबंधित डेटा को अपलोड कराना होता है। सुशील कुमार, मनोज कुमार, अखिलेश कुमार सिंह, वीरेंद्र कुमार, राकेश कुमार, राकेश कुमार झा, प्रमोद कुमार, गयन कुमार राम, सूरज कुमार सिन्हा, रेणु कुमारी, उत्तम कुमार, सुधीर कुमार, दुष्यंत कुमार, दीप शिखा, एवं आरूप शामिल है।

बिहार चुनाव से पहले राहुल गांधी का बिहार दौरा

- दरभंगा में छात्रों से करेंगे संवाद

पटना, एजेंसी। बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। बिहार चुनाव से पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के 62 नेता 15 मई को बिहार दौरे पर रहेंगे। ये राज्य के अलग-अलग हिस्सों में कांग्रेस की शिक्षा न्याय संवाद में शामिल होंगे। राहुल गांधी दरभंगा में छात्रों के साथ संवाद करेंगे। उसी समय अन्य नेता भी जनसंवाद करेंगे। एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने सदाकत आश्रम में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के छात्रों से शिक्षा न्याय संवाद एससी-एसटी, ओबीसी छात्रावासों और कम्युनिटी हॉल में होगा। इसमें राज्य की शिक्षा और छात्रों के हालात पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि बिहार की शक्ति से ही देश की प्रगति संभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के 358 प्रखंडों में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं खुला, स्थायी शिक्षकों की भारी कमी है। इस दौरान प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय और सौरभ सिन्हा मौजूद रहे।

नीतीश के पहुंचने पर बनी शहीद के घर तक सड़क, सिर्फ 6 मिनट रुके सीएम

परिवार को 50 लाख का चेक दिया

छपरा, एजेंसी। पाकिस्तान हमले में शहीद छपरा के नारायणपुर गांव के बीएसएफ एसआई मो. इम्तियाज को सोमवार को सुपुर्द-ए-खाक किया गया। मंगलवार को सीएम नीतीश कुमार इम्तियाज के घर छपरा पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों को 50 लाख का चेक भी सौंपा। इसमें 21 लाख रुपए बिहार सरकार और 29 लाख रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष से दिए गए। सीएम नीतीश शहीद जवान के घर 6 मिनट तक रुके। नीतीश कुमार 4:23 बजे शहीद के घर पहुंचे और 4:29 बजे वहां से निकल गए। शहीद के परिवार ने मुख्यमंत्री से छोटे बेटे को नौकरी की मांग की। बेटी बीपीएससी की तैयारी कर रही है, उसकी पढ़ाई में मदद। स्व इम्तियाज के नाम पर सड़क और अस्पताल बनाने की मांग की। सीएमने परिवार को आश्वासन दिया कि ये सब हो जाएगा। सरकार आपके साथ है। सीएम के पहुंचने से पहले शहीद हुए जवान के घर वाली सड़क बनाई गई। 8 साल पहले ये सड़क बनी थी। 3 साल से खराब थी। सोमवार देर रात सीएम के आने का प्रोटोकॉल जारी हुआ तो सड़क बनाने का काम शुरू हुआ। नीतीश कुमार जिस हेलीपैड पर उतरे, वहां से शहीद के घर तक ये सड़क बनाई गई है। इसकी दूरी करीब डेढ़ किलोमीटर है। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मंगलवार को बिहार के शहीद बीएसएफ एसआईमो. इम्तियाज के परिजनों से मुलाकात की। तेजस्वी यादव ने कहा, छपरा और बिहार के लाल शहीद मोहम्मद इम्तियाज पर हम सभी को गर्व है। ये साबित हो गया कि जब भी देश को जरूरत पड़ती है तो बिहार के लोग हमेशा आगे रहते हैं। मोहम्मद इम्तियाज 15 दिन पहले यहां आए थे। उन्होंने बहादुरी के साथ दुश्मन का समाना किया। उन पर हम सभी लोगों को गर्व है। भारतीय सेना पर हम सभी को गर्व है। पाकिस्तान को सेना ने मुंहतोड़ जवाब देने का काम किया।

छात्रा ने स्कूल टीचर पर लगाया बैड टच का आरोप

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में क्लास 4 में पढ़ने वाली पूर्व प्रमुख की भतीजी से स्कूल में टीचर ने बैड टच किया है। स्टूडेंट ने अपने क्लास टीचर पर ही छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। स्टूडेंट का आरोप है कि उसके टीचर उसे न सिर्फ गंदी निगाहों से क्लास में घूरते है, बल्कि गंदे इशारे करते और उसे बैड टच भी करते हैं। क्लास से बच्चों के जाने पर टीचर ने उसे टास्क देने के बहाने रोक लिया और जोर जबरदस्ती करनी चाही। इस पर बच्ची किसी तरह वहां से निकल कर भागी और परिजनों को पूरी बात बताई, जिसके बाद खूब बवाल हुआ। मामले को लेकर पीड़ित छात्रा के पिता ने के.नगर थाना में आवेदन देकर स्कूल के शिक्षक के खिलाफ किशोरी से छेड़छाड़ का आरोप लगाया। आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी की मांग की है। आरोपी शिक्षक की पहचान के.नगर थाना क्षेत्र के भोकराहा गांव निवासी तारीख आलम के रूप में हुई है। छात्रा के पिता ने मंगलवार को बताया कि उनकी 13 साल की बेटी क्लास 4 की स्टूडेंट है। बेटी पर उसके स्कूल के ही तारीख आलम नाम के शिक्षक की गंदी नजर है। बेटी ने उन्हें बताया कि उसके क्लास टीचर उसे गंदी निगाहों से क्लास में घूरते है, बल्कि गंदे इशारे करते और उसे बैड टच भी करते हैं।

घर में शिक्षक की करतूत के बारे में लड़की ने बताया : क्लास से बच्चों के जाने पर टीचर ने उसे टास्क देने के बहाने रोक लिया और जोर जबरदस्ती करनी चाही। इस पर वो किसी तरह वहां से निकल कर भागी और शिक्षक से खुद को बचाया। बच्ची बिलखती हुई घर पहुंची और शिक्षक के गंदे करतूतों के बारे में बताया। इसकी शिकायत लिए वे स्कूल पहुंचे और प्रिंसिपल से कंपलेन किया, तो उनकी शिकायत पर आरोपी शिक्षक पर कार्रवाई करने के बजाय प्रिंसिपल उनके ऊपर ही भड़क गए और अभद्रता पूर्ण व्यवहार करते हुए स्कूल से भगा दिया। स्कूल के प्रिंसिपल सुरज चौधरी ने बताया कि मामला जैसे ही उनके संज्ञान में आया, शिक्षक को स्कूल से हटाया जा रहा है। परिजनों की ओर से स्कूल प्रशासन पर लगाए आरोप बेबुनियाद हैं। मामले को लेकर प्रभारी थानाध्यक्ष सोनी कुमारी ने बताया की पीडित छात्रा के पिता ने आवेदन दिया है, मामले की जांच चल रही हैं।

बिहारशरीफ शहर का होगा विकास लोगों को होगा फायदा

नालंदा में 31.65 करोड़ की 25 योजनाओं को मंजूरी, पंचाने नदी पर बनेगा इंद्रधनुषी पुल

नालंदा, एजेंसी। बिहारशरीफ शहर के विकास के लिए राज्य सरकार ने 31 करोड़ 64 लाख 63 हजार 740 रुपए की 25 विकास योजनाओं को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत स्वीकृत इन परियोजनाओं से शहर की बुनियादी संरचना में व्यापक सुधार होगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी ने इन योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया है। नागरिक सुविधा केंद्र वार्ड-16 अम्बेर में एक आधुनिक नागरिक सुविधा केंद्र का निर्माण किया जाएगा, जिसमें सौंदर्यीकरण का काम भी शामिल है। यह केंद्र स्थानीय नागरिकों के लिए विभिन्न सरकारी सेवाओं को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराएगा।

सोहसराय स्थित सूर्य मंदिर से पंचाने नदी पर इंद्रधनुषी पुल का निर्माण होगा, जो स्थानीय यातायात को सुगम बनाएगा। इसके अलावा, शहर में जल निकासी की समस्या से निपटने के लिए खरजमा मोड़ से पंचाने नदी तक जल निकासी नाला और वार्ड चार सोहसराय में पंचाने नदी के किनारे नाला निर्माण काम किया जाएगा।

महत्वपूर्ण सड़कों का होगा निर्माण

शहर में कई महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण और नवीनीकरण किया जाएगा। जिनमें प्रमुख सोहसराय चौक से पूरब की ओर खासगंज लोहगानी होते हुए बिहार-निजाज पथ तक सड़क निर्माण का काम है।

वार्ड-51 वाजितपुर प्राथमिक विद्यालय से एनएच रामलखन सिंह यादव कॉलेज तक पथ निर्माण होगा। वार्ड-46 में दुर्गा स्थान से सोराबीपर मोड़ तक पथ निर्माण होगा। वार्ड-12 बिहारशरीफ-रहुई रोड से इमादपुर तक पथ निर्माण होगा। वार्ड एक में एनएच-20 से सोहडीह की ओर गोलापर जाने वाली सड़क का जीर्णोद्धार काम होगा। वार्ड तीन बिचली अड़ान में सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाएगा, जिससे सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए एक उपयुक्त जगह मिलेगा।

बिहार के 15 जिलों में सहकारी बैंक खोलने की तैयारी 1 लाख लोगों को लोन देने का क्या है प्लान

पटना, एजेंसी। बिहार में सहकारी बैंकों का विस्तार होगा। प्रदेश में 15 जिला सहकारी बैंक और 144 प्रखंडों में शाखाएं खोलने का प्रस्ताव रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को भेजा गया है। अभी 23 जिले में सहकारी बैंक संचालित हैं। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने सूचना भवन सभागार में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में राज्य के हरेक गांव तक सहकारी बैंक की पहुंच हो जाएगी। एक लाख लोगों को स्वयं सहायता समूह और संयुक्त देयता समूह से जोड़कर लोन दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अवसर पर सभी सहकारी बैंकों में मई माह में विशेष बैंकिंग अभियान चलाया जाएगा। सभी प्रबंध निदेशकों तथा शाखा प्रबंधकों को इस अभियान को अचूक रूप से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चलाने का निर्देश दिया गया है। अबतक 1123 स्थलों पर सहकारिता जागरूता, वित्तीय समावेशन एवं बैंकिंग सेवा से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। 805 पंचायतों में सेवा पहुंचायी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में 14 माइक्रो एटीएम वितरित किए गए हैं। 1723 से अधिक नए बैंक खाते खोले गए हैं। प्रेसवार्ता में अपर सचिव अभय कुमार सिंह, अपर निबंधक प्रभात कुमार, संयुक्त निबंधक निसार अहमद, कामेश्वर ठाकुर, उपनिबंधक अमर कुमार झा आदि मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि वेजफेड के तहत भी समितियां बनाने का काम तेजी से चल रहा है। अबतक 470 प्रखंडों में समितियां गठित हो चुकी हैं। चार यूनियन बन गया है। 15 जून तक शेष प्रखंडों में भी समितियां गठित हो जाएंगी। अन्य प्रमंडलों में भी सब्जी संघ का गठन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तर पर समितियों को कोल्ड स्टोरेज और गोदाम बनाने के लिए अनुदान दिए जा रहे हैं। अब तक 64 जगहों पर इसकी स्वीकृति दी जा चुकी है।

इंडो-नेपाल बॉर्डर सड़क दिसंबर तक बन जाएगी 2486.22 करोड़ रुपए से निर्माण कार्य हो रहा

पटना, एजेंसी। सामरिक दृष्टि से अहम इंडो-नेपाल बॉर्डर सड़क इस साल पूरी बन जाएगी। बिहार में भारत-नेपाल सीमा से सटे पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज जिलों को जोड़ने वाली इंडो-नेपाल बॉर्डर सड़क परियोजना का निर्माण अंतिम चरण में है। 450 किमी से अधिक सड़क यानी 80 प्रतिशत निर्माण हो गया है। इस संबंध में पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने बताया कि इस साल दिसंबर तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है। पश्चिमी चंपारण के मदनपुर से शुरू होकर किशनगंज के गलगलिया होते हुए सिलिगुड़ी तक जाने वाली इस महत्वपूर्ण केंद्रीय परियोजना का निर्माण 2486.22 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। भूमि अधिग्रहण और 131 पुल व पुलियों के निर्माण के लिए राज्य सरकार अपनी तरफ से 3300 करोड़ रुपए खर्च कर रही है।

एसएसबी की चौकियों को सड़क मार्ग से जोड़ना उद्देश्य : साल 2010 में इस सड़क का निर्माण शुरू हुआ था। इसका मुख्य उद्देश्य सीमा सुरक्षा बल की चौकियों को सड़क मार्ग से जोड़ना और सीमावर्ती क्षेत्रों में

अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण स्थापित करना है। भारत-नेपाल की कुल 729 किलोमीटर लंबी सीमा में से बिहार की 554 किलोमीटर सीमा इस सड़क परियोजना के दायरे में है। उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश और बिहार को मिलाकर इसकी कुल लंबाई 1372 किलोमीटर है। मंत्री ने कहा कि यह सड़क सीमा सुरक्षा बल की चौकियों तक तेज और सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करेगी। अवैध घुसपैठ और तस्करी पर सख्त नियंत्रण का माध्यम बनेगी। सीमावर्ती क्षेत्र के लाखों लोगों के लिए व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और कृषि उत्पादों के लिए सुगम, सुरक्षित और सीधा संपर्क मार्ग होगा।

दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोडः रेलवे ने एनएचएआई को दानापुर स्टेशन के पास 4 पिलर के लिए एनओसी दिया

रेलवे की जमीन पर 39 पिलर में 28 बने, सात के लिए अनुमति का इंतजार

पटना, एजेंसी। रेलवे ने एनएचएआई को दानापुर स्टेशन के पास चार पिलर बनाने की एनओसी जारी किया है। सात पिलर के लिए बातचीत जारी है। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक रेलवे के 1.8 किमी जमीन पर 39 पिलर का निर्माण होना है। इसमें 28 पिलर बन गया है। चार पिलर के लिए एनओसी मिला है। सात पिलर के लिए अनुमति का इंतजार है। इस एलिवेटेड रोड पर चढ़ने के लिए लोगों को दो विकल्प मिलेगा। पहला सुगना मोड के तरफ से आने वाले लोग रेलवे के कार्यालय शुरू होने से पहले ही एलिवेटेड रोड पर चढ़ेंगे।

सितम्बर 2026 में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य : परियोजना की कुल लागत 4432.97 करोड़ है। इसका कार्य 7 सितंबर 2026 को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस एलिवेटेड रोड के नीचे सर्विस रोड होगा। इससे लोकल यात्री सफर करेंगे। दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड से बिहटा एयरपोर्ट की सीधी कनेक्टिविटी होगी। इसके लिए एलिवेटेड रोड से बिहटा एयरपोर्ट के बीच चौड़ी सड़क बन रही है।

स्लैब चढ़ाने का शुरू होगा काम

दानापुर-बिहटा एलिवेटेड रोड का 64 प्रतिशत पिलर बनकर तैयार हो गया है। अब इन पिलरों पर स्लैब चढ़ाने का काम शुरू होगा। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक 387 पाया पर एलिवेटेड रोड बन रहा है। इसमें 248 पाया बनकर तैयार हुआ है। 27 पाया के लिए पायलिंग हुआ है।

जाम से मिलेगी निजात

एलिवेटेड रोड के निर्माण से पटना और बिहटा के बीच आम लोग जाम मुक्त सफर कर सकेंगे। इसका सीधा फायदा भोजपुर, बक्सर समेत पूरे शाहाबाद इलाके में आने-जाने वाले लोगों को मिलेगा। इसके साथ ही पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से उत्तर प्रदेश-दिल्ली समेत अन्य इलाके में लोग तेजी से पहुंच सकेंगे।

बेटों ने मां के साथ मिलकर पिता की कर दी हत्या

घर में पराई औरत के साथ पत्नी ने पकड़ा

गया, एजेंसी। गया में मंगलवार को 2 बेटों ने मां के साथ मिलकर पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घर में लाठी-डंडे से तीनों ने बुरी तरह से पीटा। पिटाई से पहले घर में काफी बहस हुई थी। बात इतनी बढ़ गई कि तीनों ने मिलकर शख्स को मार डाला। पुलिस की पूछताछ आरोपी बेटे ने बताया कि घरेलू विवाद में अपने पिता की हत्या की है। हालांकि सूत्रों के अनुसार पता चला है कि मृतक राज कुमार दास (55) का किसी महिला से अवैध संबंध था। राज कुमार घर महिला के साथ था। बेटे और पत्नी ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। कहासुनी के बाद राज कुमार की हत्या कर दी। 14 मई को राजकुमार के छोटे बेटे अजीत दास की शादी तय है। इसी वजह से सोमवार की रात पूरा परिवार गांव आया था, पर घर में घुसते ही पिता का अवैध संबंध का खुलासा हो गया। घटना अतरी थाना इलाके के मफा टांड़ गांव की है।

पुलिस के आने से पहले आरोपी फरार हो गए

हत्या मंगलवार की सुबह में हुई है। घर में काफी शोर हो रहा था। आसपास के लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। इस बात की भनक आरोपियों को लग चुकी थी। पुलिस आती उससे पहले ही सभी फरार हो गए। राज कुमार की लाश घर में पड़ी हुई थी। मौके पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार मौके पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया भेजा दिया गया। घटना के 2 घंटे के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अतरी थाना में केस दर्ज कराया गया है। एसपी आनंद कुमार ने एसडीपीओ नीमचक बथानी के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम बनाई। टीम में खिजरसराय के अंचल निरीक्षक, अतरी थानाध्यक्ष और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। एफएसएल और टेक्निकल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। एसडीपीओ प्रकाश कुमार ने कहा कि घटनास्थल का निरीक्षण किया। तुरंत टीम को गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

17 साल से अकेला रह रहा था राजकुमार

बताया जा रहा कि राजकुमार 17 पहले दिल्ली में रहता था। उसके बाद से वो गांव में अकेले ही रहता था। पिछले 5 महीने से राजकुमार का अवैध संबंध चल रहा था। राजकुमार की पत्नी नीरा देवी (52), तीन बेटे सुबोध दास (35), सुधीर दास (32) और अजित दास दिल्ली में ही रहते थे। सुबोध बड़ा बेटा था और दूसरे नंबर पर सुधार दास था। दोनों की शादी हो चुकी है। वारदात के वक्त दोनों बेटों की पत्नियां भी थी। जो वारदात के बाद से फरार हैं। इसके अलावा छोटा बेटा अजीत फरार बताया जा रहा।

सीवान में दरोगा रिश्वत लेते गिरफ्तार :वाशिंग मशीन और 20 हजार रुपए लेते पकड़ा

सीवान, एजेंसी। सीवान में निगरानी विभाग ने एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। मिथिलेश कुमार नगर थाना क्षेत्र के अस्पताल रोड पर असाव थाने में बतौर एसआई पदस्थापित है।

उसे एक वाशिंग मशीन और 20,000 रुपए नकद लेते पकड़ा गया। निगरानी विभाग के डीएसपी राजन कुमार सिंह के अनुसार, ससराव गांव के चंदन कुमार यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि पारिवारिक जमीन विवाद में उन्हें और उनके परिवार को झूठे केस में फंसाया गया था।

संक्षिप्त समाचार

राज्य के विभिन्न जिलों के सिविल कोर्ट के 496 न्यायिक अधिकारियों को मिला टैब

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट की ओर से तकनीक के साथ कार्यक्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को ग्रीष्मावकाश के बीच विभिन्न जिलों के सिविल कोर्ट के 496 न्यायिक पदाधिकारियों को टैब प्रदान किया गया। चीफ जस्टिस के निर्देश पर सभी न्यायिक पदाधिकारियों को टैब उपलब्ध कराया गया।हाईकोर्ट के जस्टिस आनंद सेन, जस्टिस गौतम कुमार चौधरी और अरुण कुमार राय की उपस्थिति में सभी न्यायिक पदाधिकारियों को टैब प्रदान किया गया। इस मौके पर जस्टिस आनंद सेन ने कहा कि यह टैब उन्नत सुविधाओं से लैस है। इसमें स्पीच टू टेक्स्ट (बोलकर लिखने) की सुविधा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक सहित कई आधुनिक तकनीक है।

बीजेपी विधायक ने आतंकी संगठन से जोड़ा युवक का नाम, मंत्री इरफान अंसारी ने दिया जवाब

रांची, एजेंसी। झारखंड में एक युवक द्वारा इंटरनेट मीडिया पर टिप्पणी के विरुद्ध रांची के भाजपा विधायक सीपी सिंह के एक्शन पर राज्य सरकार के मंत्री डा. इरफान अंसारी ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि युवक की गलती को आइएसआइएस से जोड़ना गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीपी सिंह की जुबान जहरीली है। ऐसा करना ओछी राजनीति और मानसिक दिवालियापन का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि सीपी सिंह ने उक्त युवक के विरुद्ध शिकायत की है। मंत्री ने कहा कि अगर सीपी सिंह के पास सबूत है तो कानून को सौंपना चाहिए, लेकिन धर्म विशेष, मौलवियों और मदरसों को बदनाम करने का ठेका उन्हें किसने दिया है? यह समाज को बांटने की राजनीति है। सवाल उठाया कि बार-बार मुसलमानों की देश के प्रति निष्ठा पर सवाल उठाना ही सीपी सिंह का राष्ट्रवाद है? उन्होंने चुनौती दी कि सीपी सिंह यह प्रमाणित करें कि युवक देशविरोधी संगठन से जुड़ा है। सीपी सिंह को सोचना चाहिए कि उस मासूम मां पर क्या बीत रही है, जिसके बच्चे पर उन्होंने आरोप लगाया है। विधायक को कानून पर भरोसा रखते हुए नफरत फैलाना बंद करना चाहिए।

लातेहार में अवैध शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ःरॉयल स्टेज के 872 बोतल बरामद

लातेहार, एजेंसी। लातेहार जिले के मनिका थाना की पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब की मिनी फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार की रात पुलिस ने मनिका के बरवैया पंचायत के चामा, सेवन गांव में छापेमारी की।इस दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में नकली शराब, स्प्रिट और शराब निर्माण में प्रयुक्त कई सामग्री बरामद की। बरामद सामग्री में रॉयल स्टेज की क्वाटर की 341 बोतल, हाफ के 531 बोतल के अलावा लगभग 200 लीटर स्प्रिट, 2000 खाली बोतल और विभिन्न ब्रांड के स्टिकर जब्त किया गया है। पुलिस ने इस मामले में बरवैया के रहने वाले बीरेन्द्र प्रसाद के बेटे राहुल प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मौके से 5 मोटरसाइकिल भी बरामद की हैं। इस छापेमारी अभियान में थाना प्रभारी शशि कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार, आरक्षी रामाश्रय पासवान, विशेष कुमार सिंह, सहायक आरक्षी पप्पू यादव और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

चक्रधरपुर में टाटा मैजिक और ट्रक की टक्करः बाईहातु के पास हादसे में तीन की मौत

चाईबासा, एजेंसी। चाईबासा-चक्रधरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाईहातु के पास बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। टाटा मैजिक और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सीनु पूर्ति (35), गंगा जारिका (36) और शिवराम हेंब्रम (30) के रूप में हुई है। हादसे में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तत्काल सदर अस्पताल ले जाया गया। तीन लोगों की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर कर दिया गया है।

झारखंड में 15 मई से बारिश की संभावना, 19 मई के बाद फिर बढ़ेगी गर्मी

रांची, एजेंसी। झारखंड में 15 मई से राज्य के पूर्वी और निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। 16 मई को राज्य के पश्चिमी भागों को छोड़कर शेष भागों में मेघ गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की पूरी संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक 17 मई को भी राज्य के पश्चिमी भागों को छोड़कर शेष भागों में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। 18 और 19 मई को भी राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है।

पलामू राज्य का सबसे गर्म जिला

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक गर्म पलामू जिला रहा। यहां का तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। रांची का अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री सेल्सियस रहा। दूसरी और मंगलवार को ही जमशेदपुर में सबसे अधिक 25 मिमी मीटर बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार झारखंड के कई इलाकों में 15 मई की दोपहर से मौसम में बदलाव होगा, जो 18 मई तक जारी रहेगा।

बोकारो और रामगढ़ में उमस भरा रहेगा दिन

मौसम में परिवर्तन की बात करें तो आज राज्य के बोकारो और रामगढ़ जिलों में कहीं-कहीं दिन उमस और गर्म रहने वाला है। 15 मई को राज्य के पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर लू चलने की संभावना है। इसी दिन राज्य के पूर्वी एवं निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा का झोंका और वज्रपात की संभावना बन रही है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। 16 और 17 मई को भी राज्य के उत्तर पश्चिमी भागों को छोड़कर शेष भागों में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवाओं का झोंका चलेगा। हवा की रफ्तार 50 किलोमीटर तक रह सकती है। इस दौरान वज्रपात की भी पूरी संभावना बनी है।

रांची में 16 और 17 मई को बारिश

मौसम के बदले मिजाज पर राजधानी रांची की बात करें तो आज आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और मौसम शुष्क रहेगा। अधिकतम तापमान बढ़कर 39 डिग्री सेल्सियस जा सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने वाला है। 15 मई को आंशिक बादल के साथ गर्जन वाले बादल भी बन सकते हैं। 16 में को आंशिक बादल छाए रहेंगे। मेघ वजन के साथ बारिश की संभावना है। इन दोनों दिनों में अधिकतम तापमान 39 डिग्री के आसपास रहने वाला है। 17 मई को आंशिक बादल छाए रहेंगे। मेघ गर्जन के साथ बारिश होगी। इस दौरान अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 18 और 19 मई को भी आंशिक बादल छाए रहेंगे। मेघ गर्जन के साथ वर्षा की संभावना है।

चाईबासा-चक्रधरपुर एनएच 75ई पर बड़ा हादसा, छोटा हाथी वाहन ने खड़े ट्रक में मारी टक्कर; 3 की मौत

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिम सिंहभूम जिला में सड़क दुर्घटना में मौत का सिलसिला नहीं थम रहा है। मंगलवार देर साथ रात 10 बजे चाईबासा चक्रधरपुर नेशनल हाईवे 75 ई में छोटा हाथी वाहन के दुर्घटना होने से तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बायहातु गांव से एक छोटा हाथी वाहन तेल भरने के लिए चाईबासा आ रहा था। जिसमें गांव के ही तीन अन्य लोग चालक के साथ सवार हो गए।

इसी दौरान, मुख्य सड़क पर खड़े एक ट्रक को वाहन ने अनियंत्रित होकर पीछे से धक्का मार दिया। धक्का इतना जोरदार था कि वाहन में बैठे चार व्यक्ति को बुरी तरह से जख्मी हो गए।दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद चारों घायल को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। इसमें बायहातू गांव निवासी सीनू पूर्ति और ऊपर बेड़ा निवासी गंगाधर जारिका की इलाज के दौरान सदर अस्पताल में मौत हो गई। जबकि एक मृतक और घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है।घायल की स्थिति भी चिकित्सकों ने काफी गंभीर बताई है। जिसे बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर कर दिया जा रहा है। मौत की जानकारी होते ही ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए, लोगों की भीड़ जमा हो गई।वहीं, परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। तीनों मृतक के शव को पुलिस अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रख चुकी है।

मंईयां सम्मान योजना को लेकर नया अपडेट, बीडीओ-सीओ को पहुंचा लेटर

चाकुलिया, एजेंसी। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में लाभुकों के गलत चयन एवं गड़बड़ी को लेकर जिला प्रशासन सख्त हो गया है। इस संबंध में उपायुक्त अनन्य मित्तल ने जिला के सभी प्रखंडों के बीडीओ व सीओ को अयोग्य लाभुकों पर कार्रवाई करने तथा जल्द से जल्द राशि वसूलने का निर्देश जारी कर दिया है। इसके साथ ही योजना स्वीकृति से पूर्व जांच करने वाले प्रखंड कार्यालय के संबंधित पदाधिकारी पर भी कार्रवाई करने का आदेश डीसी ने दिया है। डीसी के कड़े तेवर को देखते हुए प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी रेस हो गए हैं। मंगलवार को सामाजिक सुरक्षा कोषांग जमशेदपुर के सहायक निदेशक द्वारा भी सभी बीडीओ व सीओ को पत्र लिखकर मंईयां योजना के अयोग्य लाभुकों से वसूली गई राशि का डिमांड ड्राफ्ट निर्गत करने का निर्देश दिया गया है।

पत्र में कहा गया है कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना अंतर्गत माह अगस्त 2024 से अब तक अयोग्य लाभुकों के बैंक खाते में जो राशि का भुगतान किया गया है, उन्हें चिन्हित कर उनके खाते में जमा राशि को सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग जमशेदपुर को डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से यथा शीघ्र वापस करें।

मालूम हो किमंईयांसम्मान योजना के लड़कों की सूची में गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने जांच शुरू की थी। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि कई लाभुकों के नाम एक ही बैंक खाता संख्या से जुड़े हुए हैं, जो योजना के दिशा निर्देशों के विरुद्ध है।

डीसी ने जिला के सभी बीडीओ एवं सीओ को तीन दिनों के भीतर लाभुक सूची की जांच कर रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया था। प्रारंभिक जांच में मंईयां सम्मान योजना के तहत 2912 बैंक खाता ऐसे मिले, जो दो या दो से अधिक नामों के लाभार्थी से जुड़े हुए थे।

मंईयां सम्मान योजना के लाभार्थियों की लिस्ट में गड़बड़ी, डिप्टी कमिश्नर ने दिए जांच के आदेश

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में मंईयां सम्मान योजना में गड़बड़ियों का पता चला है। पूर्वी सिंहभूम जिले के डिप्टी कमिश्नर अनन्या मित्तल ने संभावित अनियमितताओं पर चिंता जताते हुए सभी प्रखंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) और अंचल निरीक्षकों (सीआई) को जांच करने और तीन कार्य दिवसों के भीतर रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। प्रारंभिक जांच के बाद,मित्तल ने कहा कि यह संज्ञान में आया है कि योजना के कई लाभार्थियों को एक ही बैंक खाते के माध्यम से धन प्राप्त हुआ है,जो योजना के दिशानिर्देशों का उल्लंघन है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है,सभी बीडीओ और सीआई को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर वास्तविक लाभार्थियों की सूची को सत्यापित करने और तीन कार्य दिवसों के भीतर जिला मुख्यालय को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। बयान के अनुसार,जिले भर के 2,912 बैंक खातों से दो या दो से अधिक लाभार्थियों को लाभ मिला है।

बयान में आगे कहा गया है कि ऐसे सबसे ज्यादा मामले निम्नलिखित अंचलों और प्रखंडों से सामने आए:पोटका (573),जमशेदपुर अंचल (390),गोलमुरी-सह-जुगसलाई (388),मानगो अंचल (300),घाटशिला (271),बोड़ाम (191),चाकुलिया प्रखंड (164),गुड़ाबंधा (122),पटमदा (113),डुमरिया (111),बहरागोड़ा (99), मुसाबनी (97),धालभूमगढ़ (81) और चाकुलिया अंचल (10)।

कड़ी चेतावनी जारी करते हुए,अनन्या मित्तल ने कहा,ऐसी अनियमितताओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपात्र लाभार्थियों के नाम सूची से हटा दिए जाएंगे, और वितरित की गई राशि उनसे वसूल की जाएगी। उन्होंने आगे चेतावनी दी कि ऐसे धोखाधड़ी वाले कार्यों में शामिल पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

मंईयां सम्मान योजना का उद्देश्य जरूरतमंद और योग्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है और इसके लाभ केवल सही लाभार्थियों तक ही पहुंचने चाहिए। ज़िला प्रशासन ने आम जनता और योजना के लाभार्थियों से सटीक जानकारी प्रदान करने की अपील भी की। बयान में आगे कहा गया,अगर किसी को योजना के तहत अनियमितताओं की जानकारी है,तो उन्हें आगे आकर प्रशासन को सूचित करना चाहिए,जो तुरंत कार्रवाई करेगा।

झारखंड समेत देशभर में सरिया की कीमतों में बढ़ोतरी के आसार, घर बनाना होगा महंगा

रांची, एजेंसी। झारखंड के साथ-साथ पूरे देश में सरिया की कीमतों में बढ़ोतरी के आसार हैं। इसका अहम कारण है नए लीज धारकों को अधिक कीमत पर लौह अयस्क एवं अन्य सामग्रियों का मिलना। आयरन ओर की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण बाजार में दरों की बढ़ोतरी हो रही है।

इधर, झारखंड में राज्य सरकार ने भी सेस की दरों में संशोधन किया है जिसका असर लौह उत्पादों पर पड़ना तय है। सेस की दर सौ रुपये प्रति टन से बढ़कर 400 रुपये प्रति टन हो गया है। वर्तमान में झारखंड में लौह अयस्क की कीमत उनकी गुणवत्ता के आधार पर तय होती है। इसके बावजूद आयरन ओर की कीमत 8 से 8.5 हजार रुपये प्रति टन के करीब है। इसी से स्पंज आयरन का निर्माण होता है जिसकी कीमत 25-27 रुपये प्रति किलो के आसपास है। इससे बिलेट भी बनता है जिसकी कीमत 38-40 रुपये प्रति किलो होता है। यही दो उत्पाद हैं जिससे लोहे के सभी प्रकार के उत्पाद तैयार होते हैं। छड़ और विभिन्न प्रकार के उत्पाद इसी से तैयार होते हैं। इस क्रम में कोयला, बिजली आदि भी खर्च होती है जिसका कीमतों पर सीधा असर होता है।

झारखंड में लोहे की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे का एक बड़ा कारण लीज पर लिए गए खदान की दरों में बढ़ोतरी है। नए लीज धारकों को अयस्क ही महंगा पड़ रहा है। पुराने लीज धारकों को कम कीमत पर लोहा मिला है, जिस कारण से पुराने लीज धारक अभी भी सस्ता लोहा उपलब्ध करा रहे हैं।

झारखंड में नए खिलाड़ी के तौर पर पहुंचे आर्सेलर मित्तल और जिंदल को महंगी दरों पर खदानों का लीज मिला है। अगले कुछ महीनो में बाजार में इसका असर दिखने लगेगा। हालांकि इसी सोमवार से सरिया की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिला है। मांग अधिक नहीं होने के कारण इसका व्यापक असर अभी नहीं दिख रहा है।

झारखंड में पहली बार बना जदयू का अपना कार्यालय, सीएम नीतीश कुमार ने किया ऑनलाइन उद्घाटन

रांची, एजेंसी। राज्य गठन के बाद जदयू पार्टी कई सरकारों में सम्मिलित रही है। लेकिन अभी तक इसके प्रदेश कार्यालय का अपना भवन नहीं था। पहली बार इसका अपना कार्यालय बीआइटी मोड के पास अपनी जमीन पर बना है।

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री सह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसका आनलाइन उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद पार्टी की बैठक हुई।

इस दौरान जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो, जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने संयुक्त रूप से फीता काट कर पार्टी के अंदर प्रवेश किया। इस दौरान पार्टी के कई वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर पूजा पाठ और हवन किया गया।

बैठक में आगामी निकाय चुनाव, सदस्यता अभियान एवं संगठन की मजबूती पर चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष ने उद्घाटन के बाद प्रदेश जदयू कार्यसमिति की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता खीरू महतो ने की। इसकहा कि लंबे समय से हमें अपने कार्यालय की तलाश थी। आज यह पूर्ण हुआ।

विधायक सरयू राय के आवास पर भी अतिरिक्त कार्यालय चलता रहेगा। उन्होंने सदस्यता अभियान जारी रखने और इसमें तेजी लाने की बात कही। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए जिलों में संगठन प्रभारी की घोषणा जल्द की जाएगी।

सरयू राय ने कहा कि संगठन नियमित कार्यक्रम करे और इस माध्यम से जन मानस को पार्टी के साथ जोड़े। जिन कार्यकर्ताओं को निकाय चुनाव लड़ना है।वे अपने वार्डों में संपर्क अभियान शुरू कर बैठक करें और समस्याओं को पार्टी स्तर से हल कराने का प्रयास करें। बैठक के बाद पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को मौन रख श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में श्रवण कुमार, डा. आफताब जमील, धर्मेंद्र तिवारी, भगवान सिंह, संजय सिंह, निर्मल सिंह, सागर कुमार, पिंटू सिंह, उपेंद्र सिंह आदि भी उपस्थित थे।

सरयू राय ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अनुराग गुप्ता को डीजीपी बनाए रखना नियम संगत नहीं है। राज्य सरकार ऐसा कर अन्य अधिकारियों को इस पद से वंचित कर रही है।

मुख्यमंत्री के विदेश यात्रा का उन्होंने स्वागत किया। कहा कि स्पेन और स्वीडन में जो विकास हेमंत सोरेन ने देखा, उस अनुरूप झारखंड में भी परिवर्तन करने की दिशा में आगे बढ़ें।

हजारीबाग के जवाहर घाटी पुल से गिरा बोलेरो, शादी से लौटने के दौरान हादसा

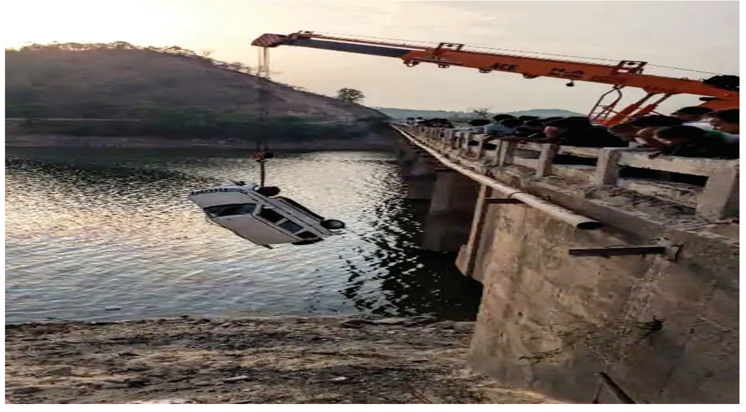

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत जवाहर घाट में आज अहले सुबह एक बोलेरो दुर्घटनाग्रस्त होकर जवाहर पूल के नीचे डैम में जा गिरी। जिसमें दो लोगों के मौत होने की सूचना मिली है। जिसमें एक व्यक्ति का शव बरमाद हो चुका है जबकि दूसरे के शव की तलाश जारी है। मिली जानकारी के अनुसार झुमरीतिलैया के रहने वाले फल विक्रेता राहुल सोनकर अपने मित्र आशीष व अपने मुंशी सौरव तथा ड्राइवर संदीप के साथ बीती रात कोडरमा से बरही एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गए हुए थे।

वहीं से चारो अहले सुबह तकरीबन 4.30 बजे वापस अपने घर झुमरीतिलैया लौट रहे थे। इसी बीच जवाहर घाटी में तिलैया डैम पर बने पुल पर उनकी बोलेरो गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना की जानकारी देते हुए सौरव शर्मा के एक मित्र ने बताया कि जिस जगह पर यह घटना घटी है उसी जगह पर बीती रात एक ट्रक भी दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। जब ये लोग बरही से लौट रहे थे तो उस ट्रक के पास इन्हें एक बड़ी गाड़ी ने चकमा दे दिया। जिससे इनकी गाड़ी अनियंत्रित हो गई और डैम में जा गिरी।

सौरव और संदीप ने किसी तरह बचाई जान : जानकारी के मुताबिक हादसे में घायल दो लोग सौरव और संदीप किसी प्रकार से बोलेरो का शीशा तोड़ कर पानी के बाहर आए। वहीं राहुल और आशीष बोलेरो के अंदर ही दम तोड़ चुके थे। उन्होंने बताया कि ये दोनों किसी प्रकार से ऑटो पकड़कर सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचे। जहां संदीप का प्रारंभिक उपचार करने बाद घर भेज दिया गया। वहीं सौरव का इलाज अभी भी जारी है।

इधर जिस ट्रक की उक्त जगह पर दुर्घटना हुई थी, उसके चालक के मुताबिक बोलेरो काफी तेज रफ्तार में बरही की ओर से आ रही थी। बोलेरो की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि जवाहर घाटी में बने पुल पर लगे दो रेलिंग को तोड़ते हुए गाड़ी डैम में जा गिरी। उक्त चालक ने बताया कि उसमें से दो लोग डैम से बाहर आए और एक ऑटो पर बैठकर झुमरीतिलैया की ओर भागे।

पुलिस ने क्रेन मंगवा कर निकाली गाड़ी : इधर घटना की सूचना पाकर बरही के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी व बरही थाना प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे और क्रेन मंगवाकर डैम में डूबे बोलेरो को बाहर निकलवाया। वहीं डैम से राहुल सोनकर का शव भी बरामद किया गया। इधर राहुल का एक अन्य साथी आशीष का शव अभी डैम में ही होने की बात कही जा रही है। जिसकी तलाश फिलहाल जारी है। इधर सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विकास गौरव ने बताया कि सौरव की हालत नाजुक है, इसलिए उसे रांची के रिम्स रेफर किया गया है। चिकित्सकों के अनुसार सौरव को सुबह उसके एक मित्र ने घायल अवस्था में सदर अस्पताल में भर्ती कराय था।

धनबाद से रवाना होगी भारत गौरव ट्रेन, कराएगी सात ज्योतिर्लिंग और द्वारका दर्शन

झुमरीतिलैया (कोडरमा), एजेंसी। भारतीय रेलवे की भारत गौरव पर्यटक ट्रेन अब झारखंड और बिहार के श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक यात्रा पर ले जाने के लिए तैयार है। धनबाद से 31 मई को रवाना होने वाली यह ट्रेन सात ज्योतिर्लिंगों द्वारकाधीश मंदिर और शिरडी दर्शन भी कराएगी। झुमरीतिलैया में आईआरसीटीसी ने प्रेस वार्ता आयोजित की, जिसमें रांची मंडल के डीजीएम जेएस सोरेंग, पर्यटन पदाधिकारी अरविंद कुमार चौधरी समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

इस यात्रा में श्रद्धालु उज्जैन में महाकालेश्वर व ओंकारेश्वर, द्वारका में नागेश्वर व द्वारिकाधीश मंदिर, सोमनाथ, शिरडी, नासिक में त्र्यंबकेश्वर, पुणे में भीमाशंकर और औरंगाबाद में घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग का दर्शन कर सकेंगे। कुल 12 रातों और 13 दिनों की इस यात्रा में धर्म, संस्कृति और श्रद्धा का संगम देखने को मिलेगा। भारत गौरव ट्रेन में स्लीपर श्रेणी में 23,575 प्रति व्यक्ति और वातानुकूलित 3-टियर श्रेणी में 39,990 रुपये प्रति व्यक्ति लगेंगे। इस राशि में आरामदायक रेल यात्रा, भोजन, स्थानीय परिवहन, होटल में रात्रि विश्राम, दर्शन की व्यवस्था, टूर गाइड, यात्रा बीमा और आन-बोर्ड सुरक्षा शामिल है।

ट्रेन धनबाद से रवाना होकर हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया, राजगीर, बिहारशरीफ, बख्तियारपुर, पटना, आरा, बक्सर, दिलदारनगर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशनों से यात्रियों को लेगी, जिससे झारखंड और बिहार के श्रद्धालुओं को इस अनोखी यात्रा में भाग लेने का शानदार अवसर मिलेगा।आईआरसीटीसी की वेबसाइट या अधिकृत एजेंटों के माध्यम से की जा सकती है। प्रेस वार्ता में आईआरसीटीसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने यात्रा की विशेषताओं, सुरक्षा व्यवस्था और सुविधाओं की जानकारी दी।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 14-05-2025 22:09 Page 1

उपायुक्त पहुंचीं वृद्धाश्रम, मातृत्व दिवस पर काटा केक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी। धनबाद की उपायुक्त माधवी मिश्रा बुधवार को दक्षिणी टुण्डी के आसनडाबर स्थित लालमणि वृद्धा सेवा आश्रम पहुंचीं और बुजुर्ग असहायों के बीच केक काटकर मातृत्व दिवस मनायी। उपायुक्त ने कहा कि बुजुर्ग असहायों की सेवा एक बहुत बड़ी पुण्य कार्य है तथा इन लोगों की उचित देखभाल करना सीधे साक्षात भगवान की सेवा करने के सामान है आगे उन्होंने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि बहुत जल्द पानी की समस्याओं से जूझ रहे इस आश्रम को पानी की समुचित व्यवस्था बहुत जल्द मुहैया कराया जाएगा। इसके अलावा उपायुक्त प्रखंड मुख्यालय के बगल स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पहुंचीं जहां वार्डन मनोरमा कुमारी की उपस्थिति में आदिवासी छात्रावास में रह रहीं बच्चों से मिलीं और वस्तु स्थिति से अवगत हुईं वहां भी उपायुक्त की पानी की ही समस्या का सामना करना पड़ा जहां पानी जल्द सुलभ कराने को बातें कही। उपायुक्त माधवी मिश्रा की टुण्डी दौरें को लेकर टुण्डी प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पाण्डेय, अंचलाधिकारी जितेंद्र प्रसाद काफी सक्रिय देखें गए। उधर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डन मनोरमा कुमारी भी उपायुक्त की दौरे को लेकर मुस्तैद थीं।

शौच गयी लड़की की अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म

- दो गिरफ्तार, एक अब भी पकड़ से बाहर
- मामले की जांच करेगी सीएफएल की टीम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में तीन युवकों द्वारा एक लड़की को उठाकर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आरोपी शौच के लिए निकली लड़की को उठाकर सुनसान जगह ले गए और फिर बारी-बारी से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस दौरान आरोपियों ने दुष्कर्म का वीडियो भी बनाया और फिर किसी को न बताने की धमकी दी। उक्त वीडियो का इस्तेमाल आगे फिर दुष्कर्म के लिए किया जा सके, इसके लिए उसे वायरल करने की धमकी दी गई। हालांकि आरोपियों ने वीडियो जारी कर दिया। इस घटना के बाद पीड़िता ने पूरी बात अपनी मां को बताई और उसके बाद सभी ने मिलकर पुलिस से शिकायत दर्ज कराई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हरकत में आ गई। फिर पुलिस ने कार्रवाई कर घटना में संलिप्त तीन आरोपियों में से दो को गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक आरोपी फरार हो गया। बताया जा रहा है कि सभी आरोपी पीड़िता के गांव के ही रहने वाले हैं। उन लोगों ने रात को शौच के लिए निकली लड़की को अकेला पाकर इस घटना को अंजाम दिया था। पूरा मामला जिले के रामपुर हरि थाना क्षेत्र के एक गांव का है।

मामले में यह भी सामने आया है कि दुष्कर्म से पहले धमकाने के लिए तीनों आरोपियों ने नकली पिस्तौल जो कि लाइट गन है, का इस्तेमाल किया था। आरोपियों ने धमकी दिए जाने की नीयत से वीडियो बनाया था ताकि आगे भी इस कांड को दोहराया जा सके। लेकिन आरोपियों ने उक्त वीडियो को जारी कर दिया। पुलिस द्वारा जुटाए गए सबूतों और अन्य वैज्ञानिक सबूतों के आधार पर कांड के आरोपियों की पहचान की जा सकी है। वायरल किए गए वीडियो में दिख रहा हथियार कुछ और नहीं, बल्कि एक लाइट गन है जो कि सिर्फ धमकी दिए जाने के मकसद से प्रयोग की गई थी। इस वीडियो को आरोपियों द्वारा पीड़ित लड़की को भेजा गया ताकि उसपर दबाव बनाया जा सके। वहीं, पूरे मामले में ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने बताया कि थाना क्षेत्र में एक लड़की को उसके घर के पास से कुछ मनचले उठाकर ले गए थे और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। इस दौरान आरोपियों द्वारा घटना का वीडियो बनाया गया था ताकि भविष्य में भी दुष्कर्म की घटना को दोहराया जा सके। फिलहाल पुलिस ने करवाई कर तीन आरोपियों में से दो को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अब भी फरार चल रहा है।

पुलिस ने बताया कि फरार आरोपी ही इस कांड का मुख्य आरोपी है, जिसने इस घटना को अंजाम दिया था। उसकी गिरफ्तारी को लेकर छापामारी की जा रही है। लड़की को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में एफएसएल की टीम की मदद ली जा रही है और हम लोग इसमें वैज्ञानिक सबूतों के आधार पर आगे की करवाई में जुटे हुए हैं।

डीसी एलआर की गाड़ी से बाईक की हुई टक्कर

दो घायल, नशेड़ी चालक फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। शहर थाना क्षेत्र के नावटोली चौक पर बुधवार को एक तेज रफ्तार सरकारी वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जाता है कि गाड़ी डिप्टी कलेक्टर ऑफ लैंड रिफॉर्म की थी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। साथ ही डीसीएलआर के वाहन के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के समय गाड़ी में केवल ड्राइवर मौजूद था। स्थानीय लोगों ने जब गाड़ी को रोकने की कोशिश की तो ड्राइवर नशे में प्रतीत हो रहा था। लेकिन इससे पहले कि लोग उसे पकड़ पाते, मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही ट्रैफिक प्रभारी समाल अहमद मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल युवकों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। फरार ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

युवक की मौत

समस्तीपुर। जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर सकरा गांव में मंगलवार की रात उस समय सनसनी फैल गई जब गांव के ही एक युवक का शव बोरिंग के छप्पर से गमछे के सहारे लटका मिला। मृतक की पहचान ननकी दास के 45 वर्षीय पुत्र और पेशे से टेंपो चालक अनिल दास के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

घटना की सूचना फैलते ही गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। आसपास के लोग भी बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए। शव जिस हालत में पाया गया, उसने इस मौत को संदेह के घेरे

ट्रेलर ने टैंकर में मारी टक्कर, लगी भीषण आग

घंटों मशक्कत के बाद दमकल ने पाया काबू, जाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रोहतास। जिले के धौड़ांड़ थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग 19 बुधवार सुबह एक बड़े हादसे का गवाह बना। तड़के करीब चार बजे कंचनपुर के पास डीजल से भरे एक टैंकर में तेज रफ्तार ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे के बाद दोनों वाहनों में भयानक आग लग गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रेलर का अगला हिस्सा टैंकर में जा धंसा और घर्षण के कारण आग भड़क उठी। कुछ ही पलों में दोनों वाहनों को आग की लपटों ने घेर लिया और पूरे राजमार्ग पर अफरातफरी मच गई।

आग की भयावहता को देखते हुए तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। कुछ ही देर में दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू हुआ। चूंकि टैंकर में डीजल भरा हुआ था, इसलिए आग पर काबू पाना चुनौतीपूर्ण था। लेकिन करीब दो घंटे की अथक मेहनत के बाद आग पर नियंत्रण पाया गया। हालांकि तब तक दोनों वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो चुके थे।

इस हादसे में एक बड़ी राहत की बात यह रही कि आग ट्रेलर में लदे गैस टैंकर तक नहीं पहुंची। अगर गैस टैंकर

आग की चपेट में आ जाता, तो यह हादसा कहीं ज्यादा खतरनाक और जानलेवा साबित हो सकता था। आग सिर्फ टैंकर और ट्रेलर के इंजन व सामने के हिस्से तक सीमित रही।

हादसे और भीषण आग की वजह से एनएच-19 पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों ने एहतियातन अपने वाहनों को रोक दिया। कुछ देर के लिए राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। हालांकि जैसे ही आग बुझाई गई और क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया गया, यातायात सामान्य रूप से बहाल कर दिया गया।

बिहार का एक और जवान शहीद

नवादा। नवादा के कौआकोल प्रखंड के रूपौ थाना क्षेत्र के पाण्डेयगंगौट गांव निवासी सेना के जवान मनीष कुमार (26) ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। वह जम्मू-कश्मीर के कारगिल में आर्मी नर्सिंग असिस्टेंट के पद पर तैनात थे। बुधवार सुबह ड्यूटी के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत के कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है। सुबह 9 बजे परिजनों को फोन पर सूचना मिली। खबर मिलते ही गांव और प्रखंड में शोक की लहर दौड़ गई।

मनीष का चयन वर्ष 2018 में हुआ था। वह चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। दो अन्य भाई भी सेना में तैनात हैं। मनीष की शादी इसी साल 6 मार्च को नवादा जिले के धुरिहार गांव में हुई थी। शादी के तीस दिन बाद वह ड्यूटी पर लौट गए थे। शहीद मनीष के पिता अशोक राम, मां शुशीला देवी और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में दिनभर लोगों की भीड़ लगी रही। हर कोई मौत के कारणों को लेकर असमंजस में रहा। मुखिया दीपक कुमार ने बताया कि मनीष मिलनसार और हंसमुख स्वभाव के थे। उनकी शहादत पर पूरे गांव को गर्व है।

गुरुकुल विद्यालय के बच्चों ने सीबीएसई बोर्ड में लहराया परचम

81 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल टॉपर रहे आयुष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पंड़वा प्रखंड के पाटन मोड़ बटसारा स्थित गुरुकुल विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों ने सीबीएसई बोर्ड के 10वीं की परीक्षा में परचम लहराया है। सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में गुरुकुल विद्यालय के पहला बैच के विद्यार्थी शामिल हुए थे। परीक्षा में गुरुकुल विद्यालय के शत-प्रतिशत बच्चों ने सफलता पाई है। गुरुकुल विद्यालय से सत्र 2024 - 25 में पांच बच्चे सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में शामिल हुए थे। इसमें आयुष कुमार 81 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल टॉपर रहे। करण कुमार ने 65 प्रतिशत अंक लाकर द्वितीय स्थान व सौम्या विश्वकर्मा 54 प्रतिशत अंक लाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी तरह खुशी सिंह 54 प्रतिशत अंक लाकर चौथा स्थान व प्रशांत कुमार चौहान 53 प्रतिशत अंक लाकर 5वां स्थान हासिल कर गुरुकुल विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के अध्यक्ष अनुज सिंह ने इस सफलता का श्रेय बच्चों की कड़ी मेहनत, कुशल व प्रशिक्षित शिक्षाविदों के मार्गदर्शन व अभिभावकों के साथ को दिया है।

कहा कि बेहतर परिणाम विद्यालय परिवार के लिए गर्व का पल है। उन्होंने बच्चों को उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन में घटित घटनाओं को चर्चा की। अपने शिक्षकों को भी नाम याद किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सहेंद्र साव ने बच्चों को बधाई दिया। कहा कि आने वाले दिनों में गुरुकुल विद्यालय के बच्चे बेहतर अंकों के साथ जिला स्तर पर अपना स्थान बनाएंगे। इस अवसर पर सभी शिक्षकों ने बच्चों को बुके देखकर सम्मानित किया। साथ ही मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक रूपेश सिंह, पवन कुमार मेहता, सतीश कुमार तिग्गा, शिक्षिका सीमा श्रीवास्तव, नेहा शुक्ला, संध्या मिश्रा, रजनी सिंह, अभिलाषा मिश्रा, प्रीति कुमारी, अनुश्री, वर्षा पुरी, खुशबू कुमारी, अनुष्का सिंह व विजयलक्ष्मी चौबे सहित कर्मचारी विपिन सिंह रानी देवी व सुहाग देवी भी मौजूद थे ।

कैम्प लगाकर 150 लोगों को मिले नियुक्ति पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। बीआरसी परिसर में कैंप लगाकर बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा अनुशंसित टीआरई-3 के कुल 150 शिक्षक अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राम जन्म सिंह ने किया। विदित हो इन शिक्षकों को 15 मई से 30 मई तक विद्यालय में योगदान किया जाना है। मौके पर पूर्व बीआरपी बालमुकुंद सिंह, शिक्षक मृत्युंजय सिंह, राजकुमार सहनी, अभिषेक झा, नंदकिशोर यादव, राजन कुमार आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

नकली दवा सप्लायर एवं कंपनियों पर हो एफआईआर : रूचिर तिवारी

दवा सप्लायर कंपनी के साथ-साथ सीएस व अधीक्षक भी दोषी : भाकपा

20 में से 18 दवाईयां नकली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रूचिर कुमार तिवारी ने एमएमसीएच में नकली दवा के सप्लाई होने के दो दिन बीत जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने पलामू के उपायुक्त को इस मामले में पत्र लिखकर कहा है कि पलामू के अस्पतालों में 20 में से 18 दावाओं का जांच में नकली होना व बावजूद इसके सिविल सर्जन का यह कहना कि जो सप्लायर खराब दवा दिया है वह बदलकर पुनः दूसरा दवा उपलब्ध कराएं। सप्लायर को क्लीन चिट दे देना यह साफ साबित होता है कि पलामू के सिविल सर्जन व अस्पताल अधीक्षक की इसमें मिली भगत है।

उन्होंने कहा कि जब सप्लायर व दवा देने वाली गुजरात की कंपनी नकली दवा का सप्लाई कर चुका है तो प्रथम दृष्टया में इन पर प्राथमिक दर्ज होनी चाहिए। क्योंकि कंपनी ने नकली दवा बनाने का भी कार्य किया है। पलामू जिला के सरकारी अस्पतालों में हजारों लोग इलाज कराने आते हैं। लेकिन स्वास्थ्य महकमा, दवा कंपनियां, सप्लायर व पलामू के सिविल सर्जन ये सभी लोग मिलकर इन मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा के विधायक-सांसद सहित पलामू के ही वित्त मंत्री इन खबरों से अनभिज्ञ हैं। इतना बड़ा दवा घोटाला होने के बावजूद अभी तक इन पर कोई कार्रवाई न करना या कुछ नहीं बोलना यह समझ से परे है।

उन्होंने कहा कि अभी तक इन दवा सप्लायर सहित दोषी सभी पदाधिकारी पर अपराधिक मामला का प्राथमिक दर्ज हो जाना चाहिए।

उन्होंने पलामू के उपायुक्त अविलंब इन सभी दोषियों पर प्राथमिक की दर्ज कराएं ताकि पलामू जिला के हजारों मरीज जो पिछले कई दिनों से नकली दवाओं का सेवन करते आ रहे हैं व उनकी बीमारी नहीं ठीक हो रही है, उन्हें न्याय मिल सके।

पप्पू यादव ने सरकार पर बोला हमला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मधेपुरा। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम के बाद पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बुधवार को मधेपुरा में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि भारत से अरबों का व्यापार करने वाला चीन हमारे ही पैसे से पाकिस्तान और आतंकियों की मदद करता है, लेकिन सरकार कुछ नहीं करती। उन्होंने कहा कि चीन पाकिस्तान को समर्थन देता है। वहां की सरकार और आतंकियों को संरक्षण देता है। पूरी दुनिया आतंकवाद से परेशान है। पप्पू यादव ने सवाल उठाया कि जब 'मेक इन इंडिया' का नारा दिया गया था, तो आज भी चीन से इतना बड़ा व्यापार क्यों हो रहा है? उन्होंने कहा कि देश के 90 प्रतिशत लोगों को व्यापार का मौका नहीं मिलता, तो 2-4 प्रतिशत लोगों के लिए देश के सम्मान के साथ समझौता क्यों किया गया।

सांसद ने आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन में नेतृत्व करने वाली सेना की अफसर कर्नल सोफिया कुरैशी की तारीफ करते हुए भाजपा के एक मंत्री पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया ने जिस तरह आतंकियों से लोहा लिया, वह काबिल-ए-तारीफ है।

दो अभियंताओं को किया गया निलंबित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ग्रामीण कार्य विभाग ने लापरवाही और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोपों में सारण जिले के मढ़ौरा कार्य प्रमंडल के दो अभियंताओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन की यह कार्रवाई विभागीय जांच के बाद की गई, जिसमें अभियंताओं पर मनमाने ढंग से भुगतान, बिना स्वीकृति पथ निर्माण और योजनाओं के उल्लंघन के आरोप प्रमाणित पाए गए।

निलंबित अभियंताओं में केशव साहनी, तत्कालीन कार्यपालक अभियंता, कार्य प्रमंडल मढ़ौरा, सम्प्रति मुख्य अभियंता, अनुरक्षण एवं उन्नयन ग्रामीण कार्य विभाग और परमेश्वर मेहरा, तदेन कनीय अभियंता, कार्य प्रमंडल मढ़ौरा, सम्प्रति सहायक अभियंता, कार्य प्रमंडल सोनपुर, ग्रामीण कार्य विभाग शामिल हैं। दोनों पर मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के अंतर्गत अनुमोदित पथ निर्माण कार्य में स्वीकृत लंबाई से अधिक कार्य दिखाकर भुगतान प्रस्तावित करने का आरोप है। दोनों पर यह भी आरोप है कि बिना किसी ठोस प्रमाण के उन्होंने पंचायत के अन्य योजना से पूर्व निर्मित 0.25 किमी पथ को योजना में दर्शाकर उसके लिए भी भुगतान स्वीकृत कर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने विभागीय स्वीकृति के पथ निर्माण कार्य प्रारंभ कर भुगतान प्रस्तावित भी कर दिया, जिससे कोई भी बसावट सम्बद्ध नहीं हो रहा था।

जांच में यह स्पष्ट हुआ कि दोनों अभियंताओं की ओर से लापरवाही एवं गंभीर वितीय अनियमितता बरती गई है, जिससे राज्य को आर्थिक नुकसान हुआ। दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए निलंबित किया गया है। साथ ही इसमें लिप्त अन्य अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जा रही है।

आदेश का अनुपालन नहीं करने वाले कर्मियों पर कुलपति ने बरती सख्ती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। राजभवन के निर्देश के बाद कुलपति प्रो. जवाहर लाल द्वारा जारी आदेश का पालन नहीं करने वाले कर्मियों पर अब सख्ती शुरू हो गई है। मंगलवार को कुलपति ने जब सभी विभागों की समीक्षा शुरू की तो जानकारी मिली कि अब भी राजभवन के आलोक में दिए गए आदेश का शत प्रतिशत अनुपालन कई विभागों ने अब तक नहीं किया है। इस पर कुलपति बिगड़ गए।

उन्होंने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लगवा दिया, इसके बाद कहा कि जब तक शाखा के प्रभारी और कर्मी काम पूरा नहीं करेंगे। तब तक उन्हें जाने नहीं दिया जाएगा। इस आदेश के बाद कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति हो गई। सभी फिर से राजभवन से बीते दो साल में आए पत्रों को ढूंढने में लग गए।

कई लोगों ने अपने-अपने विभागों की रिपोर्ट कुलपति के समक्ष प्रस्तुत की, लेकिन अधूरा होने के कारण उसे पूरा करने के लिए दिया गया। कुलपति ने कहा कि राजभवन के निर्देश के बाद पूर्व में ही सभी शाखाओं से रिपोर्ट मांगी गई थी, लेकिन समय सीमा पूरा होने के बाद भी कुछ शाखा ने अधूरी रिपोर्ट दी है। यह स्थिति ठीक नहीं है। इस कारण उन्हें चेतावनी के साथ काम पूरा करने को कहा गया। विवि प्रशासन के मुताबिक कई रिपोर्ट केवल कमेटी की अधूरी रिपोर्ट के कारण नहीं भेजा जा सका है। ऐसे कमेटी की सूची तैयार करने के लिए कुलपति ने आदेश दिया है। कुलपति के समक्ष कुछ महिला कर्मी पहुंची।

उन्होंने कहा कि घर जाने में देरी होने से परेशानी हो सकती है। इसके बाद कुलपति ने उनकी शाखा के पदाधिकारी को अपने कक्ष में बुलाया। उनसे रिपोर्ट मिलने के बाद महिला कर्मियों को कुलपति ने जाने का आदेश दिया।

साथ ही ऐसे कर्मी जिन्होंने अपनी रिपोर्ट और काम पूरा कर लिया था, उन्हें भी जाने के लिए कुलपति ने कहा। कुछ कर्मी और शाखा पदाधिकारी अधूरे काम को छोड़ ही प्रशासनिक भवन से निकलने के फिराक में थे, लेकिन दरबान को सख्त निर्देश था कि जब तक कुलपति की अनुमति ना हो तब तक कोई कार्यालय कोई ना छोड़े।

शिक्षकों एवं पुस्तकालयाध्यक्षों के वेतन भुगतान के लिए राशि हुई जारी

राज्य में कार्यरत माध्यमिक शिक्षक, उच्च माध्यमिक शिक्षक एवं पुस्तकालयाध्यक्षों के वेतन भुगतान हेतु कुल 28 अरब 18 करोड़ 62 लाख 96 हजार रुपये जारी करने की स्वीकृति दी गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सहायक अनुदान के मद में यह राशि निर्गत हुई है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस आशय की जानकारी दी। माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत जिला परिषद, नगर निकायों एवं माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षक और पुस्तकालयाध्यक्षों के वेतन भुगतान हेतु सहायक अनुदान से राशि उपलब्ध कराई जाती है।

अलग-अलग हादसों में दो की गयी जान

बेगूसराय। बेगूसराय में रोड एक्सीडेंट का ग्राफ कम होने का नाम नहीं ले रहा है। फोरलेन पर ओवर स्पीड के कारण लगातार हो रहे हादसे से जिले में कोहराम मच गया है। ताजा मामला एस कमाल थाना क्षेत्र का है, जहां सुबह से लेकर दोपहर तक दो अलग-अलग हादसे में दो लोगों की जान चली गई।

जानकारी के मुताबिक, पहला हादसा एस कमाल थाना क्षेत्र के ठल्-31 बिंद टोली के पास हुई। जहां एक हाई स्पीड और अनियंत्रित ट्रक एक महिला को उड़ाते हुए गड्ढा में जा पलटा।

व्यापारियों ने शांति मार्च निकाल और गुलाब का फूल देकर जताया विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। विश्व प्रसिद्ध महाबोधि मंदिर में मंगलवार की रात उत्पन्न हुए विवाद और अशांति की घटना ने बोधगया की अंतरराष्ट्रीय छवि को झकझोर दिया है। मंदिर परिसर में डीजे सॉन्ग और नारेबाजी के साथ जबरन प्रवेश करने की कोशिश, सुरक्षा कर्मियों से बहस और हिंसा जैसी घटनाओं के विरोध में बुधवार को बोधगया के व्यापारियों ने एकजुट होकर बाजार बंद कर दिया। व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने शांति मार्च निकाला और गुलाब का फूल देकर विरोध जताया। वहीं, घटना में घायल अनुज कुमार के बयान पर बोधगया थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जिसपर कार्रवाई में एक भंते को गिरफ्तार किया गया है।

बौद्ध भिक्षुओं के एक समूह द्वारा महाबोधि मंदिर मुक्ति आंदोलन के तहत मंगलवार की देर रात किए गए हंगामे से वातावरण तनावपूर्ण हो गया। घटना के दौरान सुरक्षाकर्मियों द्वारा मंदिर परिसर में नारेबाजी से मना करने पर स्थिति बिगड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भिक्षुओं के साथ आई महिलाओं और पुरुषों ने सुरक्षा कर्मियों से धक्का-मुक्की की और मारपीट तक की। इस दौरान माला-फोटो बेचने वाले एक दुकानदार के सिर पर गंभीर चोट भी आई। हालांकि सुरक्षाकर्मियों की तत्परता से स्थिति और

अधिक नहीं बिगड़ी, लेकिन यह घटना बोधगया जैसे शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक स्थल के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण मानी जा रही है।

बुधवार को स्थानीय दुकानदारों ने स्वेच्छा से अपनी दुकानें बंद रखीं और प्रशासन से मांग की कि आंदोलन के नाम पर अशांति फैलाने वालों को तत्काल हटाया जाए। उनका कहना है कि अगर ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो बोधगया का बाजार अनिश्चितकालीन बंद किया जाएगा। व्यापारियों ने यह भी आरोप लगाया कि इन घटनाओं से बोधगया में आने वाले विदेशी श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या प्रभावित हो रही है। घटना के बाद जिला प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। बुद्ध जयंती समारोह के दौरान देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर मंदिर परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस हर गतिविधि पर नजर रख रही है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सख्त निगरानी जारी है। बताया जा रहा है कि बौद्ध भिक्षुओं का एक दल बोधगया टेम्पल मैनेजमेंट कमिटी एक्ट में संशोधन की मांग को लेकर पिछले एक महीने से ज्यादा समय से धरना दे रहा है। मंगलवार को विवाद उस समय हुआ जब भिक्षुओं का यह दल महाबोधि मंदिर में भगवान बुद्ध की पूजा के लिए गया और नारे लगाने लगा। एक महिला प्रदर्शनकारी ने पत्रकारों को बताया कि मंदिर में उन्हें बुद्ध जयकार लगाने से रोका गया और कहा गया कि जय श्री राम बोलें, जिससे विवाद बढ़ गया। गया के डीएम ने स्पष्ट किया कि आंदोलनकारियों से कई बार संवाद स्थापित किया गया है। 10 मई को हुई वार्ता में आंदोलन समाप्त करने का आश्वासन भी दिया गया था, जो अब तक पूरा नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि आंदोलन के बहाने कुछ बाहरी लोग भी गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं, जिनकी पहचान सीसीटीवी फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग के माध्यम से की जा रही है। डीएम ने कहा कि कुछ प्रमुख लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे बोधगया की गरिमा और शांति को बनाए रखें। यह स्थल न केवल धार्मिक महत्व का है, बल्कि बिहार और भारत की पहचान भी है।

सरकार करेगी 21 कृषि बाजारों का कायाकल्प

किसानों को मिलेगा उनकी उपज का उचित मूल्य : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री, बिहार विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आर्थिक समृद्धि और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में कृषि विपणन निदेशालय के अंतर्गत राज्य के कृषि बाजार प्रांगणों का आधुनिकीकरण एवं समुचित विकास चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना, बाजार की सुलभ व्यवस्था उपलब्ध कराना तथा कृषि उत्पादों के भंडारण, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन की बेहतर सुविधा देना है।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों को उनकी फसल का सर्वोत्तम मूल्य दिलाने, उन्हें सुरक्षित और आधुनिक बाजार व्यवस्था प्रदान करने, कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने तथा खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए कृषि विपणन निदेशालय का गठन किया गया है। यह निदेशालय किसानों, व्यापारियों, उद्यमियों और निर्यातकों के लिए एक मजबूत बाजार प्लेटफॉर्म तैयार करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2021-22 में 12 प्रमुख कृषि उत्पादन बाजार प्रांगणों- गुलाबबाग (पूर्णिया), मुसल्लहपुर (पटना), आरा, हाजीपुर, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, मोतिहारी, गया, बेतिया, दाउदनगर एवं मोहनियाँ के समुचित विकास और आधुनिकीकरण हेतु 748.46 करोड़ रुपये की लागत से योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। वहीं, वित्तीय वर्ष 2022-23 में 9 अन्य बाजार प्रांगण सासाराम, बेगूसराय, कटिहार, फारबिसगंज, जहानाबाद, दरभंगा, किशनगंज, छपरा और बिहटा के विकास हेतु 540.61 करोड़ रुपये की लागत से योजनाएं क्रियानवित की जा रही हैं।

इन बाजार प्रांगणों में आधुनिक आधारभूत संरचना का विकास किया जा रहा है, जिसमें वेंडिंग प्लेटफॉर्म, दुकानों का निर्माण, वे-ब्रिज, जल निकासी प्रणाली, प्रशासनिक भवन, श्रमिक विश्राम गृह, अतिथि गृह, मछली बाजार, केला मंडी, आंतरिक सड़कों का निर्माण, सोलर पैनल, कर्मचारी कैंटीन और अपशिष्ट निपटान संयंत्र (कम्पोस्टिंग प्लांट) शामिल हैं। इन सुविधाओं से न केवल किसानों को अपनी उपज बेचने में आसानी होगी, बल्कि व्यापारियों और उद्यमियों को भी एक संगठित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण मिलेगा। श्री सिन्हा ने कहा कि बाजारों के आधुनिकीकरण से खरीद-बिक्री की प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा। इसके अलावा, केन्द्र सरकार की ई-नाम (e-NAM) योजना के माध्यम से किसान अपने कृषि उत्पादों को राज्य और देश के अन्य हिस्सों में ऑनलाइन बेच सकते हैं, जिससे बाजारों की सीमाएं टूट रही हैं और किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी हो रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से राज्य में कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण और निर्यात में भी तेजी आएगी। इससे बिहार खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

इस साल 15 जून के बाद भी जारी रहेगी बालू की आपूर्त्ति : विजय कुमार सिन्हा

खनन विभाग को वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 3569 करोड़ रुपये का प्राप्त हुआ राजस्व

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। उपमुख्यमंत्री और खनन विभाग के प्रभारी विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को बताया कि हर साल 15 जून से मानसून के चलते बालू घाट बंद कर दिए जाते हैं। लेकिन राज्य सरकार ने समय पर विकास योजनाओं को पूरा करने के लिए पहले से ही बालू के भंडारण की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि सरकार की परियोजनाएं बाधित न हों, इसके लिए 15 जून के बाद भी 180 बालू घाटों से बालू की आपूर्ति जारी रहेगी। इनमें 18 घाट सफ़ेद बालू के हैं। शेड्यूल रेट पर बालू की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है ताकि समय पर निर्माण कार्य हो सके। विजय सिन्हा ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 3569 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो लक्ष्य से अधिक है। जिन 37 बालू घाटों को सरेंडर किया गया था, उनमें से 29 की नीलामी प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है और 14 घाटों की नीलामी पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि जिन विभागों को बालू की आवश्यकता होगी, उन्हें खनन पट्टा भी दिया जाएगा।

विजय सिन्हा ने बताया कि 37 बालू घाटों को सरेंडर किया गया था, जिनमें 29 की नीलामी प्रक्रिया शुरू की गई है और 14 घाटों की नीलामी हो चुकी है। इसके अलावा, पीला बालू के 457 घाटों में से फिलहाल 161 घाट चालू हैं। उन्होंने बताया कि जो घाट सरेंडर किए गए हैं, उनकी अग्रिम संपत्ति जब्त की जाएगी और संबंधित लोगों पर अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को चेताया कि बालू, पत्थर और मिट्टी को लेकर कोई भी विभाग अपनी जिम्मेदारी से पीछे न हटे। उन्होंने दावा किया कि खनन विभाग इन सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में पूरी तरह सक्षम है।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आरोपों पर पलटवार करते हुए विजय सिन्हा ने कहा कि देश की सेना के साथ केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार मजबूती के साथ खड़ा है। उपलब्धता और सूचना के आभाव के कारण हम वहां नहीं पहुंच सके इसका ये अर्थ नहीं हुआ कि तेजस्वी यादव कुछ भी बोलेंगे। दरअसल, शहीद रामबाबू सिंह का पार्थिव शरीर पटना जब एयरपोर्ट पहुंचा तो वहां उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए तेजस्वी यादव के अलावा कोई और नेता नहीं था। जिसको लेकर तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया था।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 'सुविधा समागम' का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पंचदीप भवन, क्षेत्रीय कार्यालय, पटना में सीए. निरंजन कुमार, क्षेत्रीय निदेशक की अध्यक्षता में सुविधा समागम का आयोजन किया गया। बैठक में बिहार क्षेत्र के बीमाकृत व्यक्तियों को प्रदान किये जा रहे चिकित्सा हितलाभ, बीमारी हितलाभ, मातृत्व हितलाभ, अपंगता हितलाभ, आश्रितजन हितलाभ, अंत्योष्टि व्यय एवं प्रसूति व्यय से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत से चर्चा की गयी। इस अवसर पर 08 बीमाकृत व्यक्तियों एवं उनके परिजनों के विभिन्न समस्याओं, विशेषकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति से सम्बंधित मामलों के विषय में जानकारी ली गयी एवं मौके पर ही इसके निराकरण हेतु समुचित निर्णय किए गए। सुविधा समागम में उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों को सूचित किया गया कि आपातकालीन स्थिति में निजी चिकित्सा संस्थानों में इलाज कराकर चिकित्सा प्रतिपूर्ति का दावा करने पर उसे सीजीएचएस/सरकारी दर से सीमित कर दावे का भुगतान किया जाता है इसलिए बीमाकृत व्यक्तियों को यह सलाह दिया गया कि गैर आपातकालीन के मामलों में कर्मचारी राज्य बीमा निगम आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ या कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल सह चिकित्सा महाविद्यालय, बिहटा, में पहले इलाज प्राप्त करें वहां चिकित्सा उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में ही निजी संस्थान में इलाज करायें, साथ ही उपस्थित बीमाकृत व्यक्तियों को यह आश्वासन भी दिया गया कि उनकी सुविधाओं में उत्तरोत्तर सुधार हेतु कर्मचारी राज्य बीमा निगम कार्यवायी कर रहा है। इस अवसर पर डॉ. विजय कुमार केसरी, राज्य चिकित्सा अधिकारी, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, डॉ. तनुजा कुमारी, चिकित्सा निर्देशी, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, डॉ. सनोज कुमार, चिकित्सा अधीक्षक, प्रतिनिधि, कर्मचारी राज्य बीमा निगम आदर्श अस्पताल, फुलवारीशरीफ, डॉ. मुकेश कुमार मोदी, चिकित्सा अधीक्षक, प्रतिनिधि कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल सह चिकित्सा महाविद्यालय, बिहटा, मुकेश कुमार, संयुक्त निदेशक (हितलाभ) सह सदस्य सचिव, कर्मचारी राज्य बीमा निगम भी मौजूद थे।

विधान सभा चुनाव से पहले हम को बनाया जाएगा मजबूत : संतोष सुमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी को बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक सशक्त करने का निर्णय लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष डॉ अनिल कुमार की अध्यक्षता एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार सुमन की उपस्थिति में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर जोर देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ संतोष सुमन ने कहा कि आगामी बिहार विधान सभा चुनाव में एनडीए की जीत पक्की है। इसमें हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। बिहार का आवाम पूरी तरह से एनडीए के साथ है। यहां के लोग सुशासन व विकास के साथ है। बिहार की जनता किसी भी कीमत पर 'जंगल राज' की वापसी नहीं होने देंगी। आज भी बिहार के लोग राजद-कांग्रेस के 15 वर्षों के कुशासन, भ्रष्टाचार, अराजकता व लूट-खसोट को याद कर सिहर जाते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के एक-एक कार्यकर्ता को गरीब-गुरबों, वंचित-पिछड़ों के बीच जा कर केंद्र और प्रदेश की एनडीए सरकार की उपलब्धियों को बताने की जरूरत है। हम की यह कोशिश होनी चाहिए कि बिहार को दशकों तक लूटने वाले कांग्रेस व राजद के फरेब व झांसे में बिहार की जनता नहीं फंसे। बैठक में जिला में मजबूत कमिटी एवं प्रखंड तथा पंचायत में भी कमिटी यथाशीघ्र गठित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही बूथ स्तर पर मजबूती से काम करने की सलाह देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जहां से हम चुनाव लड़े वहां तो हमें मदद मिले ही, बाकी अन्य सीटों पर गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने में भी पार्टी को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने बैठक को सम्बोधित करते हुए निर्देश दिया कि विधान सभावार यथा शीघ्र प्रभारियों का चयन करे ताकि पार्टी की गतिविधियों को और मजबूती मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने सभी जिलों से 100-100 सक्रिय सदस्यों को पटना के किसी बड़े हॉल में प्रशिक्षण देने का भी सुझाव दिया। बैठक में जिला एवं प्रखंड स्तर पर प्रकोष्ठों की कमिटी गठित करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक का प्रारंभ द्वीप प्रज्वलन व राष्ट्र गान से हुआ। प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ताओं ने बड़े माला से राष्ट्रीय अध्यक्ष, पार्टी पदाधिकारियों व अन्य अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। बैठक में सिकंदरा विधायक प्रफुल मांझी, प्रधान महासचिव राजेश पांडेय, अविनाश कुमार, मोहम्मद कमालुद्दीन, स्मिता शर्मा, शकील हाशमी, कुमार शुभम, रविंद्र शास्त्री, श्रवण कुमार, गिरधारी सिंह, पिंटू रजक, प्रशांत भूषण श्रीवास्तव, अनिल रजक, संजर आलम, आकाश कुमार लव कुश कुमार, अभिषेक कुमार, शलिम सिद्दीकी, इम्फारुल हक़, राकेश कुमार, मो सैफुद्दीन आदि प्रमुख पार्टीजन उपस्थित रहें। बैठक का संचालन प्रदेश संगठन प्रभारी राजेश रंजन ने किया।

बिहार में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा : श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके शीघ्र समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम में प्रकोष्ठों के संयोजक नवीन आर्य चंद्रवंशी और प्रदेश महासचिव अरुण कुमार सिंह भी उपस्थित थे। मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्रवण कुमार ने कहा कि चूँकि यह चुनावी वर्ष है, इसलिए राहुल गांधी समेत विपक्ष के तमाम नेता बिहार का दौरा कर रहे हैं लेकिन यह भी उतना ही सच है कि चुनाव समाप्त होते ही ये लोग बिहार में नजर नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के आने से बिहार की राजनीति पर कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब विपक्ष की राजनीति और उनकी मंशा को भलीभांति समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुलेगा। श्रवण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव में 225 से अधिक सीटों के साथ प्रचंड जीत हासिल करेगा। प्रदेश की जनता का समर्थन पूरी तरह से एनडीए के पक्ष में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

आज दरभंगा से होगी कांग्रेस की शिक्षा न्याय यात्रा की शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दलित और अति पिछड़ी जातियों के वोटों को कांग्रेस के पाले में लाने केलिए दरभंगा और पटना में छात्रों के साथ 'शिक्षा न्याय संवाद' में हिस्सा लेंगे। दरअसल, बिहार में इस बार कांग्रेस पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में है और राहुल गांधी का यह बिहार दौरा उसी रणनीति का एक अहम हिस्सा माना जा रहा है। अपने बिहार दौरे के दौरान राहुल गांधी गुरुवार को कांग्रेस की शिक्षा न्याय यात्रा की दरभंगा से शुरुआत करेंगे। इसी दिन यानी आज ही कांग्रेस के बड़े नेता बिहार में 60 अलग-अलग जगहों पर छात्रावासों में जाकर छात्रों से संवाद करेंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। राहुल गांधी पटना में दलित समाज के विचारक ज्योतिराव फुले पर बनी फिल्म 'फुले' देखेंगे। कार्यक्रम में सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों और दलित वर्ग के कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रहेगी। कांग्रेस के इस पहल को दलित वोट बैंक को साधने की रणनीति मानी जा रही है।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी के 'शिक्षा न्याय संवाद' के तहत कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता भी बिहार में 60 जगहों पर छात्रों से संवाद करेंगे। कांग्रेस के इस कार्यक्रम के तहत राहुल समेत कांग्रेस के 62 राष्ट्रीय नेता राज्य के विभिन्न स्थानों पर एससी, एसटी, ओबीसी छात्रावासों और सामुदायिक भवनों में छात्रों से उनकी समस्याओं पर सीधे संवाद करेंगे। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था विफल हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार 20 साल से मुख्यमंत्री हैं और नरेंद्र मोदी 12 साल से पीएम हैं, लेकिन राज्य की हालत बद से बदतर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि 358 प्रखंडों में एक भी डिग्री कॉलेज नहीं खोला गया है, जबकि स्थायी शिक्षकों की भारी कमी है और तीन साल की डिग्री छह साल में पूरी हो रही है। बिहार की एनडीए सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के एससी-एसटी छात्रों के लिए आवंटित पैसों का इस्तेमाल पुल और सड़क बनाने के लिए कर रही है। बिहार सरकार छात्रों को स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के मकड़जाल में फंसाकर परेशान करती है। कन्हैया कुमार ने कहा कि सरकार छात्रों को पढ़ाई के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड देकर लोन के मकड़जाल में फंसाकर नौकरी लगने से पहले ही लोन रिकवरी एजेंट भेजने लगती है। सीएजी की रिपोर्ट बताती है कि एससी/एसटी छात्रवृत्ति का पैसा सड़कों और पुलों के निर्माण पर खर्च किया गया, यहां तक कि अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति भी बंद कर दी गई। कन्हैया कुमार ने कहा कि दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक छात्रों के छात्रावास या तो बंद हो गए हैं या बर्बाद होने के कगार पर हैं। बिहार में शिक्षा, उद्योग और बुनियादी ढांचे में निवेश करने के बजाय मोदी-नीतीश की डबल इंजन सरकार गुजरात की ओर धन भेज रही है।

प्रस्तावित रेलवे लाइन निर्माण को लेकर महाप्रबंधक ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा आज पूर्व मध्य रेल मुख्यालय हाजीपुर में दामोदर वैली कॉरपोरेशन के चेयरमैन एस.सुरेश कुमार के साथ डिस्पैच आपरेशन एवं बनहरडीह से कोयला खदानों तक प्रस्तावित नई रेल लाइन के निर्माण सहित कोयला खदानों से कोयले के सुगम परिवहन हेतु उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में पूर्व मध्य रेल की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण/दक्षिण) रामाश्रय पाण्डेय, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक डॉ. मनोज सिंह तथा प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक इंदू रानी दूबे सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे। बैठक में थर्मल पावर स्टेशनों को कोयले की सुगम आपूर्ति हेतु आरओबी के निर्माण से जुड़े मुद्दे, साइडिंग से रेल लाईनों की कनेक्टिविटी तथा गति शक्ति पालिसी के तहत कोयला के सुगम परिवहन हेतु कोडरमा स्टेशन पर वाई कनेक्शन का निर्माण तथा बनहरडीह से कोयला खदानों तक प्रस्तावित नई रेल लाइन के निर्माण जैसे मुद्दों पर विशेष रूप से चर्चा की गयी ।

शिविर में सौ लोगों ने किया रक्तदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं प्रथमा ब्लड सेंटर, पटना के संयुक्त तत्वावधान में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इंद्रजीत सिंह ने किया। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार हमारे वीर सैनिक सीमाओं की रक्षा करते हैं, उसी तरह हम सभी नागरिकों का भी कर्तव्य है कि समाज और देशहित में योगदान दें। रक्तदान उसी सेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। भीषण गर्मी के बावजूद विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। बिहार पशुचिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. जे.के. प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि विगत तीन वर्षों से विश्वविद्यालय रक्तदान शिविर का आयोजन कर रहा है और यह क्रम भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि सभी लोग नियमित रूप से रक्तदान कर कैंसर, थैलेसीमिया और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को जीवनदान दें। वहीं, डॉ. अजय कुमार शर्मा, छात्र कल्याण पदाधिकारी ने कहा कि रक्तदान न केवल दूसरों की जिंदगी बचाता है, बल्कि स्वयं रक्तदाता के शरीर के लिए भी लाभदायक होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. मनोज कुमार सिंह ने 'राष्ट्र प्रथम' के अंतर्गत इस शिविर की शुरुआत करते हुए प्रथमा ब्लड सेंटर की टीम का आभार प्रकट किया। उन्होंने युवाओं से रक्तदान के प्रति जागरूक रहने की अपील की। शिविर में 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान किया।

बिहार प्रदेश भू संपदा कांग्रेस कमिटी की पहली राज्यस्तरीय बैठक संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार कांग्रेस के मुख्यालय सदाकत आश्रम में बिहार प्रदेश भू संपदा कांग्रेस कमिटी की पहली राज्य स्तरीय बैठक आहुत की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार और सह प्रभारी देवेंद्र यादव के साथ बिहार कांग्रेस के कोषाध्यक्ष सह प्रदेश भू संपदा कांग्रेस के अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता ने सभी जिला के भू संपदा प्रभारियों की बैठक ली। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि आपके ऊपर राज्य कांग्रेस के विभिन्न भू संपदाओं की देख रेख की अत्यंत जिम्मेदार कर्तव्य दी गई है। प्रदेश कांग्रेस कमिटी आपके हर कदम पर साथ देगी और जिला में आप बेहतर काम कर सकें इसके लिए समय समय पर आपके साथ बैठकों का आयोजन किया जाता रहेगा। बिहार कांग्रेस के सह प्रभारी देवेंद्र यादव ने कहा कि भू संपदा कांग्रेस बिहार कांग्रेस कमिटी की एक अहम हिस्सा है। इसके सफल और सरल संचालन से कांग्रेस पार्टी की संपत्तियों का संरक्षण बेहतर तरीके से हो सकेगा। बैठक में प्रदेश भू संपदा कांग्रेस के अध्यक्ष सह बिहार कांग्रेस के कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता ने कहा कि सभी जिला प्रभारी अपने जिला कांग्रेस के अध्यक्षों के साथ उचित तालमेल और समन्वय से काम करेंगे। अपने कार्यो से संबंधित मासिक रिपोर्ट बिहार प्रदेश भू संपदा कांग्रेस कमिटी के प्रदेश कार्यालय में जमा करते रहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के इस बेहद सशक्त और मजबूत आनुषंगिक संगठन में आपकी जिम्मेदारी बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन उचित तरीके से करना होगा। बैठक में प्रदेश प्रभारी सचिव देवेन्द्र यादव, प्रदेश कोषाध्यक्ष सह चेयरमैन भू-सम्पदा कमिटी जितेन्द्र गुप्ता के अलावे जमाल अहमद भल्लू, मोतिलाल शर्मा, वैद्यनाथ शर्मा, संजय पाण्डेय, ज्योति गुप्ता, मो0 अफाक खां, संजय कुमार भारती, चैधरी राशीद हुसैन, कृष्ण कांत शाही, रौशन कुमार सिंह, राम सागर पाण्डेय, सुनील कुमार सिंह, प्रो0 सुनील कुमार, वसी अख्तर, अजित कुमार शुक्ला, डा0 अमित कुमार द्विवेदी, मनोज शर्मा, सूर्य नारायण यादव, हरि नारायण द्विवेदी, ओम प्रकाश मिश्र, प्रमोद राय, पंचदेव राम, नवेन्दु झा, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, रवीन्द्र कुमार शर्मा आदि थे।

शहीद हुए जवान को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत-पाक तनाव के बीच पाकिस्तान की ओर से किए गए ड्रोन हमले में शहीद हुए बिहार के सीवान जिले के वीर सपूत रामबाबू प्रसाद (27) का पार्थिव शरीर बुधवार को पटना एयरपोर्ट पहुंचा। एयरपोर्ट पर सेना के जवानों ने गमगीन माहौल में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी रामबाबू को श्रद्धांजलि देने एयरपोर्ट पहुंचे थे। जम्मू-कश्मीर सीमा पर तैनात जवान रामबाबू प्रसाद 9 मई को पाकिस्तानी ड्रोन अटैक में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान सोमवार-मंगलवार की रात करीब 1 बजे उनका निधन हो गया। वे देश की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम में अपनी ड्यूटी निभा रहे थे। शहीद रामबाबू का घर सीवान जिले के गौतम बुद्ध नगर थाना क्षेत्र के वसिलपुर गांव में है। उनके पिता स्व. रामविचार सिंह बड़हरिया प्रखंड के हरिहरपुर पंचायत के पूर्व उप मुखिया थे। रामबाबू की शादी 14 दिसंबर 2024 को हुई थी। अप्रैल में वे छुट्टी पर सीवान आए थे और वहां से वापस ड्यूटी पर लौटे थे। उनका ट्रांसफर उदयपुर हो गया था, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उन्हें फिलहाल जम्मू-कश्मीर में ही ड्यूटी पर रोक लिया गया था। शहीद के पार्थिव शरीर को पटना से उनके पैतृक गांव ले जाया गया, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शहीद के भाई अखिलेश सिंह से वीडियो कॉल पर बातचीत कर संवेदना जताई और हर संभव सहायता का भरोसा दिया। रामबाबू की शहादत ने न केवल उनके परिवार को बल्कि पूरे बिहार को गर्व और शोक से भर दिया है। पटना एयरपोर्ट पर शहीद रामबाबू को श्रद्धांजलि देने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि वह गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मांग करेंगे कि सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, या सीआईएसएफ जैसे सभी सैन्य बलों के जवानों को शहीद का दर्ज़ा मिले। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में ड्यूटी के दौरान कई जवान शहीद हुए, लेकिन उन्हें शहीद का दर्ज़ा नहीं मिलता। तेजस्वी ने जोर देकर कहा कि सभी सैन्य बलों के जवानों को यह सम्मान मिलना चाहिए क्योंकि वे देश के लिए अपनी जान दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह आतंकवाद को जड़ से खत्म करने और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारत सरकार से बात करेंगे।

दादीजी मंदिर में 1 जून से शुरू होगा समर कैंप, अपने हुनर को उड़ान देंगे बच्चे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गर्मी की छुट्टियों को रचनात्मक रंग और बच्चों के व्यक्तित्व को नई उड़ान देने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए बिहार प्रादेशिक अग्रवाल सम्मेलन इस वर्ष भी आठ दिवसीय समर कैंप का आयोजन कर रहा है। यह कैंप एक से आठ जून तक बैंक रोड स्थित शक्तिधाम दादीजी मंदिर परिसर में होगा। सम्मेलन के अध्यक्ष अमर कुमार अग्रवाल ने बताया कि पिछले 11 वर्षों से यह समर कैंप लगातार आयोजित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य उन बच्चों को मंच देना है, जो महंगे समर कैंप में भाग नहीं ले पाते हैं। यहां न केवल हुनर को तराशा जाता है, बल्कि आत्मविश्वास की नींव भी मजबूत की जाती है। इसकी खास बात यह है कि बच्चों को रंगमंच की बारीकियों से परिचित कराने के लिए राज्य के प्रतिष्ठित रंगकर्मी सुमन कुमार और कुशल कोरियोग्राफर राजस्थानी लोकनृत्य, लघु नाटिकाएं और थिएटर की तकनीकी बारीकियों का प्रशिक्षण देंगे। अग्रवाल महिला सम्मेलन की अध्यक्ष डॉ. गीता जैन ने बताया कि यह आयोजन केवल कला का प्रशिक्षण नहीं है, बल्कि एक संपूर्ण व्यक्तित्व विकास की कार्यशाला है। इसमें योग, ध्यान, एरोबिक्स, मेमोरी एक्सरसाइज, फायरलेस कुकिंग, क्राफ्ट, मेकअप टिप्स और मधुबनी पेंटिंग जैसी रचनात्मक विधाओं को भी शामिल किया गया है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। कला जागरण के सुमन कुमार का मानना है कि बचपन में मिला सही दिशा-निर्देश बच्चों के भविष्य को निखारता है और यह समर कैंप इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक सशक्त माध्यम है। सम्मेलन के महासचिव अक्षय अग्रवाल ने बताया कि कैंप में सीमित संख्या में ही बच्चों का चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह समर कैंप केवल एक प्रशिक्षण शिविर नहीं, बल्कि बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को जगाने और उन्हें आत्मविश्वास से भरने का एक जीवंत प्रयास है, जहां वे सीखेंगे, खिलेंगे और खुद को पहचानेंगे।

संपादकीय

आपरेशन सिंदूर की सफलता पर सभी ने सेना का समर्थन किया

जब भी कोई संकट की घड़ी आती है, तो पूरा देश एकजुट हो जाता है। पहलगाम हमले के बाद एक ओर नागरिकों का आक्रोश सामने आया, तो दूसरी ओर वे पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के मुद्दे पर सरकार और सेना के साथ खड़े दिखे। वहीं सभी राजनीतिक दल भी अपने मतभेद भुला कर आगे आए। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव और सैन्य कार्रवाई के लिए बढ़ते दबाव के बीच सहमति की सकारात्मक तस्वीर दिखी। इससे स्पष्ट है कि देश के सभी दल राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर एक हैं।'आपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में गुरुवार को सभी दलों ने न केवल सरकार का समर्थन किया, बल्कि सशस्त्र बलों के प्रति भी एकजुटता दिखाई। इससे पूरी दुनिया को संदेश गया है कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और इस मसले पर अब सख्ती से पेश आएगा। इस लिहाज से देखें तो सर्वदलीय बैठक से एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति भी बनी है। इसमें सभी दलों ने सुरक्षा संबंधी अपनी चिंता जरूर जताई, लेकिन किसी भी बहस से दूर रहे। यह भारतीय राजनीति की परिपक्वता का परिचायक है।सर्वदलीय बैठक इस मायने में भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें सरकार ने 'आपरेशन सिंदूर' से संबंधित कई जानकारियां साझा कीं। रक्षा मंत्री ने सुरक्षा चिंताओं को तरजीह देते हुए आश्वस्त किया कि पाकिस्तान के किसी भी सैन्य हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। सरकार बड़ा कदम उठाने से पहले जिस तरह पूरे देश को, खासकर विपक्ष को साथ लेकर चल रही है, उससे साबित होता है कि वह पड़ोसी देश द्वारा फैलाए गए आतंकवाद को समूल नष्ट करना चाहती है और कड़ी कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि भारत अब आर-पार के लिए तैयार है और आतंकवाद के खिलाफ उसकी शून्य सहिष्णुता की नीति है। वहीं दो कदम आगे बढ़ कर विपक्ष ने भी यह साफ कर दिया है कि राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि है और इस पर कोई राजनीति नहीं होगी। सर्वदलीय बैठक में सभी दलों की देश के लिए एकजुटता एक तरह से पाकिस्तान के लिए भी एक स्पष्ट संदेश है कि अगर वह किसी अन्य छिपी मंशा के मुताबिक लाभ उठाना चाहता है तो वहां भी उसे नाकामी हासिल होगी।

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी भीषण तनाव के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी इंटरनेशनल मानेटरी फंड (आईएमएफ) की ओर से पाकिस्तान के लिए बेलआउट पैकेज को मंजूरी दे दी गई। इसके कारण इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका बनी हुई है। देखा जाए तो भारत की यह आशंका निराधार और निरर्थक भी नहीं, क्योंकि यह जगजाहिर हो चुका है कि पाकिस्तान की आर्थिक नीतियों में उसकी सेना की दखलंदाजी काफी ज्यादा रहती है। साथ ही, पिछले लंबे समय से ऐसे प्रमाण भी लगातार मिलते रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से मिलने वाली किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद का इस्तेमाल पाकिस्तान भारत के विरूद्ध आतंकवादियों को पालने-पोसने एवं आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देकर निर्दोष लोगों की हत्या कराने के लिए करता रहा है।

आईएमएफ का पाकिस्तान को बेलआउट पैकेज देना सांप को दूध पिलाने जैसा

(चेतनादित्य आलोक)

इतना ही नहीं, पाकिस्तानी सेना अब 'स्पेशल इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन काउंसिल' में भी बड़ी भूमिका निभाने लगी है, जो इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तान में हालात अभी भी सुधरे नहीं हैं, बल्कि दिनोंदिन और बद से बदतर ही होते जा रहे हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी भीषण तनाव के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी इंटरनेशनल मानेटरी फंड (आईएमएफ) की ओर से पाकिस्तान के लिए बेलआउट पैकेज को मंजूरी दे दी गई। इसके कारण इस क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका बनी हुई है। देखा जाए तो भारत की यह आशंका निराधार और निरर्थक भी नहीं, क्योंकि यह जगजाहिर हो चुका है कि पाकिस्तान की आर्थिक नीतियों में उसकी सेना की दखलंदाजी काफी ज्यादा रहती है। साथ ही, पिछले लंबे समय से ऐसे प्रमाण भी लगातार मिलते रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से मिलने वाली किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद का इस्तेमाल पाकिस्तान भारत के विरूद्ध आतंकवादियों को पालने-पोसने एवं आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देकर निर्दोष लोगों की हत्या कराने के लिए करता रहा है। समय-समय पर इसके प्रमाण मिलते भी रहे हैं। फिलहाल, इसका ताजा उदाहरण पहलगाम के बैसरण घाटी की वह दिल दहला देने वाली घटना है, जिसमें आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की उनके परिवार वालों विशेषकर स्त्रियों और बच्चों के समक्ष उनका धर्म पूछ-पूछकर अत्यंत बेरहमी से हत्या कर दी थी। वैसे, 2021 में संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा हो चुका है कि पाकिस्तान एक प्रकार से सेना आधारित व्यापार करने वाला देश है, जो दान तथा ऋण में मिले रुपयों का उपयोग भारत के विरूद्ध आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने में करता रहा है।

इतना ही नहीं, पाकिस्तानी सेना अब 'स्पेशल इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन काउंसिल' में भी बड़ी भूमिका निभाने लगी है, जो इस बात का प्रमाण है कि पाकिस्तान में हालात अभी भी सुधरे नहीं हैं, बल्कि दिनोंदिन और बद से बदतर ही होते जा रहे हैं। वहीं, पिछले दिनों पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष मुल्ला आसिम मुनीर का भाषण सुनने के बाद तो यह भी बिल्कुल स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तानी सेना एक पेशेवर सेना नहीं, बल्कि जिहादियों जैसी भाषा बोलने और व्यवहार करने वाला एक धार्मिक संगठन मात्र है, जिसकी कमाई का मुख्य आधार व्यापार है। ऐसे में आईएमएफ से मिलने वाली आर्थिक मदद के कारण भारत के विरूद्ध इस क्षेत्र में सैन्य एवं आतंकी आक्रामकता और क्रूरता का जोखिम पैदा होने की आशंका बढ़ गई है। देखा जाए तो भारत ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अपनी इन्हीं चिंताओं से अवगत कराते हुए यह निवेदन किया था कि पाकिस्तान की आर्थिक हालत सुधारने के नाम पर उसके द्वारा मांगा जाने वाला ऋण आईएमएफ की ओर से मंजूर नहीं किया जाना चाहिए। भारत ने विरोध स्वरूप 09 मई को आईएमएफ के एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) लेंडिंग प्रोग्राम पर मतदान भी नहीं किया, जिसमें पाकिस्तान के लिए 01 अरब डॉलर के ईएफएफ लेंडिंग और 1.3 अरब डॉलर के नए लोन पर आईएमएफ द्वारा विचार किया जाना था। भारत की ओर से इस दौरान पाकिस्तान

में आईएमएफ कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर अपनी चिंता प्रकट करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष स्पष्ट शब्दों में कहा भी था कि पाकिस्तान लोन फाइनेंसिंग का इस्तेमाल सीमा पार (मुख्यतः भारत में) आतंकवाद के लिए कर सकता है। इसके बावजूद आईएमएफ ने 09 मई को 02 साल की अवधि के लिए पाकिस्तान को 1.3 अरब डॉलर का नया ऋण प्रदान कर ही दिया।

पाकिस्तान को ऋण देना मानवता विरोधी कदम – बता दें कि पिछले 35 सालों में पाकिस्तान 28 बार आईएमएफ से ऋण प्राप्त कर चुका है। हाल के वर्षों का ही रिकार्ड देखा जाए तो 2019 से पिछले 05 सालों में ही उसने आईएमएफ से 04 बार ऋण लिए हैं। जाहिर है कि ऋण में मिलने वाले रुपयों का इस्तेमाल यदि पाकिस्तान के द्वारा अब तक सही ढंग से किया गया होता तो शायद उसको आईएमएफ के दरवाजे पर बार-बार हाथ फैलाने की जरूरत ही नहीं पड़ती, लेकिन सच तो यही है कि पाकिस्तान आईएमएफ से बार-बार कर्ज लेता है, लेकिन वह उनका उपयोग वास्तविक उद्देश्यों के लिए नहीं, बल्कि भारत के विरूद्ध अपनी जिहादी मानसिकता को प्रदर्शित और प्रारूपित करने के लिए ही करता रहता है। आश्चर्य कि अब यह बात दुनिया में किसी से छुपी हुई भी नहीं है। इस प्रकार, देखा जाए तो जिन परिस्थितियों में सबकुछ जानते-बूझते हुए भी अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भारत की चिंताओं और आशंकाओं को दरकिनार कर आईएमएफ की ओर से पाकिस्तान को 11 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक का ऋण देने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया, वह एक प्रकार से सांप को दूध पिलाने जैसा प्रतीत होता है, जो केवल भारत विरोधी ही नहीं, बल्कि अंततः मानवता विरोधी ही साबित होने वाला है।

पाकिस्तान को ऋण दिलाने में अमेरिकी पहल कारगर – बता दें कि आईएमएफ से ऋण प्राप्त करने के लिए किसी भी देश को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सदस्य देशों के कुल वोटों का 85 प्रतिशत प्राप्त करना जरूरी होता है। साथ ही, यह जानना भी जरूरी है कि आईएमएफ में सबसे ज्यादा प्रभाव अमेरिकी वोट का होता है, जिसके पास सर्वाधिक 17 प्रतिशत वोटों का भार है। इसकी तुलना में भारत के पास वोटों का भार मात्र 03 प्रतिशत ही है। यही कारण है कि हमारे विरोध के बावजूद पाकिस्तान को आईएमएफ से ऋण मिल गया। देखा जाए तो इस मामले में अमेरिकी पहल का एक बड़ा कारण यह हो सकता है कि हाल के वर्षों में पाकिस्तान लगातार चीन की गोद में बैठकर खेलता रहा है, जिससे अमेरिका बेहद नाराज है। वह चाहता है कि पाकिस्तान चीन से बिदककर उसके पाले में आ जाए। इसीलिए शायद उसने पाकिस्तान को आईएमएफ से ऋण दिलाने में मदद की है, लेकिन उसे यह भी अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान तो शुरू से ही कभी चीन तो कभी अमेरिका की गोद में बैठकर खेलता रहा है।

धन का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए करेगा पाकिस्तान – पाकिस्तान और अमेरिका की ओर से उसे अपना ही पिट्ठू बनाए रखने के लिए अनेक प्रकार की रियायतें, जिनमें बेशुमार धनादि शामिल हैं, भी दी जाती रही हैं। वैसे, अमेरिका के द्वारा फटकारे जाने पर वह कहता तो जरूर है कि वह आतंकवादियों को पनाह नहीं देगा तथा विदेशों से मिले धन का उपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने में नहीं करेगा, लेकिन क्या हम नहीं जानते कि कुत्ते की दुम कभी सीधी नहीं होती। जाहिर है कि पाकिस्तान कभी नहीं सुधरने वाला। इसीलिए यह आशंका बनी हुई है कि हमेशा की तरह फिर वह आईएमएफ से मिले धन का उपयोग भारत के विरूद्ध आतंकवादी गतिविधियों यानी 'प्रॉक्सी वॉर' को बढ़ावा देने में करेगा।

एक बड़ा कारण यह भी –आईएमएफ से ऋण मिलने का एक बड़ा कारण यह भी है कि पाकिस्तान ने अमेरिका और चीन समेत कई देशों को अपनी धरती पर सैनिक और व्यापारिक गतिविधियां संचालित करने की छूट दे रखी है। इन देशों में अरब के देश और तुर्किए जैसा कट्टर इस्लामिक सोच वाला देश भी शामिल हैं। बता दें कि अब तक अनेक बार ये तमाम देश पाकिस्तान को अलग से भी ऋण देते रहे हैं। देखा जाए तो अकेले चीन ने ही पाकिस्तान में पाकिस्तान-चीन इकोनोमिक कॉरिडोर बनाने के नाम पर अब तक 65 अरब डॉलर से भी अधिक का ऋण दे चुका है। हालांकि 03 दशकों में भी उक्त इकोनोमिक कॉरिडोर बनकर तैयार नहीं हो सका है।

जी-07 देशों की निरर्थक अपील – सच कहा जाए तो इन परिस्थितियों में 'ग्रुप ऑफ सेवन' (जी-07) देशों की भारत एवं पाकिस्तान से सैन्य तनाव कम करने की अपील झूठी और निरर्थक प्रतीत होती है, क्योंकि एक तरफ तो दुनिया के 195 में से 190 देशों वाली संस्था अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष पाकिस्तान को 01 अरब रुपए का ऋण देकर उसको आतंक की फैक्ट्री चलाते रहने के लिए खाद-पानी देने का कार्य कर रही है, वहीं, दूसरी ओर जी-07 देश भारत एवं पाकिस्तान से सैन्य तनाव कम करने की अपील कर शांति स्थापना की खानापूर्ति कर रहे हैं। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तंभकार एवं राजनीतिक विश्लेषक।

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

(ललित गर्ग)

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी।

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीजफायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए,

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है ।

क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी।

मोदी-उद्बोधन जागृत राष्ट्र के हौसलों की उड़ान

पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइले एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुंखार आतंकियों को भी मार गिराया। पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको दुनिया ने भी देखा। भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। पिछले तीस में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने भारत को ही बार-बार लहूलुहान नहीं किया बल्कि ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है।

(ललित गर्ग)

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ़ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते।

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े एवं स्पष्ट शब्दों में न केवल पाकिस्तान को चेताया बल्कि उसको उसकी जमीन भी दिखायी। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ़ भारत की प्रखर एवं प्रभावी नीति को पूरी दुनिया के सामने बड़ी स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा। उनका संबोधन न केवल भारत की भावना की अभिव्यक्ति है, बल्कि यह हमारे देश के सैन्य, कूटनीतिक, नैतिक बल की प्रस्तुति एवं दो सौ अस्सी करोड़ तनी हुई मुट्ठियों की चेतावनी भी है। यह कोरा उद्बोधन नहीं, बल्कि एक जागृत राष्ट्र के साहस एवं हौसलों की उड़ान है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींची और नये पैमाने तय किये। पाकिस्तान की समझौते की गुहार को भी सुना, एक बड़े मकसद और व्यापक हित में भारत ने शांति की राह चुनी। पहले से ही युद्धों में उलझे विश्व के लिए भारत का यह कदम आशा एवं उम्मीद की बहुत बड़ी किरण है। लेकिन पाकिस्तान पर एक्शन सिर्फ स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। 22 मिनट का यह संबोधन पाकिस्तान के लिये एक सीख भी है और सबक भी। साथ ही यह एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ़ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम की भी उन्होंने खुल कर सराहना की एवं वीरगाथा सुनाई है। भारतीय सेनाओं पर जहां पूरे देश को नाज है, वहीं प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व पर समूचे देश को भरोसा है और आज हमारा देश समृद्धशाली और शक्तिशाली होने के साथ ही विकसित भारत के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आतंकवाद के समूल नाश के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। सिंदूर पोंछने का अंजाम अब हर आतंकी को पता चल गया है। मोदी ने साफ किया कि अब वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा और इस बार का प्रहार विनाशकारी एवं विध्वंसक होगा।

पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइले एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुंखार आतंकियों को भी मार गिराया। पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको दुनिया ने भी देखा। भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। पिछले तीस में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने भारत को ही बार-बार लहूलुहान नहीं किया बल्कि ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। मोदी ने स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज के साम्प्रदायिक सौहार्द एवं समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने साहस एवं निर्भीकता से पाक की आतंकी मानसिकता को दुनिया के सामने उजागर किया। आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं है। भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है और भारत ने अपनी शक्ति को दिखाते हुए न केवल पाकिस्तान को पस्त किया बल्कि दुनिया को चौंकाया भी है। बिना लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। अंधेरों को चीर कर उजाला की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल काल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली एवं सकारात्मक होने का आह्वान है।

मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें इक्कीसवीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया हथियारों की विश्वसनीयता को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है और ये स्थितियां हमने पाक के खिलाफ एक्शन में देख ली है।

मोदी ने भारतीय समाज में एकजुटता को अपरिहार्य बताया और कहा कि जब हमारी संप्रभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आएगा तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा। उन्होंने देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल किसी भी चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं। तब तक तैयार रहेंगे जब तक आतंक के अड्डे खंडहरों में तब्दील नहीं हो जाते। सीमाओं पर शांति इस बात पर निर्भर करेगी कि पाक आतंकवाद को लेकर क्या रवैया अपनाता है। उन्होंने देश की माता-बहनों और बेटियों को आश्वस्त किया कि सरकार का ऑपरेशन सिंदूर उनकी अस्मिता व सुरक्षा के लिये समर्पित था। उस पर किसी कीमत पर आंच नहीं आने दी जाएगी। यह उद्बोधन भारत की भावी सुरक्षित एवं सशक्त दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व की महाताकत बनाने का आह्वान है। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है।

मोदी ने अपने इस संबोधन से अनेक निशाने साधे हैं। उनके अनुसार 2047 तक विकसित मुल्क बनाने के लिए पूरी जी-जान लगाकर दौड़ना होगा। पाक एवं क्षेत्रीय अस्थिरता इसमें बड़ी बाधा है, और भारत ने फिलहाल इसका इलाज कर दिया है। पाकिस्तान तक सख्त संदेश पहुंच चुका है। इस टकराव के आगे न बढ़ने और भारत के फिर से अपने लक्ष्य की ओर चलने से विश्व राजनीति एवं आर्थिक विकास में नई आशा का संचार हुआ है। मोदी के पाक के खिलाफ एक्शन को स्थगित करने की खुशखबरी के साथ दुनिया में दो बड़ी सकारात्मक खबरे भी आशा की किरण बनी। एक आशा की किरण है अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वॉर का टल जाना, दूसरी किरण तीन साल से ज्यादा समय से युद्ध में उलझे रूस और यूक्रेन में सुलह के लिये दोनों देशों के बीच पहली बार सीधी बातचीत होना। यूक्रेन युद्ध, टैरिफ वॉर और भारत-पाक तनाव ने दुनिया को गंभीर संकट में डाल दिया था। तीनों मोर्चों पर आई सकारात्मक खबरों का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों में आया उछाल है। इनके चलते भारत में नीतिगत स्थिरता, बेहतर समन्वय और ईज आफ डूइंग बिजनेस की स्थिति भी पुनः रफ्तार पकडेगी। ताजा घटनाक्रम से भारत एक आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर एवं सशक्त राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साइबर सेफ्टी की फील्ड में ब्राइट करियर है एथिकल हैकिंग

हैकर शब्द सुनते ही हम थोड़ा डर जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई कंपनीज हैकर्स को हायर करती हैं हैकर्स की मदद से कंपनीज सिस्टम के लूपहोल्स जानने की कोशिश करती हैं ताकि मेलिशियस एलिमेंट्स से डाटा बचाया जा सके। कंपनीज के लिए यह काम करने वाले कहलाते हैं, एथिकल हैकर्स। साइबर सेफ्टी की फील्ड में एथिकल हैकिंग आज एक ब्राइट करियर है।

आज टेक्नोलॉजी जितनी तेजी से बढ़ रही है, इंटरनेट पर साइबर क्राइम भी उतनी ही तेजी से बढ़ रहा है। इमेल एकाउंट हैक करना, सेंसिटिव डाटा चोरी करना, फर्जी मेल्स के जरिए पर्सनल डीटेल्स जानना, पासवर्ड्स डिटेक्ट करना कुछ ऐसे क्राइम्स हैं, जो हैकर्स आसानी से करते हैं. हालांकि इनके पीछे सिस्टम में मौजूद लूपहोल्स भी बड़ा कारण हैं। कंपनियां इन्हीं लूपहोल्स को डिटेक्ट करने के लिए हैकर्स की मदद लेती हैं, जिन्हें कहते हैं, एथिकल हैकर्स। आज एथिकल हैंकिंग एक फुल-फ्लेज्ड करियर बन चुका है।

क्या है एथिकल हैकिंग?

एथिकल हैकर कंप्यूटर एक्सपर्ट्स का नेटवर्क होता है, जो आईटी सिस्टम में मौजूद लूपहोल्स को ढूंढते हैं और उन्हें दूर करते हैं ताकि सिस्टम सेफ रहे और मेलिशियस हैकर्स इसे हैक न कर पाएं। इसे पेनिट्रेशन हैकिंग भी कहा जाता है। इस काम को करने वाले प्रोफेशनल्स टेक्निकली काफी स्किल्ड होते हैं।

कौन से कोर्सेज हैं जरूरी?

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएट होना या कंप्यूटर इंजीनियरिंग की डिग्री होना जरूरी है। इसके अलावा आपको सी, सी++, पायथन, रूबी जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेस की जानकारी होनी चाहिए।आप सर्टिफिकेट कोर्स इन साइबर लॉ, एमएससी इन साइबर फॉरेन्सिक्स एंड इन्फॉर्मेशन सेक्योरिटी, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साइबर लॉ, एडवांस डिप्लोमा इन एथिकल हैकिंग, सर्टिफिकेट इन इन्फॉर्मेशन सेक्योरिटी एंड एथिकल हैकिंग, सर्टिफाइड इन्फॉर्मेशन सिस्टम सेक्योरिटी प्रोफेशनल जैसे कोर्सेज कर सकते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

एक अच्छा एथिकल हैकर वही बन सकता है, जो कंप्यूटर सेवी और गैजेट फ्रेंडली हो। आपमें एनालिटिकल थिंकिंग और डेडिकेशन जैसी क्वॉलिटीज होनी चाहिए, साथ ही इनिशिएटिव लेने और प्रॉब्लम सॉल्व करने की एबिलिटी भी होनी चाहिए। नए चेंजेस एडैप्ट करना और खुद को अपडेट करते रहना भी जरूरी है। इसके अलावा सॉफ्टवेयर और सिस्टम को टेस्ट करते समय अचानक आने वाले ट्रबलशूट्स को डील करने की क्वॉलिटी भी आपमें होनी चाहिए।

इवेंट मैनेजमेंट में बनाएं अपना कॅरियर

इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं।

इवेंट मैनेजमेंट का अर्थ विशेष रूप से कार्यक्रमों, त्योहारों, संगोष्ठियों आदि जैसे कार्यक्रमों के डिजाइन और संचालन के लिए परियोजना प्रबंधन कौशल को लागू करना है। आज आईपीएल, साहित्य उत्सव, ओलंपिक या राष्ट्रमंडल खेलों सहित सभी प्रमुख आयोजनों का प्रबंधन इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा ही किया जाता है। मार्केट रिपोर्ट्स के मुताबिक इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में एमबीए उन युवाओं के लिए कई अवसर खोलेगा जो एक्शन, विविधता, चुनौती और बाहरी काम के शौकीन हैं। इवेंट मैनेजमेंट सबसे अधिक लाभदायक कॅरियर के रूप में सामने आया है। आयोजन और आयोजन करने वाली कंपनियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर तलाश कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट को कई विश्वविद्यालयों में पेश किए जाने वाले जनसंचार का एक हिस्सा माना जाता है। इसलिए उम्मीदवार यूजी और पीजी स्तर पर इवेंट मैनेजमेंट कोर्स कर सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट खुदरा और विपणन क्षेत्र में बढ़ते रुझान के कारण तेजी से एक हॉट कैरियर विकल्प के रूप में पकड़ रहा है, जिसमें शामिल है -

- लक्षित दर्शकों के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करना
- विज़ुअलाइज़िंग कॉन्सेप्ट्स
- योजना
- बजट
- निष्पादन की घटनाएं
- फैशन शो, संगीत कार्यक्रम, सेमिनार, प्रदर्शनियों, शादियों, थीम वाली पार्टियों, उत्पाद लॉन्च आदि पर काम करना।

इवेंट मैनेजमेंट में कॅरियर कैसे शुरू करें?

इवेंट मैनेजमेंट में अपना कॅरियर शुरू करने के लिए उम्मीदवारों को इस क्षेत्र में एक विशेष डिग्री हासिल करनी चाहिए। प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए प्रवेश प्रक्रिया अलग-अलग होती है। उम्मीदवारों को उस पाठ्यक्रम की तलाश करनी चाहिए जिसका वे अध्ययन करना चाहते हैं और प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए पात्रता की जांच करें। इवेंट मैनेजमेंट में अधिकांश एंट्री-लेवल जॉब्स इवेंट मैनेजमेंट में स्नातक की डिग्री या डिप्लोमा करके किया जा सकता है। हालांकि मेगा इवेंट आयोजित करने वाली बड़ी कंपनियों में प्रबंधकीय पदों या नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए उम्मीदवारों को प्रतिष्ठित संस्थानों से एमबीए या पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की आवश्यकता होगी।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए पात्रता मानदंड

उत्कृष्ट जनसंपर्क और नेटवर्किंग कौशल वाले स्नातक इस क्षेत्र का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि एक प्रतिष्ठित फर्म या कंपनी में इवेंट मैनेजर बनने के लिए अच्छे जनसंपर्क कौशल के साथ एमबीए की डिग्री होनी चाहिए। मार्केटिंग में अपने मास्टर के साथ जनसंपर्क में डिग्री होने से इस पेशे में एक अतिरिक्त लाभ होगा।

इवेंट मैनेजमेंट के लिए स्किल्स और एट्रीब्यूट्स

एक इवेंट मैनेजर के पास अच्छा संचार कौशल होना चाहिए, चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए आश्वस्त होना चाहिए और किसी स्थिति को समझने और ठीक से प्रतिक्रिया करने की क्षमता होनी चाहिए। उसके पास रचनात्मकता और संगठनात्मक कौशल होना चाहिए। टीम भावना और नेतृत्व कौशल अन्य पूर्वापेक्षाएँ हैं। उन्हें घटना के हर मिनट के विवरण को भी देखना होगा।

जॉब प्रोफाइल

इवेंट मैनेजमेंट प्रबंधन के नवीनतम क्षेत्रों में से एक है और लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है। हालांकि इस क्षेत्र को अक्सर जनसंपर्क उद्योग की एक शाखा माना जाता है, यह बाजार का विस्तार कर रहा है और बहुत सारे रोजगार पैदा कर रहा है। विज्ञापन, पीआर और कॉरपोरेट कम्युनिकेशन कोर्स करने के बाद उम्मीदवार इवेंट मैनेजमेंट में भी अपना करियर बना सकते हैं। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में ढेरों नौकरियां उपलब्ध हैं। मौजूदा वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद, इवेंट मैनेजमेंट उद्योग लगातार तेजी से फल-फूल रहा है। बहुत सारे आयोजन होते हैं - शादियों, जन्मदिन पार्टियों और रियलिटी शो, फैशन और सांस्कृतिक शो पूरे देश में हो रहे हैं, जिससे कार्यक्रम योजनाकारों की मांग पैदा हो रही है। इवेंट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में उपलब्ध जॉब प्रोफाइल इस प्रकार है -

- **वेडिंग प्लानर** - ऐसे जॉब प्रोफाइल में शादी के आयोजन से संबंधित हर मिनट के विवरण पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। एक वेडिंग प्लानर अपने ग्राहकों को विभिन्न विवाह समारोहों की योजना बनाने में मदद करता है।
- **स्टेज डेकोरेटर** - स्टेज डेकोरेटर इवेंट के लिए स्टेज लेआउट डिजाइन करने के लिए जिम्मेदार होता है। स्टेज डेकोरेटर की जिम्मेदारी में मंच पर प्रॉप्स को व्यवस्थित करना और रखना और मंच को आयोजन स्थल के अन्य सजावटी तत्वों के बीच खड़ा करना शामिल है।
- **रसद प्रबंधक** - रसद प्रबंधक घटना के लिए आवश्यक उपकरण, मेहमानों और अन्य चीजों के परिवहन के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है।
- **प्रदर्शनी आयोजक** - एक प्रदर्शनी आयोजक की नौकरी की रूपरेखा एक कार्यक्रम योजनाकार की तरह होती है। प्राथमिक अंतर यह है कि एक प्रदर्शनी आयोजक योजना बनाता है और साथ ही मेलों और प्रदर्शनियों को निष्पादित करता है।
- **इवेंट प्लानर** - इवेंट प्लानर किसी इवेंट के सभी विवरणों की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। घटना एक सम्मेलन, कॉर्पोरेट घटना या शादी हो सकती है। एक इवेंट प्लानर थीम, लॉजिस्टिक्स से लेकर बजट तक इवेंट के लिए एक योजना बनाता है।
- **इवेंट मैनेजर** - इस जॉब प्रोफाइल में प्रत्येक इवेंट के पहलू के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होता है। एक इवेंट मैनेजर का काम किसी घटना को बिना किसी परेशानी के अवधारणा बनाना, योजना बनाना, व्यवस्थित करना और निष्पादित करना है।

इवेंट मैनेजमेंट में करियर के अवसर

इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में पारिश्रमिक उम्मीदवार की नौकरी की भूमिका और जिम्मेदारी पर निर्भर करता है। इसके अलावा, संगठन का आकार, ग्राहकों की प्रोफाइल, पेशेवर का अनुभव और फर्म का स्थान जैसे कारक भी उम्मीदवार का वेतन तय करते हैं। हालांकि इवेंट मैनेजमेंट में एक फ्रेशर 10,000 रुपये से 15,000 रुपये प्रति माह के बीच मासिक वेतन की उम्मीद कर सकता है। अनुभव और विशेषज्ञता के क्षेत्र के साथ सैलरी बढ़ती है। एक कुशल फ्रीलांसर या एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के मालिक के रूप में काम करके काफी पैसा कमाया जा सकता है। एक बार जब कोई इवेंट मैनेजर इस क्षेत्र में अनुभव प्राप्त कर लेता है तो वह अपने क्लाइंट के आधार पर 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये या उससे अधिक की फीस की उम्मीद कर सकता है।

ऑनलाइन किचन बिजनेस की करें शुरूआत होगा मोटा मुनाफा

वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आइए जानते हैं कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं। कहते हैं कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। जिस काम से आपका और आपके परिवार का खर्च निकल जाए, तो वह काम सबसे अच्छे होता है। आज के दौर में सबका जॉब पाना सबसे थोड़ा मुश्किल काम है। ऐसे में लोग खुद का स्टार्टअप खड़ा करने की सोच रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी कम लागत के साथ अपना बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो बता दें कि यह आर्टिकल आपके लिए है। आज के समय में एक नहीं कई ऐसे ऑनलाइन बिजनेस हैं। जिनको आप घर बैठे-बैठे आसानी से चला सकते हैं।

आज हम आपके लिए एक ऐसे ही होम बेस्ड बिजनेस आइडिया लेकर आए हैं। आप इस काम को घर बैठे कम से कम लागत के साथ शुरू कर सकते हैं। वहीं महिलाएं इस काम को शुरू करके अच्छा खासा मुनाफा भी कमा सकती हैं। आपको बता दें कि आप घर से ऑनलाइन किचन ब?जनेस की शुरआत कर सकते हैं। इस बिजनेस में आपको अपने किचन में बने खाने को बेचना होगा। किचन खाने को बेचने के लिए आपको उसे पैककर ऑनलाइन फूड डिलीवरी एप के जरिए लोगों तक पहुंचाना होगा। वर्तमान समय में मार्केट में कई सारे ऑनलाइन फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, फूड पांडा, उबर और स्विगी आदि फूड डिलीवरी एप हैं। इन एप के मदद से आप घर का बना हुआ खाना सेल कर सकती हैं। आपका जो मैन्यू होगा उसी के हिसाब से आपके पास ऑर्डर आएगा। तो आइए जानते हैं कि आप किचन का ये बिजनेस कैसे शुरू कर सकते हैं।

कैसे शुरू करें बिजनेस

सबसे पहले इस बिजनेस को शुरू करने के लिए अपना किचन तैयार करें। फिर उस किचन रेस्टोरेंट का नाम तय कर लें। अब आपको FSSAI से फूड लाइसेंस लेना होगा। इसके लिए आपको ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके बाद फूड डिलीवरी पार्टनर जैसे जोमेटो, उबर, स्विगी और फूड पांडा आदि से अपने किचन रेस्टोरेंट को रजिस्टर करवा लें। फिर आपके यहां फूड डिलीवरी पार्टनर का एग्जीक्यूटिव विजिट करेगा। सब कुछ सही पाए जाने पर आपको अप्रूवल मिल जाएगा। जिसके बाद आपको ऑनलाइन ऑर्डर मिलने शुरू हो जाएंगे

ऐसे काम करेगा बिजनेस

बता दें कि जैसे ही आपको मोबाइल पर कोई ऑर्डर आता है, तो आप उस ऑर्डर के फूड को पैक कर दें। फूड पैकिंग के लिए आप किसी ऑनलाइन वेबसाइट से या मार्केट से जरूरी सामान खरीद सकते हैं। खाने का ऑर्डर लेने के लिए आपके पास डिलीवरी बॉय आएगा। डिलीवरी बॉय आपके ऑर्डर लेकर उस कस्टमर को देगा, जिसने खाना ऑर्डर किया था। इसके साथ ही फूड डिलीवरी एप और आपके बीच जो खाने के रेट को लेकर करार हुआ होगा। उसी हिसाब से वीकली आपके अकाउंट में पैसा आएगा।

हर दिन होगी इतनी कमाई

किचन रेस्टोरेंट की शुरूआत में हो सकता है कि आपको कम ऑर्डर मिले। लेकिन अगर आपके किचन से रोजाना 29 ऑर्डर मिले और आप हर ऑर्डर पर 50 रुपए की बचत करते हैं, तो हर दिन 1000 रुपए आपके पक्के होंगे। इस तरह के काम में किसी भी दिन छुट्टी नहीं होती है। ऐसे में आप महीने में कम से कम 30000 रुपए तक कमा सकते हैं। हांलाकि अगर आप चाहें तो शाम का समय भी फूड सर्विस के लिए चुन सकते हैं।

डेटा साइंटिस्ट फील्ड में बनाएं कॅरियर, मिलेगी जबरदस्त ग्रोथ

डेटा साइंस शब्द से अक्सर आप रूबरू होते होंगे। जाहिर सी बात है लोगों के दिमाग में डेटा साइंस को लेकर कई सवाल भी रहते होंगे। वहीं कुछ लोग इन सवालों का जवाब पाने के लिए इंटरनेट का सहारा भी लेते हैं। अगर आप भी डेटा साइंट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल करना चाहते हैं तो फिर यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डेटा साइंस से जुड़े सभी सवालों के जवाब देने की कोशिश करेंगे।

आपको बता दें कि जैसे-जैसे देश-दुनिया में डेटा का महत्व बढ़ रहा है। उसी तेजी के साथ डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिटिक्स जैसे जॉब के अवसर भी सामने आ रहे हैं। बता दें कि बताया जा रहा है कि आने वाले 10-15 सालों में इस कोर्स का स्कोप काफी ज्यादा होगा। इस सेक्टर में नौकरियों की भरमार होने वाली है। ऐसे में अगर आपको लैपटॉप और कंप्यूटर की अच्छी खासी जानकारी है। तो डेटा साइंस से जुड़ा कोई भी कोर्स आपके लिए है। इस फील्ड में आप अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

BTech- Data Science

यह का कोर्स चार साल का होता है। इसे आप रेगुलर मोड में भी किया जा सकता है। इस कोर्स में स्टूडेंट्स को डेटा से जुड़े टूल्स और टेक्निक्स सिखाये जाते हैं। जिसकी मदद से डेटा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस कोर्स में यह भी बताया जाता है कि उस डेटा को कैसे काम में लाया जाता है। साथ ही इंजीनियरिंग फिजिक्स से लेकर अलग-अलग थ्योरीज को पढ़ाया जाता है।

BSc-Data Science

यह डिग्री कोर्स तीन साल का है। इसमें कई तरह के डोमेन होते हैं। जैसे- बिजनेस एनॉलिटिक्स, कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आदि। इस कोर्स में छात्रों को बिजनेस और कंप्यूटर के साथ AI के बारे में भी बताया जाता है। डेटा साइंस में बिग डेटा एनॉलिटिक्स, मशीन लर्निंग और स्टैटिस्टिक्स जैसे कई कॉन्सेप्ट्स पढ़ाए जाते हैं। जिनके इस्तेमाल से आम लोगों से जुड़ी समस्याओं को हल किया जाता है। डेटा साइंस में BSc करने के लिए छात्रों के 12वीं में 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है। इस कोर्स को करने से लिए 12वीं में साइंस स्ट्रीम का होना जरूरी है। अन्य स्ट्रीम वाले स्टूडेंट्स को भी कुछ कॉलेज एडमिशन देते हैं। यहां पर कॅरियर ऑप्शन की कमी नहीं है। बैंकिंग जैसे क्षेत्र में डेटा साइंटिस्ट, प्रोसेस एनॉलिस्ट, बिजनेस, हेल्थकेयर और बिजनेस एनालिस्ट की नौकरियां उपलब्ध हैं।

BCA

यह भी तीन साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है। इस कोर्स में कंप्यूटर और मैथमैटिकल साइंस से जुड़ा करिकुलम छात्रों को पढ़ाया जाता है। आज की तेजी से बदलती आईटी इंडस्ट्री को ध्यान में रख कर ये कोर्स बनाया गया है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा साइंस से जुड़े कॉन्सेप्ट्स को और उनके एप्लिकेशन को समझाने पर जोर दिया जाता है। इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट्स के 12वीं में 50 फीसदी अंक होने जरूरी हैं। इस कोर्स में साइंस स्ट्रीम वाले छात्रों को भी सुविधा दी जाती है। छात्रों को कॅरियर बनाने के लिए अनेक मौके यहां पर उपलब्ध हैं। विप्रो, अमेजॉन जैसी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों में डेटा इंजीनियर, डेटा आर्किटेक्ट और डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर के पदों पर काम करने का मौका मिलता है।

डिप्लोमा इन डेटा साइंस

डेटा साइंस में डिप्लोमा दो साल का हो सकता है। इसमें स्टूडेंट्स को डेटा एनॉलिटिक्स और डेटा साइंस में ट्रेंड किया जाता है। बता दें कि डिग्री के मुकाबले डिप्लोमा कोर्स में कम खर्च होता है। इस कोर्स को करने से कम समय में ज्यादा स्किल्स सीखने का मौका मिलता है। 12वीं के बाद छात्र यूजी के बाद भी डिप्लोमा कर सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के बाद बिजनेस इंटेलीजेंस एनॉलिस्ट, रिसर्च एनॉलिटिक्स और एनॉलिटिक्स मैनेजर जैसे पदों पर काम करने के मौके हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

तकनीक के बढ़ते ब्यूग में ऑनलाइन कोर्सेज की काफी भरमार है। दुनिया की कई बड़ी कम्पनियां ऐसे कोर्सेज को लेकर आ रही हैं। इसी लिस्ट में डेटा साइंस का सर्टिफिकेट कोर्स भी शामिल है। इस ऑनलाइन कोर्स कराने वाली कोर्सएरा, उडेमी जैसी कंपनियां इस कोर्स को करवाती हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को कंप्यूटर साइंस और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का आना अनिवार्य नहीं है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और डेटा विजुअलाइजेशन जैसे कॉन्सेप्ट्स पढ़ाये जाते हैं।

2000 प्रतिशत प्रॉफिट!

मुकेश अंबानी को 500 करोड़ के निवेश पर मिलेंगे 10,000 करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज एशियन पेंट्स में अपनी 4.9 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। सूत्रों के अनुसार कंपनी 17 साल पहले किए गए निवेश से अब बाहर निकलना चाहती है। मुकेश अंबानी की कंपनी ने यह फैसला ऐसे समय किया है जब पेंट सेक्टर मार्जिन के दबाव और बढ़ती प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है। भारत का पेंट बाजार 9 बिलियन डॉलर का है। इस बाजार में कई नई कंपनियां एशियन पेंट्स को नंबर 1 के स्थान से हटाने की कोशिश कर रही हैं।

रिलायंस ने इस सौदे को करने के लिए बैंक ऑफ अमेरिका को नियुक्त किया है। एक या कई ब्लॉक डील के माध्यम से इस लेनदेन का प्रबंधन करेगा। हालांकि ऑफर मौजूदा बाजार मूल्य से 6-7 प्रतिशत कम पर है। पिछले 24 घंटे में कई अन्य इन्वेस्टमेंट बैंक और ब्रोकर भी खरीदारों की तलाश में शामिल हो गए हैं। मंगलवार को एशियन पेंट्स का शेयर 2,323 रुपये पर बंद हुआ था। इस कीमत पर 4.9 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने पर रिलायंस को 11,141 करोड़ रुपये (1.31 बिलियन डॉलर) मिलेंगे। एशियन पेंट्स के शेयरों में बुधवार को गिरावट दिख रही है। बीएसई पर कंपनी का शेयर सुबह 9.48 बजे 1.04 प्रतिशत गिरावट के साथ 2300.95 अंक पर ट्रेड कर रहा था।

पेंट बाजार का हाल

पेंट कंपनियों ने लगातार चौथी तिमाही में कमजोर राजस्व वृद्धि दर्ज की है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण उन्हें ज्यादा छूट देनी पड़ रही है। कच्चे माल की लागत में कमी के बावजूद, इसका असर साल-दर-साल सकल मार्जिन में कमी के रूप में दिख रहा है। एशियन पेंट्स की डेकोरेटिव पेंट्स में 44 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। यह एशिया में दूसरी सबसे बड़ी और विश्व स्तर पर आठवीं सबसे बड़ी कंपनी है। कंपनी की वार्षिक घरेलू डेकोरेटिव पेंट क्षमता 1.85 मिलियन किलो लीटर है। यह 60 से अधिक देशों में उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करती है।

कितना किया था निवेश

एशियन पेंट्स का शेयर पिछले साल 16 सितंबर को 3,394 रुपये के 52-सप्ताह के उच्च स्तर पर था। रिलायंस ने जनवरी 2008 में 500 करोड़ रुपये में यह हिस्सेदारी खरीदी थी। यह वह समय था जब वैश्विक वित्तीय संकट आने वाला था। पिछले एक साल में स्टॉक में 19.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। इससे कंपनी के बाजार मूल्य में लगभग 51,000 करोड़ रुपये की कमी आई है। एलारा सिक्योरिटीज के अनुसार एशियन पेंट्स की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 25 में 59 प्रतिशत से घटकर 52 प्रतिशत हो गई है। डिविडेंड को मिलाकर मौजूदा बाजार मूल्य पर रिलायंस को अपने निवेश पर 24 गुना रिटर्न मिलेगा।

पाकिस्तान पर दिल खोलकर पैसे लुटा रहा आईएमएफ

7 दिन के भीतर दूसरी बार दिया कर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान टेंशन के बीच पाक को एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ से कर्ज मिल गया है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने बुधवार को एक्स पर इसकी जानकारी दी है। केंद्रीय बैंक ने एक पोस्ट में कहा कि उसे एक्सटेंडेड फंड फैसिलिडी कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से 760 मिलियन डॉलर (1,023 मिलियन डॉलर) की दूसरी किश्त मिली है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने कहा कि यह राशि 16 मई को समाप्त सप्ताह के लिए उसके विदेशी मुद्रा भंडार में दिखाई देगी।

पिछले सप्ताह ही दिया था कर्ज

बता दें पिछले सप्ताह ही आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1 बिलियन डॉलर का कर्ज दिया था। आईएमएफ ने बीते शुक्रवार को कहा था कि उसके कार्यकारी बोर्ड ने पाकिस्तान के साथ अपने 7 बिलियन डॉलर के कार्यक्रम की पहली समीक्षा को मंजूरी दे दी है, जिससे देश को लगभग 1 बिलियन डॉलर की नकदी मिल सकेगी। 9 मई को पाक प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, ''प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आईएमएफ द्वारा पाकिस्तान के लिए एक अरब डॉलर की किस्त को मंजूरी दिए जाने और उसके खिलाफ भारत की मनमानी रणनीति की विफलता पर संतोष व्यक्त किया।'' इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और देश विकास की ओर बढ़ रहा है।

भारत ने उठाए थे सवाल

बता दें कि भारत ने पाकिस्तान के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के 1.3 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज पर मतदान से खुद को दूर रखते हुए बीते शुक्रवार को आईएमएफ कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर चिंता जताई थी। साथ ही पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के लिए ऋण वित्तपोषण निधि के दुरुपयोग की संभावना पर भी चिंता जताई। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी बयान में भारत द्वारा उठाये गये मुद्दों के बारे में बताया। भारत ने पिछली वित्तीय सहायता का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में पाकिस्तान के 'खराब ट्रैक रिकॉर्ड' का भी हवाला दिया। भारत ने कहा कि पाकिस्तान आईएमएफ से लंबे समय से कर्जदार रहा है, जिसका कार्यान्वयन और आईएमएफ की कार्यक्रम शर्तों का पालन करने का बहुत खराब ट्रैक रिकॉर्ड है। 1989 से 35 वर्षों में, पाकिस्तान को आईएमएफ से 28 वर्षों में ही ऋण मिला है। 2019 से पिछले 5 वर्षों में, 4 आईएमएफ कार्यक्रम हुए हैं। यदि पिछले कार्यक्रम एक ठोस वृहद आर्थिक नीति वातावरण बनाने में सफल रहे होते, तो पाकिस्तान एक और बेलआउट कार्यक्रम के लिए फंड से संपर्क नहीं करता। भारत ने बताया कि इस तरह का ट्रैक रिकॉर्ड पाकिस्तान के मामले में आईएमएफ कार्यक्रम डिजाइनों की प्रभावशीलता या उनकी निगरानी या पाकिस्तान द्वारा उनके कार्यान्वयन पर सवाल उठाता है।

ठगों को किराये पर अपना बैंक अकाउंट देने वाले अब पकड़े जाएंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार बैंकों और दूसरे संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर एक नई प्रक्रिया बना रही है, जिससे फ्रॉड के लिए इस्तेमाल होने वाले म्यूल बैंक अकाउंट्स को सही समय में पहचाना जा सके। हालांकि, इस प्रक्रिया से सामान्य लोगों के लिए अकाउंट खोलने में कोई दिक्कत नहीं आएगी। म्यूल अकाउंट्स वे होते हैं, जिनका इस्तेमाल फ्रॉड करने वाले लोग बैंकिंग सिस्टम के जरिए गैरकानूनी पैसों को ट्रांसफर करने के लिए करते

हैं। एक अधिकारी ने बताया कि सेंट्रल इकॉनमिक इंटेलिजेंस ब्यूरो ने सुझाव दिया है कि बैंकों को रिस्क का आकलन करने के लिए मोबाइल नंबर से जुड़ी जानकारियों और डेटाबेस तक पहुंच दी जाए। अधिकारी ने कहा, हमने बैंकों से सुझाव मांगे हैं कि डेटा को कैसे और बेहतर बनाया जाए, जिससे अकाउंट खोलने या लेनदेन में कोई रुकावट न आए। इससे पहले, बैंकों ने बताया था कि मौजूदा नियमों के तहत एक ही मोबाइल नंबर का इस्तेमाल अलग-अलग ग्राहक कर सकते हैं, खासकर फैमिली अकाउंट्स के मामले में, जिसका कभी-कभी गलत इस्तेमाल होता है। श्वञ्च के मुताबिक एक बैंक अधिकारी ने कहा कि हमने सुझाव दिया कि ग्राहक, अकाउंट और लेनदेन की पूरी जानकारी का प्रोफाइल बनाया जाए, जिससे सही मॉनिटरिंग हो सके।

कमेटी का सुझाव

इसी साल इंडियन बैंक्स असोसिएशन की एक कमिटी ने भी सुझाव दिया था कि अकाउंट खोलने की डिजिटल प्रक्रिया में डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम या टेलीकॉम कंपनियों के साथ क्कु इंटीग्रेशन किया जाए। फिलहाल, छ्श्श्च एक मोबाइल नंबर रिवोकेशन लिस्ट उपलब्ध कराता है। कमिटी ने सुझाव दिया कि इसे अपग्रेड करके मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर से नाम, जन्मतिथि और ईमेल अड्रेस की रियल टाइम में जांच की जा सके।

सीजफायर के बाद लोगों ने बनाया रिस्क लेने का मूड, सोना-चांदी हुए धड़ाम

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-चीन में ट्रेड वॉर टलने और भारत-पाकिस्तान में सीजफायर के बाद दुनिया भर के शेयर बाजारों में तेजी आई और लोगों ने रिस्क लेने का मूड बना लिया। नतीजा सोने जैसे सेफ-हेवन (सुरक्षित निवेश) की डिमांड कम हो गई। सोने-चांदी के भाव में आज यानी बुधवार 14 मई को बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 568 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर आज 93776 रुपये पर खुला। जबकि, चांदी 871 रुपये टूटकर 95949 रुपये प्रति किलो के भाव से खुली। सर्राफा बाजार के रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं, जिनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास। अभी यह रेट दोपहर वाला है।

जीएसटी के साथ क्या है भाव- जीएसटी के साथ आज सोना 96589 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 98827 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रही है। 5324 रुपये सस्ता हो चुका है। 22 अप्रैल 2025 को सोना 99100 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर था।

इस साल चांदी से दोगुनी रफ्तार से भागा सोना- इस साल सोना करीब 18036 रुपये और चांदी 9932 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

सोना अपने ऑल टाइम हाई से आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी आज 565 रुपये सस्ता होकर 93401 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव दोपहर सवा 12 बजे के करीब 420 रुपये टूटकर 85899 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। 18 कैरेट गोल्ड का भाव भी सस्ता होकर 70332 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 332 रुपये लुढ़क होकर 54859 रुपये पर आ गई है।

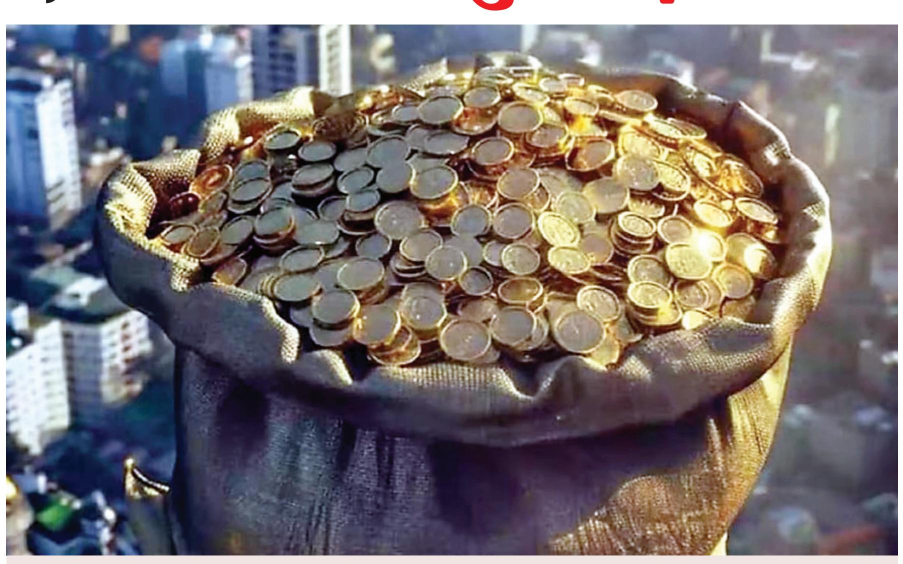

1,00,000 के स्तर से फिसलकर इस लेवल पर सोना

भारत और पाकिस्तान के बीच सीज फायर और यूरोप में रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर संघर्षविराम की खबरों के बाद वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है। जहां अक्षय तृतीया के आसपास सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू रहा था, वहीं अब यह घटकर जीएसटी समेत लगभग 96000 पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी 1,00,000 के स्तर से फिसलकर 96,500 प्रति किलो के करीब पहुंच गई है। पिछले 10-12 दिनों दोनों कीमती धातुओं में लगभग 4000 रुपए की गिरावट देखी गई। ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स के निदेशक अनूप सराफ ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह समय गहनों की खरीदारी और लम्बे समय के निवेश के लिए सही है। कीमतों में आई यह नरमी ग्राहकों के लिए एक बेहतरीन मौका लेकर आई है।

क्यों गिर रहा सोने का भाव- अमेरिका और चीन ने 3 महीने के लिए एक-दूसरे पर लगे टैरिफ (आयात शुल्क) कम करने का फैसला किया है। अमेरिका ने चीन के सामान पर टैरिफ 145 प्रतिशत से घटाकर 30 प्रतिशत किया और चीन ने भी अमेरिकी सामान पर टैरिफ 125 प्रतिशत से 10 प्रतिशत कर दिया।

डिफेंस शेयर को खरीदने की मची होड़

- **डबल हो गया कंपनी का मुनाफा, 15 प्रतिशत चढ़ा शेयर**

नईदिल्ली, एजेंसी। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) के शेयरों में बुधवार, 14 मई को 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। कंपनी के शेयर 2194.20 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे मार्च तिमाही के शानदार नतीजे हैं। दरअसल, राज्य के स्वामित्व वाली डिफेंस शिपबिल्डर का मुनाफा मार्च तिमाही में डबल हो गया है। कंपनी ने कहा है कि मजबूत रेवेन्यू बढ़ोतरी और मार्जिन विस्तार के कारण कंपनी का प्रॉफिट साल-दर-साल दोगुना से अधिक हो गया।

लाभ में उछाल, मार्जिन में सुधार- जीआरएसई का प्रॉफिट वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 118.9 प्रतिशत बढ़कर 244.2 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 111.6 करोड़ रुपये था। यह प्रभावशाली प्रदर्शन मजबूत राजस्व वृद्धि और बेहतर परिचालन दक्षता के कारण संभव हुआ। कंपनी का रेवेन्यू 1,642 करोड़ रुपये रहा, जो मार्च 2024 तिमाही के 1,015.7 करोड़ रुपये से 61.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने 219 करोड़ रुपये का इबीआइटीडीए दर्ज किया, जो पिछले साल के 90.6 करोड़ रुपये से 141.8 प्रतिशत अधिक है, जबकि इबीआइटीडीए मार्जिन 13.3 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 8.9 प्रतिशत था।

डिविडेंड भी दे रही कंपनी

कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 25 के लिए 4.90 प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। डिविडेंड का भुगतान कंपनी की आगामी 109वीं वार्षिक आम बैठक में इसकी घोषणा के 30 दिनों के भीतर किया जाना है।

स्टॉक के हाल

डिफेंस स्टॉक अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 2,834.60 से लगभग 23 प्रतिशत नीचे बना हुआ है, जो जुलाई 2024 में पहुंचा था। पिछले एक साल में, इस शेयर ने 111 प्रतिशत की बढ़त के साथ मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। मासिक आधार पर, त्नञ्च्स्थ ने मजबूती से ऊपर की ओर बढ़त दर्ज की है, जो अप्रैल में 14 प्रतिशत की बढ़त और मार्च में 34 प्रतिशत की प्रभावशाली बढ़त के बाद मई में 13.5 प्रतिशत बढ़ा है।

75 पर जाएगा सुजलॉन एनर्जी का शेयर, खबर आते ही खरीदने की मची लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयर बुधवार के कारोबारी सत्र के दौरान लगभग 5 प्रतिशत चढ़ गए और 60 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के शेयर में लगातार तीसरे दिन तेजी देखी गई। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने सुजलॉन एनर्जी के लिए अपनी बाय रेटिंग दी है और इसका टारगेट प्राइस 75 तय किया है। यह मंगलवार को स्टॉक के बंद प्राइस 57.62 रुपये की तुलना में 30 प्रतिशत की संभावित वृद्धि का सुझाव देता है।

क्या है ब्रोकरेज की राय

ब्रोकरेज ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि विंड टर्बाइन प्रोडक्शन में स्थानीय सामग्री के लिए पवन टर्बाइनों के मॉडल और निर्माताओं की नई जारी की गई संशोधित सूची का मसौदा मध्यम और लंबी अवधि में सुजलॉन एनर्जी के लिए एक महत्वपूर्ण पॉजिटिव कारक है। अपनी जांच के आधार पर, बिजली परियोजना डेवलपर्स से सरकार से मसौदा अधिसूचना के कार्यान्वयन को स्थगित करने के लिए कहने की उम्मीद है। मोतीलाल ने हाल ही में जारी आरएलएमएम अधिसूचना के मसौदे से दो मुख्य निहितार्थों की पहचान की है। मोतीलाल ने बताया कि सुजलॉन का टारगेट मध्यम अवधि में अपनी कुल ऑर्डर बुक में ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट के रेशियो को मौजूदा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करना है, जो डिलीवरी के संबंध में विजिबिलिटी और कंट्रोल बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

सुजलॉन एनर्जी शेयर की कीमत

सुजलॉन एनर्जी का शेयर आज बीएसई पर 57.84 प्रति शेयर पर खुला, शेयर ने 60.30 प्रति शेयर का इंट्राडे हाई और 57.43 प्रति शेयर का इंट्राडे लो छुआ था। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में पांच साल में लगभग 2,300 प्रतिशत की उछाल आई है, जिससे इसके निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न मिला है।

दोगुना से ज्यादा बढ़ा मुनाफा, 445 रुपये के पार पहुंचे शेयर

कंपनी ने दनादन 3 बार बांटे हैं बोनस शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। सोलर पावर कंपनी केपीआई ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयर बुधवार को 7 पर्सेंट के उछाल के साथ 446.75 रुपये पर पहुंच गए हैं। चौथी तिमाही के जबरदस्त नतीजों के बाद सोलर पावर कंपनी के शेयरों में यह तूफानी तेजी आई है। मार्च 2025 तिमाही में केपीआई ग्रीन एनर्जी का मुनाफा दोगुना से ज्यादा बढ़ा है। केपीआई ग्रीन एनर्जी का मुनाफा मार्च 2025 तिमाही में 130 पर्सेंट बढ़कर 99.4 करोड़ रुपये पहुंच गया है। सोलर कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 744.37 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 312.95 रुपये है।

कंपनी का रेवेन्यू भी करीब दोगुना बढ़ा- केपीआई ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का रेवेन्यू भी चौथी तिमाही में करीब दोगुना बढ़ा है। जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में सोलर कंपनी का रेवेन्यू 97 पर्सेंट बढ़कर 569.4 करोड़ रुपये पहुंच गया है। चौथी तिमाही में केपीआई ग्रीन एनर्जी का इबिट्डा सालाना आधार पर 77 पर्सेंट बढ़कर 161 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में पढ़े, छोड़ी बैंक की नौकरी...

अब छोले-कुलचे बेच कमाल कर रहे

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सागर मल्होत्रा ने कमाल का काम किया है। उन्होंने भारत की पहली छोले-कुलचे की वेंडिंग मशीन बनाई है। यह मशीन सिर्फ 60 सेकेंड में छोले-कुलचे तैयार कर देती है। सागर ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। अच्छी-भली नौकरी छोड़कर 2024 में उन्होंने चख दे छोले नाम से बिजनेस की शुरुआत की। वह पहले बैंकर थे। उन्होंने क्रेडिट सुइस में वाइस प्रेसिडेंट के पद से इस्तीफा दिया। 10 साल तक बैंकिंग सेक्टर में काम करने के बाद उन्होंने अपना बिजनेस शुरू करने का फैसला किया। उन्हें शुरुआत में ही अपने बिजनेस से शानदार रेस्पॉन्स मिला है। आइए, यहां सागर मल्होत्रा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

जनकपुरी में पले-बढ़े

सगर मल्होत्रा दिल्ली के जनकपुरी में पले-बढ़े। उन्हें हमेशा से खाने का शौक था। खासकर छोले-कुलचे उन्हें बहुत पसंद थे। जब वह बेंगलुरु, पुणे और मुंबई जैसे शहरों में रहे तो उन्हें वैसा स्वाद नहीं मिला। वह सोचते थे कि उत्तर भारत का यह मशहूर खाना हर जगह क्यों नहीं मिलता। सागर ने करीब एक दशक तक सिटीबैंक और क्रेडिट सुइस जैसे बैंकों में काम किया। वह लगातार आगे बढ़ते रहे। उन्हें अपनी नौकरी पसंद थी। लेकिन, वह अपना कुछ काम करना चाहते थे। 2023 में उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज में एक सीनियर मैनेजमेंट प्रोग्राम में हिस्सा लिया। वहां उनकी ऐसे लोगों से मुलाकात हुई जो अपनी नौकरी के अलावा भी कुछ कर रहे थे। उनमें सीईओ, उद्यमी और ब्लॉगर शामिल थे। इससे उन्हें लगा कि वह भी वैसा ही कुछ कर सकते हैं। सागर मल्होत्रा को छोले-कुलचे बहुत पसंद थे। पर, उन्हें सड़क किनारे मिलने वाले छोले-कुलचे में स्वाद और सफाई की कमी लगती थी। इसलिए उन्होंने सोचा कि क्यों न इस काम को ऑटोमैटिक बनाया जाए। एक साल तक रिसर्च करने के बाद उन्होंने एक वेंडिंग मशीन बनाई।

बिजनेस ने पकड़ी रफ्तार

सागर चख दे छोले को भारत में घर-घर में पहचान दिलाना चाहते हैं। वह ज्यादा आउटलेट खोलना चाहते हैं, टेक्नोलॉजी में सुधार करना चाहते हैं और मशीन को पूरी तरह से स्वचालित करना चाहते हैं। वह इच्छुक हैं कि छोले से लेकर कुलचे तक किसी भी काम में इंसान की जरूरत न पड़े। कंपनी ने अब तक 10 लाख रुपये कमाए हैं। अभी कुलचे हाथ से सेंके जाते हैं। लेकिन, सागर मशीन का अगला वर्जन बना रहे हैं। यह मशीन कुलचे को भी बेक करेगी। इससे पूरी प्रक्रिया अपने आप हो जाएगी। वह चाहते हैं कि उनके ग्राहकों के लिए यह आसान और सुविधाजनक हो। छोले और कुलचे दोनों मशीन से ही मिलें।

शुरुआत में मिली असफलता

सागर ने छोले-कुलचे की वेंडिंग मशीन बनाने के लिए बहुत रिसर्च की। वह चाहते थे कि लोगों को लगे कि वे दिल्ली के किसी ठेले वाले से ही खा रहे हैं। स्वाद, ताजगी और सफाई से वह कोई समझौता नहीं करना चाहते थे। वेंडिंग मशीन से तीन बड़ी समस्याएं हल हो सकती थीं- सफाई, समय और एक जैसा स्वाद। मार्च 2024 में सगर ने मशीन का पहला मॉडल बनाना शुरू किया। पहले मॉडल में कुछ कमियां थीं। वह मशीन 30-40 प्लेट परोसने के बाद खराब हो जाती थी। सगर चाहते थे कि मशीन सैकड़ों प्लेट परोसे और उसे बार-बार ठीक करने की जरूरत न पड़े। इसलिए उन्होंने मशीन को ठीक किया और उसमें सुधार किया। नवंबर में उन्होंने एक ऐसी मशीन बनाई जिस पर उन्हें गर्व था।

12_16.12.2018 PAGE-04.qxd 14-05-2025 22:03 Page 1

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का खूंटी में शुभारंभ

सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में जनजातीय क्षेत्रों और समुदायों का समग्र और सतत विकास करना योजना का उद्देश्य : डीडीसी

जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों की उन्मुखीकरण कार्यशाला एवं जिला स्तरीय समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देशानुसार आदिवासियों के सशक्तिकरण की पहल हेतु केंद्र सरकार की नई महात्वाकांक्षी योजना धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का भगवान बिरसा मुंडा की कर्म भूमि खूंटी में शुभारंभ हुआ। उक्त अभियान को सफल बनाने के निमित समेकित जनजातीय विकास अभिकरण, खूंटी के तत्वावधान में समाहरणालय के सभा कक्ष में जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला एवं जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीडीसी, खूंटी श्याम नारायण राम, निदेशक आईटीडीए, खूंटी आलोक शिकारी कच्छप सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।

मौके पर डीडीसी ने कहा कि आजादी की लड़ाई के दौरान झारखंड क्षेत्र से उलगुलान का बिगुल फूंकने वाले भगवान बिरसा मुंडा के नाम पर आरंभ धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जनजातीय बहुल क्षेत्र खूंटी के लिए हर्ष एवं गर्व की बात है।

इस योजना को वर्ष 2029 तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने अभियान के लक्ष्य एवं उद्देश्य की जानकारी देते हुए कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का उद्देश्य सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में व्याप्त अंतराल को समाप्त करके जनजातीय क्षेत्रों और समुदायों का समग्र और सतत विकास करना है। उन्होंने कहा कि इस योजना में जिला अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा संचालित आदिवासी विकास की तमाम योजनाएं समाहित है। उन्होंने उक्त योजना के सफल संचालन व लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य योजना तैयार कर सभी विभागों के पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत सभी जनजातीय परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कौशल विकास, उद्यमिता संवर्धन और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराया जाना है। सभी पात्र जनजातीय परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराया जाएगा। और उनके गांवों में सड़क, पानी, बिजली जैसी बुनियादी सेवाओं का विस्तार किया जायेगा। अधिक से अधिक मोबाइल मेडिकल यूनिट्स की सेवा ली जाएगी ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि सरकारी

आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों के बुनियादी ढांचे में सुधार, स्थानीय शैक्षिक संसाधनों को विकसित एवं नामांकन करने और उसे बनाए रखने को बढ़ावा देने हेतु पीएम-श्री स्कूलों की तर्ज पर उन्नयन हेतु छात्रावासों, आदिवासी स्कूलों, सरकारी आवासीय विद्यालयों के बुनियादी ढांचे में सुधार करना उक्त अभियान का उद्देश्य है।

कार्यशाला में परियोजना निदेशक, आईटीए आलोक शिकारी कच्छप ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत संचालित किये जाने विविध कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना के लाभ को एक अभियान की तरह जन-जन तक पहुंचाने का लक्ष्य सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने बताया कि उक्त अभियान के तहत जिला के सभी प्रखंडों के 403 गावों में रहने वाले 52,732 जनजातीय परिवारों को लाभ देने का लक्ष्य निधार्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वदेश दर्शन योजनांतर्गत गृह-प्रवास इकाइयों को प्रोत्साहित किया जाना है। उन्होंने बताया कि जनजातीय उत्पादकों को उनकी उपज एवं उत्पादों के लिए उचित मूल्य दिलाने तथा उपभोक्ताओं को जनजातीय लोगों से प्रत्यक्ष मूल्य पर जनजातीय उपज एवं उत्पाद खरीदने में सुविधा प्रदान करने के लिए बहुउद्देशीय विपणन केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम के द्वारा पीपीटी के माध्यम से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान से संबंधित सभी पहलुओं से उपस्थिति पदाधिकारियों को अवगत कराया गया । कार्यशाला में जिला एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारी भी शामिल थे।

नये रुप में दिखेंगे अमृत भारत स्टेशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। कतरास और गोमो समेत धनबाद रेल मंडल के 15 अमृत भारत स्टेशन जल्द ही नए लुक में नजर आएंगे। प्रत्येक स्टेशन का फसाड सामने वाला लुक आधुनिक स्टेशन सरीखे दिखेगा।

स्टेशन के फसाड के साथ नए सिरे से विकसित प्लान पर डीआरएम की मंजूरी की मुहर लग गई है। इन स्टेशन के विकसित होने से शहर का लुक भी बदलेगा। स्टेशन के आसपास के क्षेत्र नए सिरे से विकसित होंगे। छोटे-बड़े वाहनों से आवागमन के लिए प्रवेश व निकास के अलग-अलग मार्ग बनेंगे।

गोमो स्टेशन के मौजूदा पुराने फुट ओवरब्रिज को तोड़कर उससे दोगुना से अधिक चौड़ा 12 मीटर चौड़ाई वाला नया फुट ओवरब्रिज बन कर तैयार होगा। इससे ट्रेन आगमन व प्रस्थान के दौरान यात्रियों की भीड़ बढ़ने से आपाधापी नहीं होगी। गति शक्ति, इंजीनियरिंग समेत अन्य विभाग के अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण कर इसका प्लान तैयार कर लिया है।

अनियंत्रित वाहन ने ट्रक में मारी टक्कर, तीन की मौत

एक की हालत गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम जिला में सड़क दुर्घटना में मौत का सिलसिला नहीं थम रहा है। देर साथ रात 10 बजे चाईबासा चक्रधरपुर नेशनल हाईवे 75 ई में छोटा हाथी वाहन के दुर्घटना होने से तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बायहातु गांव से एक छोटा हाथी वाहन तेल भरने के लिए चाईबासा आ रहा था। जिसमें गांव के ही तीन अन्य लोग चालक के साथ सवार हो गए। इसी दौरान, मुख्य सड़क पर खड़े एक ट्रक को वाहन ने अनियंत्रित होकर पीछे से धक्का मार दिया। धक्का इतना जोरदार था कि वाहन में बैठे चार व्यक्ति को बुरी तरह से जख्मी हो गए।

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद चारों घायल को सदर अस्पताल में इलाज के लिए

भेजा गया। इसमें बायहातू गांव निवासी सीनू पूर्ति और ऊपर बेड़ा निवासी गंगाधर जारिका की इलाज के दौरान सदर अस्पताल में मौत हो गई। जबकि एक मृतक और घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई है।

घायल की स्थिति भी चिकित्सकों ने काफी गंभीर बताई है। जिसे बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर रेफर कर दिया जा रहा है। मौत की जानकारी होते ही ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए, लोगों की भीड़ जमा हो गई।

वहीं, परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। तीनों मृतक के शव को पुलिस अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रख चुकी है। शव का पोस्टमार्टम कर परिजन को सौंप दिया जाएगा।

उत्पाद मंत्री ने की बैठक, दिये निर्देश

रांची। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने मंगलवार को कांके रोड स्थित उत्पाद भवन में विभागीय अधिकारियों व प्लेसमेंट एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में मंत्री ने सभी प्लेसमेंट एजेंसियों से कहा कि वे अब तक की बकाया राशि का भुगतान यदि एक हफ्ते के भीतर नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

प्लेसमेंट एजेंसियों पर करीब 50 करोड़ रुपये का बकाया है। हालांकि, प्लेसमेंट एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने मैनपावर के मानदेय भुगतान का मामला भी उठाया। इसपर मंत्री ने कहा कि वे बकाये से संबंधित बिल दें, विभाग मैनपावर भुगतान मामले में कार्रवाई करेगा।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने प्रस्तावित नई उत्पाद नीति पर विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने यह संभावना जताई है कि 15 मई को प्रस्तावित कैबिनेट की बैठक में नई उत्पाद नीति पर निर्णय हो सकता है। यह नीति सभी विभागों से पास होकर कैबिनेट की स्वीकृति के लिए पड़ी हुई है।

जनता दरबार में अपर समाहर्ता ने सुनी लोगों की समस्याएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। अपर समाहर्ता कुंदन कुमार अपने कार्यालय वेश्म में लोगों से सीधा मिले और उनकी समस्याओं से अवगत हुए। जनता दरबार में एक से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। अपर समाहर्ता ने बारी-बारी से आमलोगों की समस्याओं को सुना और निर्धारित समयावधि में उसका निदान हेतु आश्वस्त किया। जनता दरबार में पहुंचे आमलोग अपनी समस्याओं को लेकर आवेदन दिया। इन आवेदनों का अवलोकन कर अपर समाहर्ता संबंधित पदाधिकारियों को स्थानांतरित करते हुए आवश्यक कार्रवाई का निदेश दिया।

जनता दरबार में सदर प्रखंड क्षेत्र से पहुंची नीलू तिवारी ने अपने माता-पिता के देखभाल एवं संरक्षण के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया। वहीं पाटन प्रखंड क्षेत्र के नावाजयपुर थाना क्षेत्र के ग्रामीणों ने महिला स्वयं सहायता समूह को गलत तरीके से चलाये जाने संबंधी आवेदन देकर समूह को रद्द करने की मांग की। चैनपुर प्रखंड के कृष्णा मुरारी प्रसाद ने अपने को भूमिहिन बताते हुए पारिवारिक बटवारा करने का आग्रह किया। सदर प्रखंड क्षेत्र निवासी दो भाईयों ने पाटन अंचल अंतर्गत गंगतुआ गांव के भूमि का दाखिल खारिज कराने संबंधी पूर्व में दिये गये आवेदन पर विचारोपरांत दाखिल खारिज कराने का अनुरोध किया। इसके अलावा जनता दरबार में विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों ने आवेदन देते हुए समस्या बताई। अपर समाहर्ता ने उनके आवेदनों का अवलोकन करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को स्थानांतरित करते हुए आवश्यक निदेश दिया।

हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी के सचिव को बर्खास्त करने का निर्देश

संयुक्त निबंधक, सहकारिता समिति की अदालत का आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। संयुक्त निबंधक, सहकारिता समिति, झारखंड की अदालत ने महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए सर्विसेज हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी, अशोकनगर, रांची के प्रबंधन समिति के दो सदस्यों अनिल शंकर (सचिव) और शंकर प्रसाद (संयुक्त सचिव) को उनके पदों से तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने का निर्देश दिया है।

यह आदेश सौमिष्ठा बनर्जी द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया गया, जिसमें कहा गया था कि उक्त दोनों सदस्य सोसाइटी के साथ अनुबंधित व्यावसायिक लेनदेन में लिप्त हैं। झारखंड सहकारिता समिति नियमावली, 1959 के नियम 23(1)(सी) तथा नियम 24 (2) के अनुसार प्रबंधन समिति के सदस्य बनने के लिए अयोग्य हैं।

याचिका में आरोप लगाया गया था कि दोनों सदस्यों ने सोसाइटी से दुकानें लीज पर लेकर उन्हें अन्य व्यक्तियों को उप-स्वामित्व में दे दिया, जो कि लीज अनुबंध की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन है।

यह तथ्य नामांकन के समय छुपाया गया। संयुक्त निबंधक की अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अनुबंध की वर्तमान स्थिति के आधार पर दोनों सदस्य चुनाव के लिए अयोग्य थे और अब पद पर बने रहने के अधिकारी नहीं हैं।

सोसाइटी के चेयरमैन को आदेश दिया जाता है कि दोनों सदस्यों को तत्काल प्रभाव से उनके पदों से हटा दिया जाए। आदेश का अनुपालन करते हुए सर्विसेज हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी, अशोकनगर, रांची ने अनिल शंकर और शंकर प्रसाद वर्मा को उनके पदों से हटाने का आदेश जारी कर दिया है।

जून के पहले सप्ताह में ही मानसून पहुंचने की उम्मीद

सामान्य से ज्यादा बारिश के आसार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। जून के पहले सप्ताह में इस बार साहिबगंज में मानसून पहुंच जाने की उम्मीद है। केरल के तट पर यह 27 मई तक ही पहुंच जाएगा। वहां से यहां तक मानसून के पहुंचने में 10-12 दिन लग सकता है। विगत कुछ साल से एक जून के आसपास केरल के तट पर मानसून पहुंचता था। इस बार इसके चार दिन पहले पहुंचने की उम्मीद है।

अगर ऐसा हुआ तो करीब 10 साल बाद इस साल समय पर मानसून के पहुंचेगा। झारखंड में पाकुड़ व साहिबगंज के रास्ते ही मानसून प्रवेश करता है। ऐसे में आठ-नौ जून के बाद राज्य के अन्य जिलों में भी मानसून का असर दिखने लगेगा।

मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इस बार सामान्य से ज्यादा बारिश होने की उम्मीद है। ऐसे में गर्मी से लोगों को राहत मिलेगी। जिला में रोहणी नक्षत्र 25 मई से शुरू होकर दो जून तक रहेगी। किसान यदि इस बीच खेत को जोतकर धान का बिचड़ा गिरा देते हैं तो समय से भरपूर पानी मिल जाएगा और पौधा को बढ़ने में मदद मिलेगी।कृषि विभाग ने बीज विनिमय वितरण योजना के तहत 5000 क्विंटल धान का बीज व सौ क्विंटल उरद के बीज की मांग की है। डिमांड की स्वीकृति मिलने के साथ जिला से डीडी लगना चालू हो जाएगा और किसान को 50 प्रतिशत अनुदान

पर बीज मिलना शुरू हो जाएगा। इस योजना में वैसे किसानों को बीज मिलेगा जो ब्लाक चैन से जुड़े हुए हैं। यदि कोई किसान नहीं जुड़े है तो योजना का लाभ उठाने के लिए अपने प्रखंड के अंचलाधिकारी से संपर्क कर आवश्यक जमीन का पेपर जमा कर निबंधन करा सकते हैं। सीओ द्वारा प्रमाणित करने के बाद प्रज्ञा केंद्र से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने का प्रावधान है इसके एवज में किसान को न्यूनतम शुल्क देना पड़ता है। पिछले साल करीब 3500 किसान के बीच 1589 क्विंटल धान के बीज का वितरण विभिन्न लैम्पस से किया गया।

60 आवेदकों का लिया गया साक्षात्कार

खूंटी। समेकित जनजाति विकास अभिकरण द्वारा उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभागार में मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत स्वरोजगार के लिए सावधि ऋण एवं वाहन ऋण हेतु प्राप्त ऑनलाईन आवेदनों के अनुमोदन हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें अनुसूचित जनजाति के कुल 60 आवेदकों का साक्षात्कार लिया गया।

सरिया की कीमतों में बढ़ोत्तरी के आसार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के साथ-साथ पूरे देश में सरिया की कीमतों में बढ़ोतरी के आसार हैं। इसका अहम कारण है नए लीज धारकों को अधिक कीमत पर लौह अयस्क एवं अन्य सामग्रियों का मिलना। आयरन ओर की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण बाजार में दरों की बढ़ोतरी हो रही है।

इधर, झारखंड में राज्य सरकार ने भी सेस की दरों में संशोधन किया है जिसका असर लौह उत्पादों पर पड़ना तय है। सेस की दर सौ रुपये प्रति टन से बढ़कर 400 रुपये प्रति टन हो गया है। वर्तमान में झारखंड में लौह अयस्क की कीमत उनकी गुणवत्ता के आधार पर तय होती है।

इसके बावजूद आयरन ओर की कीमत 8 से 8.5 हजार रुपये प्रति टन के करीब है। इसी से स्पंज आयरन का निर्माण होता है जिसकी कीमत 25-27 रुपये प्रति किलो के आसपास है। इससे बिलेट भी बनता है जिसकी कीमत 38-40 रुपये प्रति किलो होता है।

यही दो उत्पाद हैं जिससे लोहे के सभी प्रकार के उत्पाद तैयार होते हैं। छड़ और विभिन्न प्रकार के उत्पाद इसी से तैयार होते हैं। इस क्रम में कोयला, बिजली आदि भी खर्च होती है जिसका कीमतों पर सीधा असर होता है।

झारखंड में लोहे की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे का एक बड़ा कारण लीज पर लिए गए खदान की दरों में बढ़ोतरी है। नए लीज धारकों को अयस्क ही महंगा पड़ रहा है।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली निविदा सूचना सं.: **04-एसडीएसटीई-एएसएन-2025-26, दिनांक** 13.05.2025 के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान**: "आसनसोल मंडल-गार्ड रिपीटर/स्टार्टर इंडिकेटर का प्रावधान"। **निविदा मूल्य:** रु. 54,35,874.36, **बयाना राशि:** रु. 1,08,700/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 12 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 09.06.2025 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in/**

ASN-44/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

जदयू जिला संगठन प्रभारियों का मनोनयन

बेनी माधव को धनबाद तो दीप नारायण सिंह को बोकारो का बनाया गया प्रभारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। जदयू के प्रदेश महासचिव श्रवण कुमार ने पार्टी संगठन को गतिशील एवं सशक्त बनाने के लिए जिला संगठन प्रभारियों का मनोनयन कर दिया है। इसके तहत जगदीश महतो को रांची, आशीष शीतल मुंडा को खूंटी, संजय ठाकुर को पश्चिमी सिंहभूम, पीएन सिंह को पूर्वी सिंहभूम का जिला संगठन प्रभारी बनाया गया है।

इसके अलावा कौशल कुमार को सरायकेला-खरसावां, उपेंद्र नारायण सिंह को गुमला, अजय सोनी को सिमडेगा, संतोष सोनी को लोहरदगा, दिलीप पांडेय को लातेहार, सुयश पांडेय को पलामू , डा. राजनारायण पटेल को गढ़वा, मिथिलेश सिंह को चतरा, सरयू गोप को कोडरमा, सुशील कुमार सिंह को गिरिडीह, संजय कुमार सिंह को हजारीबाग, कुमेश्वर महतो को रामगढ़, रुद्रकांत लाल दास को देवघर, त्रिवेणी वर्मा को गोड्डा, उदय सिंह को दुमका, रमाकांत मंडल को साहिबगंज, राजेंद्र प्रसाद को पाकुड़, बेनी माधव को धनबाद, दीप नारायण सिंह को बोकारो, रंजीत

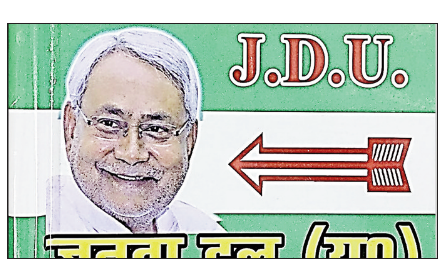

जायसवाल को जामताड़ा का जिला संगठन प्रभारी बनाया गया है। यह जानकारी प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने दी।

बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने सोमवार को ऑनलाइन मोड के माध्यम से रांची शहर में बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मोड़ के पास अपनी पार्टी की झारखंड इकाई के कार्यालय का उद्घाटन किया। नीतीश ने राज्य के वरिष्ठ नेता को बधाई दी और उन्हें झारखंड में संगठन को आगे बढ़ाने के लिए कहा।

राज्यसभा सांसद और राज्य इकाई के अध्यक्ष खीरू महतो और विधायक सरयू राय ने फीता काटकर उद्घाटन किया। महतो ने कहा कि लंबे समय के बाद एक नए कार्यालय की इच्छा पूरी हुई है। रांची में रॉय का निवास अतिरिक्त कार्यालय के रूप में कार्य करना जारी रखेगा।

आउटसोर्सिंग में स्थानीय को रोजगार दिलाने में अहम भूमिका निभाएं जिला प्रशासन : मथुरा प्रसाद महतो

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुण्डी। टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो अपने पांच दिवसीय दौरे समाप्त कर मंगलवार अपने विधानसभा क्षेत्रों का सघन दौरा किया एवं करीब डेढ़ दर्जन कार्यक्रमों में शामिल हुए। बताते चलें कि टुण्डी विधायक सर्वप्रथम मैरानवाटांड़ गांव निवासी सीताराम दां की पुत्री की विवाह में शरीक हुए साथ ही बागसुमा गांव में अपने रिश्तेदारों की शादी में अपने सभी समर्थकों के साथ पहुंचे और वधू को आशीर्वाद दिया। इसके पश्चात धनबाद उपायुक्त से मिले और अपने क्षेत्रों के सभी लंबित योजनाओं को त्वरित निष्पादन कराने को लेकर समाहरणालय कक्ष में करीब एक घंटे तक उपायुक्त माध्वी मिश्रा से विचार-विमर्श किया। इसके अलावा उप विकास आयुक्त सादात अनवर से भी उनके कक्ष में मिले और योजनाओं को यथाशीघ्र प्रारंभ

करने को लेकर अपना विचार व्यक्त किया तथा उपायुक्त एवं उपविकास आयुक्त को आये दिन आउटसोर्सिंग में बाहरियों को तरजीह देने पर अपना कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि झारखंड सरकार का स्पष्ट निर्देश के बावजूद जिला प्रशासन लापरवाही करते हुए धनबाद के हर कामों में स्थानीय लोगों को रोजगार मुहैया नहीं कराकर बाहरियों को रोजगार से जोड़ रहीं हैं। यह कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा आज विधायक श्री महतो ने उपायुक्त एवं उपविकास आयुक्त को आउटसोर्सिंग में स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में अपना अहम भूमिका निभाने की निर्देश दिया।

उन्होंने आगे कहा कि बिरसा मुंडा पार्क हो या फिर समाहरणालय का कैंटीन हर जगहों में स्थानीय लोगों को जोड़ने का काम करें। मौके पर विधायक मथुरा प्रसाद महतो,अजीत मिश्रा, गिरिलाल किस्कू, रामचन्द्र मुर्मू,मदन महतो, सीताराम दां, आनंद महतो,राजा दां, रॉबिन दां,अरूण महतो, सुमित महतो समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/670, दिनांक: 13.05.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्य के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, निविदा सं. ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3446, कार्य का नाम** : हावड़ा-बैण्डेल शाखा में सभी रेलवे परिसरों पर ऊर्जा दक्ष एलईडी लूमेनरी में 100% रूपांतरण। **निविदा मूल्य :** रु. 1,35,93,819/-, **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा)**: रु. 2,18,000/-, **समापन अवधि:** 270 दिन। **क्रम सं. 2, निविदा सं. ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3447, कार्य का नाम** : हावड़ा-बर्द्धमान (एचबीसी) शाखा में सभी रेलवे परिसरों पर ऊर्जा दक्ष एलईडी लूमेनरी में 100% रूपांतरण। **निविदा मूल्य :** रु. 1,41,55,204/-, **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा)**: रु. 2,20,800/-, **समापन अवधि:** 270 दिन। **अंतिम तिथि और समय**: 03.06.2025 को 15.00 बजे क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु।। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिवस को निविदाएँ ऑनलाइन खोली जाएंगी। निविदा का विवरण वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें।

HWH-82/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन से बाहर, आकर्षि और उन्नति अगले दौर में

बैंकॉक (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन के पहले दौर से बाहर हो गए हैं जबकि आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा इस सुपर 500 टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले जीतकर अगले दौर में पहुंच गईं। सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने एक घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 18.21, 21.9, 17.21 से हराया। पहला गेम हारने के बाद सेन ने दूसरे में लय हासिल कर ली लेकिन निर्णायक गेम में एंगुयेन ने उन्हें उबरने का मौका ही नहीं दिया। प्रियांशु राजावत भी पहले दौर में बाहर हो गए जिन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने 21.13, 17.21, 21.16 से मात दी। महिला एकल में आकर्षि ने जापान की कोआरू सुगियामा को 21.16, 20.22, 22.20 से हराया। उन्नति ने थाईलैंड की थामोंवान एन को 21.14, 18.21, 23.21 से मात दी। रक्षिता श्री संतोष रामराज पहले दौर में सिंगापुर की यिओ जिया मिन से 18.21, 7.21 से हार गई।

आईपीएल के शेष सत्र में खेलेंगे या नहीं, ट्रेंट बोल्ट ने ले लिया फैसला

मुम्बई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष सत्र में अपनी टीम मुम्बई इंडियंस के लिए खेलने का निर्णय किया है। 36 वर्षीय बोल्ट को मुम्बई इंडियंस ने मेगा नीलामी में 12.5 करोड़ रुपए में खरीदा था। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने आईपीएल के इस सत्र में 8.49 की इकॉनमी रेट से 18 विकेट लिए हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 रन देकर 4 विकेट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वह पूरे टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। पांच बार की चैंपियन मुम्बई को अब भी अपने तीन प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता का इंतजार है। दक्षिण अफ्रीका के रायन रिकल्टन और कोर्बिन बॉश, और इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स की भागीदारी को लेकर अब भी संशय बना हुआ है।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड के अनुसार उनके खिलाड़ियों की एनओसी 25 मई तक वैध है। इंग्लैंड के क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आईपीएल में भाग लेने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ियों को 29 मई से शुरू हो रही वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के लिए समय पर लौटने का निर्देश दिया है।

बीसीसीआई ने दबाया पावर बटन, विदेशी खिलाड़ियों को वापस लाने की तैयारी

उम्मीद है कि अधिकांश लौट आएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई और आईपीएल टीमें 17 मई से फिर से शुरू हो रहे आईपीएल के लिए अपने खिलाड़ियों को भेजने के लिए विदेशी बोर्ड पर दबाव बना रहे हैं। हालांकि भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव के कारण अभी भी सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं। बीसीसीआई के आला अधिकारियों ने आईपीएल सीओओ हेमांग अमीन से कहा है कि वे क्रिकेट आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड से खुद बात करके सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करे। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण नौ मई को लीग स्थगित कर दी गई थी। इसके एक दिन बाद ही हालांकि युद्धविराम की घोषणा के बाद आईपीएल की बहाली का मार्ग प्रशस्त हुआ।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि हम विदेशी बोर्ड से निजी तौर पर बात कर रहे हैं जबकि टीम सीधे अपने खिलाड़ियों के संपर्क में है। हमें उम्मीद है कि अधिकांश लौट आएंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने भारत लौटने या नहीं लौटने का फैसला खिलाड़ियों पर छोड़ दिया है। टीम अधिकारियों ने पीटीआई को बताया कि कुछ विदेशी खिलाड़ी वापसी को लेकर अभी भी आशंकित हैं लेकिन अधिकांश के लौट आने की संभावना है।

आईपीएल प्लेऑफ से बाहर हो सकते हैं दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए चुने गए दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी आईपीएल प्लेऑफ से बाहर हो सकते हैं क्योंकि देश का क्रिकेट बोर्ड लीग प्रतिबद्धताओं पर राष्ट्रीय कर्तव्य को प्राथमिकता देने पर अड़ा हुआ है। बीसीसीआई ने सोमवार को पुष्टि की कि आईपीएल 17 मई को फिर से शुरू होगा और फाइनल 3 जून को होगा। हालांकि संशोधित कार्यक्रम ने डब्ल्यूटीसी फाइनलिस्ट ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को मुश्किल में डाल दिया है। फ्रेंचाइजी और बीसीसीआई ने विदेशी बोर्डों से अपने खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

सीएसए ने डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारियों के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। छ्रह के राष्ट्रीय टीमों और उच्च प्रदर्शन के निदेशक एनोच एनक्वे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, यह स्पष्ट रूप से एक व्यक्तिगत निर्णय है कि वापस लौटना है या खेलना जारी रखना है। एक बात जो हमने स्पष्ट कर दी है, और हम आईपीएल और बीसीसीआई के साथ इस पर अंतिम रूप दे रहे हैं, वह यह है कि डब्ल्यूटीसी की तैयारियों के मामले में हम अपनी मूल योजना पर कायम रहेंगे।

उन्होंने कहा, टेस्ट खिलाड़ियों के वापस आने की आखिरी तारीख 26 मई है। मूल योजना में कोई बदलाव नहीं हुआ है, क्योंकि नंबर 1 प्राथमिकता डब्ल्यूटीसी फाइनल है। हम पिछले एक-दो दिनों से उनसे बातचीत कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम सभी एक ही पृष्ठ पर हैं। आठ दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी कैगिसो रबाडा (गुजरात टाइटन्स), लुंगी एनगिडी (रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलुरु), ट्रिस्टन स्टब्स (दिल्ली कैपिटल्स), एडेन मार्करम (लखनऊ सुपर जायंट्स), रेयान रिकेल्टन (मुंबई इंडियंस), कॉर्बिन बॉश (मुंबई), मार्को जेनसन (पंजाब किंग्स) और वियान मुल्डर (सनराइजर्स हैदराबाद) को डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए प्रोटियाज टीम में शामिल किया गया है जो 11 जून से लंदन में शुरू होने वाला है।

वर्तमान में, जीटी,आरसीबी, मुंबई, पीबीकेएस,डीसी और एलएसजी आईपीएल प्लेऑफ स्थान के लिए दावेदारी कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने सीएसए के रुख को दोहराया। उन्होंने कहा, आईपीएल-बीसीसीआई के साथ हमारा शुरुआती समझौता यह था कि 25 तारीख को फाइनल होने के बाद हमारे खिलाड़ी 26 तारीख को वापस आएंगे, ताकि 30 तारीख को हमारे रवाना होने से पहले उन्हें पर्याप्त समय मिल जाए। अभी तक हम इस पर कोई समझौता नहीं कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी 26 तारीख को वापस आ जाएं।

कॉनराड ने कहा, यह बातचीत मुझसे ज़्यादा वेतन पाने वाले लोगों के बीच चल रही है। वे इस पर काम कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी 26 तारीख को वापस आ जाएं और उम्मीद है कि यह बात सच साबित होगी। 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण 9 मई को आईपीएल सीजन को निलंबित कर दिया गया था। अगले दिन घोषित युद्धविराम ने टूर्नामेंट को फिर से शुरू करने का रास्ता साफ कर दिया।

आईपीएल के नए शेड्यूल के अनुसार लीग चरण 27 मई को समाप्त होगा, जबकि प्लेऑफ 29 मई से 3 जून तक चलेगा, ये तारीखें सीएसए की डब्ल्यूटीसी तैयारियों से टकराती हैं। सीएसए ने जहां कड़ा रुख अपनाया है, वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने खिलाड़ियों को व्यक्तिगत रूप से निर्णय लेने की अनुमति दी है और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) अपने अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) की समीक्षा करने के लिए तैयार है।

पहलगाम हमला : पाकिस्तान का राजगीर में एशिया कप हॉकी खेलना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहा है लेकिन पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच इस साल हीरो एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान का भाग लेना मुश्किल लग रहा है। एशिया कप बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर के बीच खेला जायेगा । मेजबान भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपै को इसमें भाग लेना है। यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा लेकिन हम सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करेंगे जैसा पहले भी होता आया है। अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। पहलगाम में क्रूर आतंकवादी हमले और आपरेशन सिंदूर के बाद अभी कुछ कहना मुश्किल है। अभी टूर्नामेंट में तीन महीने का समय है लेकिन हम सरकार की सलाह का पालन करेंगे। इसमें कोई दोराय नहीं है।

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की मौत हो गई थी जिसमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद से भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानियों को देश छोड़कर जाने के आदेश दिए। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर आपरेशन सिंदूर के जरिये मिसाइल हमले किए। पाकिस्तान ने जवाब में ड्रोन और मिसाइल हमले किए जिन्हें भारत की शानदार वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। भारत ने पाकिस्तान के कई प्रमुख शहरों में सैन्य ठिकानों और वायु रक्षा प्रणाली को नेस्तनाबूद कर दिया। दोनों देश दस मई को युद्धविराम पर राजी हो गए जब पाकिस्तान के सैन्य अभियान के महानिदेशक ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया।

महासंघ के एक सूत्र ने कहा, 'अगर सरकार मंजूरी नहीं देती है तो पाकिस्तानी टीम यहां नहीं आएगी। यह सब सरकार के उस समय के रूख पर निर्भर करता है। अगर पाकिस्तान को भारत आने की मंजूरी नहीं मिलती है तो टूर्नामेंट सात टीमों के साथ होगा या एक नयी टीम को बुलाया जाएगा। यह फैसला एशियाई हॉकी महासंघ लेगा।

एक अधिकारी ने बताया, 'अभी यह कहना मुश्किल है कि नई टीम कौन सी होगी या यह सात टीमों के साथ ही होगा। एशियाई हॉकी महासंघ इस पर फैसला लेगा। पाकिस्तान हॉकी टीम ने पिछली बार लखनऊ में 2016 जूनियर विश्व कप नहीं खेला था जो पठानकोट आतंकवादी हमले के कुछ महीने बाद ही हुआ था। उसकी जगह मलेशिया को शामिल किया गया था। मौजूदा हालात में पाकिस्तान का 28 नवंबर से दस दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप में खेलना भी मुश्किल है। एशिया कप अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप का क्वालीफायर टूर्नामेंट भी है।

श्रीलंका में स्नेह राणा की सफलता का राज धीमी और फुल लेंथ गेंदबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्नेह राणा ने श्रीलंका में त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई और इस ऑफ स्पिनर ने कहा कि उनकी सफलता में गेंदबाजी कोच अविष्कार साल्वी की अहम भूमिका रही। साल्वी ने पिच को काफी अच्छी तरह पढ़ा और स्नेह को कम गति से गेंदबाजी करने की सलाह दी जो उनके काफी काम आई। बल्लेबाजी की अनुकूल पिचों पर स्नेह गेंद की गति में विविधता लाई जो काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। उन्होंने श्रृंखला में 15 विकेट चटकाए और कई देशों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया की कैथरीन फिट्जपैट्रिक के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड की बराबरी की। स्नेह ने कहा, 'मैंने हमारे गेंदबाजी कोच अविष्कार सर से बात की। उन्होंने हमें बताया कि वहां किस तरह की गेंदबाजी कामयाब रहेगी। गेंद बल्ले पर काफी अच्छी तरह आ रही थी इसलिए हमें धीमी और फुल लेंथ की गेंद फेंकने की सलाह

दी गई। इस ऑफ स्पिनर ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं, मुझे खुशी है कि मुझे इतने लंबे समय बाद राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने का मौका मिला। इस जर्सी को दोबारा पहनकर काफी अच्छा महसूस हो रहा है। श्रीलंका में सपाट पिचें थी और एक मैच में तो 600 से अधिक रन बने लेकिन स्नेह ने अपनी सटीक गेंदबाजी से बल्लेबाजों पर दबदबा बनाया। स्नेह ने महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट के नूशीन अल खादीर और न्यूजीलैंड की राशेल पुलर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2002 में 12 विकेट चटकाए थे।

स्नेह ने कहा, 'जीत की लय हासिल करना हमेशा अच्छा होता है। इस तरह की परिस्थितियों में दबाव में प्रदर्शन करने से आपको अतिरिक्त आत्मविश्वास और अनुभव मिलता है। और निजी तौर पर इतने लंबे समय के बाद अपने देश के लिए प्रदर्शन करना और श्रृंखला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने से मुझे काफी मदद मिली। स्नेह को 2025 महिला प्रीमियर लीग की खिलाड़ियों की नीलामी में किसी टीम ने नहीं चुना और बाद में उन्हें भारतीय टीम में चोटिल श्रेयंका पाटिल के विकल्प के तौर पर जगह मिली।

अर्शदीप सिंह का टेस्ट डैब्यू तय !

इंग्लैंड में दिखाएंगे जलवा, शमी पर संदेह

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह आगामी रेड-बॉल सीरीज के लिए इंग्लैंड के लिए उड़ान भर सकते हैं। भारत के इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट

सीरीज शामिल है। यह 20 जून से शुरू होने वाली है और हाई-प्रोफाइल सीरीज 4 अगस्त को समाप्त होने वाली है। मुख्य सीरीज की शुरुआत से पहले, भारत ए को इंग्लैंड में दो चार दिवसीय मैच खेलने हैं। 26 वर्षीय अर्शदीप इंग्लैंड में होने वाली सीरीज़ के लिए चयनकर्ताओं के रडार पर हैं, और उन्हें टेस्ट टीम में चुना जाएगा।

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का चयन संदिग्ध है और उनके चयन की 50/50 संभावना है, जबकि हर्षित राणा भारत ए टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे। बीसीसीआई विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को ही उप-कप्तान चुनेगी। बता दें कि मोहम्मद शमी का फॉर्म और फिटनेस एक बड़ी चिंता का विषय रहा है क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग के चालू सत्र में वह गेंद के साथ बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत का इंग्लैंड दौरा 20 से 24 जून तक हेडिंग्ले, लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट 2 से 6 जुलाई तक खेला जाएगा, तीसरा टेस्ट 10 से 14 जुलाई तक लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर होगा। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 23 से 27 जुलाई तक चौथा टेस्ट खेला जाएगा, जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल में खेला जाएगा।

रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है और खबर है कि उनके डिप्टी जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी संभालने के मूड में नहीं हैं, इसलिए उन्होंने इस दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया है। इससे टेस्ट क्रिकेट में शीर्ष पद के लिए शुभमन गिल, ऋषभ पंत और केएल राहुल उम्मीदवार बन गए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, चयन समिति ने रोहित शर्मा के प्रतिस्थापन के रूप में शुभमन गिल को चुना है। गिल पहले ही कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के साथ चर्चा कर चुके हैं और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम की घोषणा होने पर नए भारतीय टेस्ट कप्तान के रूप में उनकी नियुक्ति आधिकारिक हो जाएगी।

मैक्सवेल से शादी क्यों नहीं की ? सवाल पर गुस्साई प्रीति जिंटा, बोली यह भेदभाव क्यों ?

नईदिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक इंटरेक्शन सेशन के दौरान, अभिनेत्री और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की सह-मालिक प्रीति जिंटा ने एक यूजर के आपत्तिजनक सवाल पर कड़ा जवाब दिया। यूजर ने मजाक में पूछा कि क्या क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल के आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के लिए खराब प्रदर्शन का कारण यह था कि प्रीति ने उनसे शादी नहीं की। इस सवाल से नाराज प्रीति ने यूजर को लैंगिक भेदभाव बंद करने और सम्मान देने की सलाह दी।

प्रीति ने एक्स पर लिखा- क्या आप यह सवाल पुरुष टीम मालिकों से पूछेंगे, या यह भेदभाव सिर्फ महिलाओं के लिए है? क्रिकेट में आने से पहले मुझे नहीं पता था कि कॉर्पोरेट जगत में महिलाओं के लिए जीवित रहना कितना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा, आपने यह सवाल मजाक में पूछा होगा,

पंजाब किंग्स के मालिक

- प्रीति जिंटा (नेस वाडिया के साथ संयुक्त स्वामित्व)
- मोहित बर्मन (डाबर समूह)
- नेस वाडिया (वाडिया समूह)
- करण पॉल (एपेक्स समूह)
- ये चारों 2008 में फ्रेंचाइजी के गठन के बाद से सह-मालिक हैं।

लेकिन उम्मीद है कि आप इसे गंभीरता से देखेंगे। मैंने 18 साल की मेहनत से अपनी पहचान बनाई है, कृपया मुझे वह सम्मान दें और लैंगिक पक्षपात बंद करें। धन्यवाद।

पंजाब किंग्स -प्रीति जिंटा की सह-स्वामित्व वाली आईपीएल टीम, वर्तमान में आईपीएल 2025 की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। 12 मैचों में 7 जीत, 3 हार और 1 बेनतीजा के साथ 15 अंक हासिल करने वाली पीबीकेएस एक मजबूत दावेदार है। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (487 रन, 5 अर्द्धशतक) और प्रियांश आर्य (417 रन, 1 शतक, 2 अर्द्धशतक) ने पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन किया है। कप्तान श्रेयस अय्यर (405 रन, 4 अर्द्धशतक) ने बल्लेबाजी, शानदार फील्डिंग और गेंदबाजी रणनीतियों से टीम को मजबूती दी है। पीबीकेएस18 मई से जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने अभियान को आगे बढ़ाएगी।

योगराज सिंह ने रोहित और विराट की आलोचना की, कहा- मैं उनके संन्यास से दुखी हूं

चंडीगढ़ (पंजाब) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट ने अपने दो आधुनिक समय के महान खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा को टेस्ट क्रिकेट से विदाई दी है, ऐसे में पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने उनके संन्यास पर अपनी भावनात्मक और आलोचनात्मक राय साझा की है। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता ने दोनों दिग्गजों के जाने से पैदा होने वाले खालीपन पर विचार किया।

योगराज ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में कोहली के कद और प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा, विराट बड़े खिलाड़ी हैं, इसलिए निश्चित रूप से नुकसान होगा। उन्होंने 2011 में भारत के बदलाव के दौर से तुलना करते हुए कहा, जब 2011 में कई खिलाड़ियों को या तो हटा दिया गया, रिटायर कर दिया गया या उन्हें रिटायर होने के लिए मजबूर किया गया, तो टीम बिखर गई और अभी तक वापस खड़ी नहीं हुई है। उन्होंने माना कि हर किसी का समय आता है, योगराज का मानना ??है कि कोहली और रोहित दोनों में अभी भी क्रिकेट बचा हुआ है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि विराट और रोहित में अभी भी बहुत क्रिकेट बचा हुआ है।

अपने बेटे युवराज सिंह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर होने पर विचार करते हुए योगराज ने कहा, मैंने युवी (युवराज सिंह) से कहा कि जब वह संन्यास ले रहा था, तो

यह सही कदम नहीं था। जब कोई चलने में असमर्थ हो, तो उसे मैदान से दूर चले जाना चाहिए। योगराज युवाओं पर अत्यधिक निर्भरता के मौजूदा चलन की आलोचना करने से नहीं कतराते, उन्होंने चेतावनी दी कि अनुभवी नेताओं की कमी टीम को अस्थिर कर सकती है। उन्होंने कहा, अगर आप युवाओं से भरी टीम बनाते हैं, तो यह हमेशा बिखर जाएगी।

उन्होंने कहा, शायद विराट को लगता है कि उसके पास हासिल करने के लिए और कुछ नहीं बचा है, उन्होंने सुझाव दिया कि आंतरिक संतुष्टि ने कोहली के फैसले को प्रभावित किया होगा। रोहित शर्मा पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए योगराज ने सुझाव दिया कि सही समर्थन के साथ, भारतीय कप्तान अपने लाल गेंद के करियर को आगे बढ़ा सकते थे।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि रोहित शर्मा को रोजाना प्रेरित करने के लिए सिर्फ एक व्यक्ति की जरूरत थी, उदाहरण के लिए सुबह 5 बजे दौड़ने के लिए। उन्होंने कहा, रोहित (शर्मा) और वीरेंद्र सहवाग दो ऐसे लोग हैं जिन्होंने बहुत जल्दी संन्यास ले लिया। योगराज ने अपनी निराशा जाहिर करते हुए कहा, महान खिलाड़ियों को 50 साल की उम्र तक खेलना चाहिए... मैं उनके संन्यास से दुखी हूं क्योंकि अब युवाओं को प्रेरित करने वाला कोई नहीं बचा है।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में कमरे से युवक का शव बरामद, गला काटकर आत्महत्या की आशंका

गुरुग्राम, एजेंसी। आइएमटी मानेसर थाना क्षेत्र के बास गांव की ढाणी में किराये पर रहने वाले एक युवक का मंगलवार शाम उसके कमरे से शव बरामद किया गया। शव के गले पर धारदार हथियार के निशान पाए गए।

मृत युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के टीकरी गांव निवासी 35 वर्षीय दयाशंकर के रूप में की गई। फिलहाल अभी कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है दयाशंकर पिछले दस साल से मानेसर क्षेत्र में अपने भतीजे के साथ किराये से रह रहे थे।

वह यहां स्थित मारुति कंपनी में साफ-सफाई का काम करते थे। मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे दयाशंकर के रूम का दरवाजा बंद था। घर के लोगों ने खिड़की से झांककर देखा तो अंदर उनका लहूलुहान स्थिति में शव पड़ा था।

सूचना मिलते ही आइएमटी मानेसर थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। फिलहाल थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर स्वजन को सूचना दी है। शव का पोस्टमार्टम बुधवार को कराया जाएगा। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि प्राथमिक जांच में हत्या से संबंधित कोई भी सुबूत नहीं मिला है। दरवाजा अंदर से बंद था। युवक द्वारा आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है।

फेसबुक पर दोस्ती, शेयर का लालच, फरीदाबाद में लड़की ने ऑनलाइन ठग लिए 3 लाख

नईदिल्ली, एजेंसी। फेसबुक पर दोस्त बनकर एक महिला ने एक युवक को अपने जाल में फंसाकर शेयर मार्केट में निवेश करने के नाम 2 लाख 80 हजार रुपये से अधिक ठग लिए। सेक्टर-3 निवासी जितेंद्र शर्मा ने बताया कि करीब 20-25 दिन पहले उसकी फेस बुक आईडी पर दिव्या मेहता नामक महिला की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। जिसे उसने एक्सेप्ट कर लिया। उसके बाद उसने उसका व्हाट्सएप नंबर मांगा और उसने उसे अपना नंबर भेज दिया।

वह महिला अपने आपको फैशन डिजाइनर बताती थी। इस दौरान उसने उसे बताया कि वह 3-4 साल से शेयर मार्केट में काम करती है। उसने उसे लालच दिया कि वह उसके साथ पैसा लगाए तो वह उसे अच्छा मुनाफा होगा। जल्द ही 10 से 15 गुना तक आर्थिक लाभ होगा।

उसके बाद वह उसे पैसे यूपीआई के जरिए भेजता रहा। उसने अपने दोस्त के खाते से भी पैसे भेजे, किन्तु बार-बार पैसे मांगने पर उसे शक हो गया। उसने पैसे नहीं दिए। बहराल, उसने उसके 2 लाख 80 हजार रुपये से अधिक ठग लिए।

अब गाजियाबाद वालों को भी सोशल मीडिया पर मिलेगी ट्रैफिक अपडेट, अकाउंट एक्टिव

गाजियाबाद , एजेंसी। शहर में ट्रैफिक से जुड़ी जानकारी लोगों को सोशल मीडिया पर मिलेगी। गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस के नाम से बने एक्स और फेसबुक अकाउंट पर इसकी सूचना दी जाएगी। कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने से पहले वर्ष 2021 में गाजियाबाद के तत्कालीन एसएसपी कलानिधि नैथानी ने यातायात संबंधी किसी भी तरह की जानकारी देने या प्राप्त करने के लिए ट्रैफिक कंट्रोल रूम का हेल्पलाइन नंबर जारी किया था।

इसके अलावा वर्ष 2015 से ही गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस के नाम से सोशल अकाउंट हैं,लेकिन लोगों को ट्रैफिक के बारे में लाइव जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाती थी। हाल में गाजियाबाद कमिश्नरेट के दूसरे पुलिस आयुक्त बने जे. रविंद्र गौड़ ने सोशल अकाउंट्स पर कमिश्नरेट की ट्रैफिक अपडेट जारी करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस के नाम के एक्स और फेसबुक अकाउंट पर लोगों को ट्रैफिक के बारे में लाइव अपडेट दी जाएगी। यातायात पुलिस का सबसे ज्यादा फोकस अतिव्यस्त मार्गों और चौराहों-तिराहों पर है। ट्रैफिक पुलिस न सिर्फ इन जगहों पर यातायात सुचारू कराएगी, बल्कि प्रमाण के तौर पर उसके फोटो-वीडियो भी पोस्ट करेगी।

ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक किसी मार्ग या चौराहे-तिराहे पर जाम लगने पर इसकी वजह और कितनी देर में यातायात सुचारू होने की संभावना है, इस बारे में भी बताया जाएगा। एडीसीपी ट्रैफिक सच्चिदानंद ने बताया कि लोग ट्रैफिक को लेकर अपडेट रहें, इसके लिए गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस के एक्स अकाउंट को फॉलो करने का आग्रह किया जा रहा।

पाक से दोस्ती तुर्किये को पड़ी भारी!

बहिष्कार अभियान में कूदा आरएसएस का संगठन; सरकार से की ये 5 मांगें

नई दिल्ली, एजेंसी। आतंकवाद परस्त पाकिस्तान के साथ तुर्किये को खड़ा होना अब उसके लिए भारी पड़ता जा रहा है। वैसे तो पाकिस्तानियों द्वारा सीमा पार उसके ड्रोन की जो हालात भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने की उससे पहले ही वैश्विक स्तर पर तुर्किये के उत्पादों को लेकर हालत खराब है। जबकि, भारत में उसके उत्पादों पर्यटन समेत आर्थिक बहिष्कार का अभियान जोर पकड़ने लगा है।

विशेष बात कि अब इस बहिष्कार अभियान की कमान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने संभाल ली है। आरएसएस के सहयोगी संगठन स्वदेशी जागरण मंच को पाकिस्तान को तुर्किये का सैन्य समर्थन नागवार गुजरा है और उसने तुर्किये पर आर्थिक प्रतिबंध, उड़ान प्रतिबंध और पर्यटन बहिष्कार का आह्वान किया है। इस मामले में उसने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप का आग्रह कर पांच सूत्रीय मांग रखी है।

ऐसे में तुर्किये को यह नापाक गठजोड़ भारी पड़ने लगा है। क्योंकि, लाखों भारतीय प्रत्येक वर्ष छुट्टियां मनाने तुर्किये जाते हैं, साथ ही कालीन व परिधानों से लेकर मार्बल व उसकी क्रोकरी भी भारत में काफी पसंद की जाती है। ऐसे में उसके इस कारोबार को धक्का लगना तय है। वैसे तो तुर्किये नाटो का सदस्य और खुद को कथित धर्मनिरपेक्ष गणराज्य बताता है।

जिस तरह से कट्टरपंथी इस्लामवादी शासनों और भारत की संप्रभुता के प्रति शत्रुतापूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों के साथ उसने गठजोड़ कर लिया है और हाल के वर्षों में, पाकिस्तान के साथ उसकी रणनीतिक रक्षा साझेदारी खतरनाक गति से बढ़ी है, वह भारत के लोगों को नहीं सुहा रहा है। तुर्किये की सरकार पाकिस्तान के सशस्त्र बलों को महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर, तकनीकी प्लेटफॉर्म और प्रशिक्षण की आपूर्ति करती है।

यह जानकर आश्चर्य होगा कि चीन के बाद पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश तुर्किये है, जिसने पाकिस्तान की नौसेना के आधुनिकीकरण और उसकी हवाई युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

सबसे परेशान करने वाली घटनाओं में से एक है कि तुर्किये ने 1.5 बिलियन डॉलर के सौदे के तहत पाकिस्तान को मिलजेम श्रेणी के युद्धपोत दिए हैं, जिससे पाकिस्तान की नौसेना की हमला करने की क्षमता मजबूत हुई है।

तुर्किये की कंपनी बायकर ने पाकिस्तान को बायरकटर टीबी 2 और अकिनसी सशस्त्र ड्रोन की आपूर्ति की है। तुर्की की एसटीएम 350 मिलियन डालर के समझौते के तहत पाकिस्तान की अगोस्टा 90क्ष पनडुब्बियों को अपग्रेड कर रही है।

तुर्किये की रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख कंपनी हवेलसन की मदद से पाकिस्तान में एक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध परीक्षण रेंज स्थापित की गई है। इसी तरह 30टी 129 अटक हेलीकाप्टरों के लिए 1.5 बिलियन डालर का सौदा किया गया था, हालांकि तीसरे पक्ष की मंजूरी के कारण डिलीवरी में देरी हुई है।

स्वदेशी जागरण मंच ने इस अपवित्र गठबंधन की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह सीधे तौर पर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करता है। यह रक्षा सहयोग केवल व्यावसायिक नहीं है, बल्कि यह वैचारिक है, जो दक्षिण एशिया की स्थिरता को आघात करता है और पाकिस्तान के सैन्य दुस्साहस को बढ़ावा देता है।

अश्विनी महाजन ने कहा कि ऐसा लगता है कि तुर्किये संकट के समय में उसको भारत की उदार और समय पर की गई मानवीय सहायता को भूल गया है। भारत न केवल एक व्यापारिक साझेदार के रूप में बल्कि वसुधैव कुटुम्बकम का पालन करने वाली एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में तुर्किये के साथ खड़ा रहा है।

फरवरी 2023 में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान, भारत उन पहले देशों में से एक था जिसने आपरेशन दोस्त शुरू किया, जिसमें राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), सेना की मेडिकल टीमें, फील्ड अस्पताल और मेडिकल सप्लाई, जनरेटर, टेंट और कंबल सहित 100 टन से अधिक राहत सामग्री भेजी गई। भारत के राजनयिक मिशन और नागरिक समाज ने तुर्किये के लोगों के साथ समर्थन और एकजुटता बढ़ाने के लिए प्रयास किया।

जी20 और यूएन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर, भारत ने ऊर्जा सुरक्षा और आतंकवाद-रोधी वार्ता सहित व्यापक पश्चिम एशियाई पड़ोस के हिस्से के रूप में तुर्किये के साथ समावेशी जुड़ाव का लगातार समर्थन किया है। एकजुटता और सद्भावना की इन कोशिशों के बावजूद, उसने ने राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मामलों में भारत के विरोधियों का साथ देना चुना है। विश्वासघात को नैतिक स्पष्टता और रणनीतिक दृढ़ता के साथ संबोधित किया जाना चाहिए।

भारत तुर्किये के पर्यटन राजस्व में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। 2024-25 में, लगभग 4 लाख भारतीय पर्यटक तुर्किये गए। तुर्किये एयरलाइंस और भारतीय वाहकों द्वारा संचालित प्रमुख भारतीय शहरों और इस्तांबुल के बीच दर्जनों साप्ताहिक सीधी उड़ानें संचालित होती हैं।

पूर्व पार्षद के पोते की गोलियों से भूनकर हत्या, एसएचओ समेत 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड करने की मांग

फरुखनगर, एजेंसी। फरुखनगर थाने से महज सौ मीटर दूर मंगलवार सुबह 11 बजे बाइक सवार हमलावर ने दो गोलियां मारकर पूर्व पार्षद मुकेश सैनी के पोते राकेश सैनी की हत्या कर दी।

राकेश उस समय झज्जर गेट स्थित अपनी चाय-समोसे की दुकान पर बैठे थे। हमले के बाद आरोपित वहां से भाग निकला।

दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद स्वजन, दुकानदार व शहर के अन्य लोगों ने थाना पुलिस के उदासीन रवैये के प्रति आक्रोश जताया और झज्जर गेट पर जाम लगा दिया।

पुलिस अधिकारियों द्वारा 48 घंटे के भीतर आरोपित को पकड़ने और जांच के बाद पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने के आश्वासन पर लोग माने और करीब चार घंटे बाद सड़क से हटे। जानकारी के अनुसार फरुखनगर के वार्ड नंबर 10 निवासी 33 वर्षीय राकेश सैनी ने झज्जर गेट के पास चाय-समोसे की दुकान कर रखी थी। सोमवार शाम कुछ लोग दुकान पर समोसा खाने आए थे। इसी दौरान इनमें से एक पंकज नाम के युवक से किसी बात को लेकर राकेश का झगड़ा हो गया था। झगड़े के बाद मामला थाना पुलिस के पास भी पहुंचा। आरोप है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हत्या की यह वारदात हो गई। बताया जाता है कि बाइक सवार हमलावर ने ताबड़तोड़ चार राउंड फायरिंग की। इसमें राकेश गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोग उन्हें फौरन नजदीकी अस्पताल ले गए। यहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद से ही पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल हो गया। गुस्साए दुकानदारों ने पूरे बाजार को बंद करा दिया और रोड जाम कर दिया। सड़क पर खड़ी कार के शीशे भी तोड़ दिए। फरुखनगर झज्जर रोड पर जाम से वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही मौके पर एसीपी पटौदी सुखबीर और थाना प्रभारी संदीप पहुंचे। उनके समझाने के बावजूद जब लोग नहीं माने और जाम लगाए रखा तो गुरुग्राम से एसीपी नवीन, एसीपी सदर यशवंत सिंह, एसीपी ट्रैफिक सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचे।

महिला की मौत के साथ खत्म हो गया कारोबारी का परिवार, पत्नी और 2 बच्चों के साथ पीया था जहरीला पदार्थ

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पश्चिम दिल्ली के संगम पार्क औद्योगिक क्षेत्र में आर्थिक तंगी से परेशान कारोबारी हरदीप सिंह की पत्नी हरप्रीत कौर की मंगलवार शाम मौत हो गई। इसके साथ कारोबारी का पूरा परिवार खत्म हो गया। कल हरदीप सिंह, उनकी बेटी हरगुल कौर व बेटे जगदीश सिंह की मौत हो गई थी।

इस बीच पोस्टमार्टम के बाद तीनों की मंगलवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। अंतिम संस्कार के बाद हरप्रीत कौर की मौत की खबर आई। कल सुबह आठ बजे संगम पार्क औद्योगिक क्षेत्र स्थित अपनी फैक्ट्री में कारोबारी हरदीप सिंह ने अपनी पत्नी व दोनों बच्चों के साथ जहर पी लिया था।

हरदीप सिंह और उनके बेटा व बेटी को इलाज के लिए हिंदू राव अस्पताल में भर्ती कराया गया और हरप्रीत कौर को दीपचंद बंधु अस्पताल में ले जाया गया। मंगलवार शाम करीब सात बजे हरप्रीत कौर की अस्पताल में मौत हो गई। इससे पहले दोपहर बाद हिंदू राव अस्पताल में हरदीप सिंह, हरगुल कौर व जगदीश सिंह के शव का पोस्टमार्टम किया गया। अस्पताल में हरदीप सिंह के पिता उजागर सिंह (75) और परिवार के अन्य सदस्य व रिश्तेदार मौजूद रहे।

बेटा व पोता-पोती की मौत से उजागर सिंह पूरा समय अस्पताल में गुमशुम बैठे रहे। किसी से कोई बात नहीं की। पुलिस ने बताया कि उजागर सिंह ने केवल इतना बताया कि बेटा इतना बड़ा कदम उठा लेगा, उन्हें कतई इस बात का आभास नहीं था। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद तीनों के शव स्वजन को सौंप दिए हैं, शाम के समय अंतिम संस्कार कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में फिलहाल भारतीय न्याय संहिता की धारा 194 के तहत कार्रवाई की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के कारण सामने आएंगे। उसी अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली भर में बनेंगे 21 नए फुट ओवरब्रिज, पीडब्ल्यूडी ने बढ़ाया कदम, हजारों लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने शहर भर में 21 नए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) बनाने की योजना बनाई है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा दिए गए इन प्रस्तावों की पिछले महीने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने समीक्षा की थी और उसके बाद रिपोर्ट के लिए जमीनी सर्वेक्षण भी शुरू हो गया है।

प्रस्ताव के अनुसार जिन स्थानों पर एफओबी की आवश्यकता है उनमें पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के निकास द्वार के पास श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, मध्य दिल्ली में एलएन अस्पताल के सामने शहीद कैप्टन बत्रा चौक, अजमेरी गेट चौक और मुंजा चौक, बुलेवार्ड रोड, दक्षिण दिल्ली के लाला लाजपत राय मार्ग और कुछ अन्य स्थान शामिल हैं।

सरकारी दस्तावेज के अनुसार 21 स्थानों में से कुछ हिस्से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और दिल्ली विकास प्राधिकरण जैसी अन्य एजेंसियों के अंतर्गत भी आते हैं। एक अधिकारी ने कहा कि इन स्थानों के लिए विभाग संबंधित एजेंसी को सूचित करेगा और फिर आगे क्या किया जाना है, इस पर निर्णय लिया जाएगा।

योजना विभाग द्वारा 2018 में किए गए एक अध्ययन में कहा गया था कि उस समय कुल एफओबी में से 77 प्रतिशत में लिफ्ट नहीं थी, केवल 23 प्रतिशत में एस्केलेटर थे और लगभग 70 प्रतिशत में सुरक्षा गार्ड नहीं थे। वर्ष 2023 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने एफओबी की आलोचना करते हुए कहा था कि इनकी हालत इतनी दयनीय है कि एक स्वस्थ व्यक्ति भी इनका उपयोग नहीं कर पाएगा।

बहामास में भारतीय मूल के अमेरिकी छात्र की मौत, होटल की बालकनी से गिरा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य में पढ़ाई कर रहे एक भारतीय मूल के छात्र की बहामास में एक होटल की बालकनी से गिरने से मौत हो गई। यह दुखद हादसा तब हुआ जब छात्र स्नातक होने से बस कुछ दिन दूर था। मृतक छात्र की पहचान गौरव जयसिंह के रूप में हुई है, जो मैसाचुसेट्स के वॉल्थम स्थित बेंटली यूनिवर्सिटी में पढ़ते थे। वे बहामास में अपनी यूनिवर्सिटी के सीनियर क्लास ट्रिप पर गए हुए थे। रविवार, 11 मई को हुए इस हादसे में उनकी मौत हो गई।

बेंटली यूनिवर्सिटी ने जताया शोक: बेंटली यूनिवर्सिटी ने सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, गौरव जयसिंह की दुखद मृत्यु से पूरा कैंपस गहरे शोक में है। यह कुछ बहुत ही मुश्किल दिन रहे हैं।

हमारी संवेदनाएं गौरव के परिवार और दोस्तों के साथ हैं। हम उन्हें 17 मई को होने वाले स्नातक समारोह में सम्मानित करेंगे। यूनिवर्सिटी ने आगे कहा कि वे इस हादसे से प्रभावित छात्रों को मानसिक सहयोग देने के लिए काउंसलिंग सुविधा भी उपलब्ध करा रही है।

मामले में की जांच में जुटी स्थानीय पुलिस: वहीं इस मामले में बहामास पुलिस ने बताया कि गौरव जयसिंह होटल के कमरे में अपने दोस्तों के साथ थे, जब वह ऊपरी मंज़िल की बालकनी से अचानक गिर गए। करीब रात 10 बजे यह हादसा हुआ। उन्हें निचली मंजिल पर बेहोशी की हालत में पाया गया। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि जांच अभी जारी है, लेकिन शुरुआती रिपोर्ट में यह एक हादसा बताया गया है।

इस हफ्ते ग्रेजुएट होने वाला था छात्र: जानकारी के मुताबिक, छात्र गौरव जयसिंह अमेरिका के श्रूजबरी, मैसाचुसेट्स के निवासी थे। वो बेंटली यूनिवर्सिटी में डेल्टा सिग्मा पाई फ्रैटर्निटी का सदस्य भी था और साउथ एशियन स्टूडेंट्स एसोसिएशन से भी जुड़ा हुआ था। उनकी पढ़ाई लगभग पूरी हो चुकी थी और वो इस सप्ताह ग्रेजुएट होने वाला था। पूरी यूनिवर्सिटी और भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

सिगरेट की डिब्बी पर ऊंगलियों के निशान से 50 साल बाद पकड़ा गया हत्यारोपी

कैलिफोर्निया , एजेंसी। कैलिफोर्निया अमेरिका में करीब 50 साल बाद एक हत्या के आरोपी को पकड़े जाने का मामला सामने आया है। दरअसल साल 1977 में कैलिफोर्निया की एक महिला जीनेट राल्सटन की गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। जीनेट का शव उसकी कार की सीट से बरामद हुआ था। अब इस मामले में ओहायो के जेफरसन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल जीनेटे के शव के पास कार से एक सिगरेट की डिब्बी मिली थी, जिस पर हत्यारोपी के ऊंगलियों के निशान थे। जीनेट की हत्या के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी हत्यारे का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। बीते दिनों कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एफबीआई के अपडेट डेटा से फिंगर प्रिंट मैच करने की मांग की। इसी मैचिंग के दौरान ओहायो के जेफरसन के फिंगर प्रिंट सिगरेट के डिब्बे पर मिले फिंगर प्रिंट से मैच कर गए, जिसके बाद जेफरसन को गिरफ्तार कर लिया गया।

सिनेमा ने खोया अपना चमकता सितारा, ऑस्कर विजेता फेमस डायरेक्टर का निधन, शोक में डूबी इंडस्ट्री

लास एंजिल्स , एजेंसी। हॉलीवुड के जाने-माने फिल्म निर्माता और निर्देशक रॉबर्ट बेंटन जिन्होंने क्रेमर वर्सेज क्रेमर जैसी यादगार फिल्में दीं अब हमारे बीच नहीं रहे। 92 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया है। हॉलीवुड की बेहतरीन कहानियों को पर्दे पर जीवंत करने वाले बेंटन के निधन से फिल्म जगत और उनके प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई है। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें याद कर रहे हैं और उनके काम को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। अपनी लंबी उम्र में भी सक्रिय रहे बेंटन अपनी शानदार फिल्मों के लिए हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगे।

रॉबर्ट बेंटन के निधन की दुखद खबर उनके बेटे जॉन बेंटन ने साझा की। उन्होंने बताया कि उनके पिता ने न्यूयॉर्क के मैनहटन स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। रॉबर्ट बेंटन ने लगभग छह दशकों तक फैले अपने शानदार करियर में कई ऐतिहासिक फिल्में दीं और तीन बार प्रतिष्ठित अकादमी पुरस्कार (ऑस्कर) अपने नाम किए। उन्हें खासकर 1979 में आई फिल्म क्रेमर वर्सेज क्रेमर के लेखक और निर्देशक के रूप में हॉलीवुड में एक खास पहचान मिली थी। साल 1979 में रिलीज हुई फिल्म क्रेमर वर्सेज क्रेमर रॉबर्ट बेंटन के करियर का शिखर साबित हुई। इस फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म सहित कुल पांच ऑस्कर पुरस्कार जीते थे। फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले डस्टिन हॉफमैन और मेरिल स्ट्रीप के अभिनय को भी दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा था। इससे पहले 1967 में आई फिल्म बोनी एंड क्लाइड की पटकथा बेंटन ने डेविड न्यूमैन के साथ मिलकर लिखी थी। इस फिल्म ने हॉलीवुड सिनेमा के देखने के नजरिए को पूरी तरह से बदल दिया था। वॉरेन बीटी और फेय डनवे अभिनीत यह फिल्म 60 के दशक की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन गई थी। टेक्सास के वैक्साहाची में जन्मे रॉबर्ट बेंटन को फिल्मों का शौक अपने पिता से विरासत में मिला था। उन्होंने टेक्सास यूनिवर्सिटी और कोलंबिया यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त की।

पूर्व हमास लीडर याह्या सिनवार के भाई की इजराइली हवाई हमले में मौत

गाजा , एजेंसी। इजराइली फाइटर जेट्स ने मंगलवार शाम को दक्षिणी गाजा के खान यूनिस पर बमबारी की। इस हमले में हमास नेता याह्या सिनवार के भाई मोहम्मद सिनवार की मौत हो गई। न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह खबर दो इजराइली अधिकारियों के हवाले से दी है। याह्या सिनवार अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हुए हमलों का मास्टरमाइंड था। उसकी पिछले साल इजराइली हमले में मौत हो गई थी। इजराइली सेना का कहना है कि उसके सैनिकों ने खान यूनिस के पास यूरोपीय अस्पताल के नीचे हमास कमांड सेंटर पर हमला किया था। अभी तक यह क्लियर नहीं हो पाया है कि हॉस्पिटल की इमारत को नुकसान पहुंचा है या नहीं।

ब्रिटेन पीएम स्टार्मर की नई इमिग्रेशन पॉलिसी, 5 की जगह 10 साल तक रहने वालों को ही मिलेगी स्थाई नागरिकता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने नई इमिग्रेशन पॉलिसी की घोषणा की। इससे ब्रिटेन में स्थायी रूप से रहना और कठिन हो गया है। स्थायी निवास के लिए आवेदन करना हो तो प्रवासी को अब 10 साल ब्रिटेन में ही रहना अनिवार्य होगा। पहले यह अवधि सिर्फ 5 साल के लिए थी। ब्रिटिश पीएम की इस घोषणा का असर भारतीय नागरिकों को भी पड़ेगा, जिनकी ब्रिटेन में बड़ी संख्या है। साल 2023 में करीब ढाई लाख भारतीय पढ़ाई और काम के सिलसिले में ब्रिटेन आए थे। ब्रिटिश पीएम की घोषणाओं के अनुसार, सभी वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की आवश्यकताओं को कड़ा किया गया है। ब्रिटिश पीएम की घोषणाओं में केयर सेक्टर में विदेशी कर्मचारियों की भर्ती पर रोक लगाई गई है। स्नातक वीजा धारकों के लिए पढ़ाई के बाद ब्रिटेन में ही रहने की अवधि जो पहले 2 साल की थी, उसे घटाकर डेढ़ साल कर दिया गया है। अब स्किल्ड वीजा के लिए सिर्फ ए लेवल नहीं, डिग्री लेवल की योग्यता आवश्यक होगी।

संक्षिप्त समाचार

एलआइसी शाखा प्रबंधक का स्वागत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा 1 बोकारो में नवनियुक्त शाखा प्रबंधक राज किशोर तिवारी एवं विपणन शाखा अधिकारी अमित ठाकुर का लाईफ इंश्योरेंस एजेंट फेडरेशन आफ इंडिया के अभिकर्ता, सदस्य व पदाधिकारीयों ने फूलो का गुलदस्ता भेट कर स्वागत किया। इस शिष्टाचार मुलाकात में सम्मानित नए शाखा प्रबंधक तिवारी ने कहा कि अभिकर्ता भारतीय जीवन बीमा निगम का आधार स्तंभ है। कंधे से कंधा मिलाकर चलने की बात की।उपस्थित सदस्यों में मुख्य रुप से राकेश श्रीवास्तव नीरज कुमार दीनानाथ मनोज कुमार सिंह विजय चौधरी संजीत श्रीवास्तव अरुण सिंह एवं गंगेश कुमार पाठक थे।

प्रधानमंत्री के हर एक्ट को लोग चुनाव से जोड़ कर देखते हैं : राजेश ठाकुर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा है कि प्रधानमंत्री के हर एक एक्ट को चुनाव से जोड़कर ही देखा जाता है। वे 24X7 चुनाव मोड में ही रहते हैं। बोकारो स्थित अपने आवास में मीडिया से बातचीत के क्रम ने उन्होंने कहा कि अभी अभी उन्होंने राष्ट्र को संबोधित किया।अब दस दिन तिरंगा यात्रा निकलेंगे। क्या उन्होंने देश को धोखा दिया है जो इतनी सफाई देनी पड़ रही है। श्री ठाकुर ने कहा कि पाकिस्तान के कितने आतंकवादी मारे गए यह प्रधानमंत्री बार बार बता रहे हैं। लेकिन पाकिस्तान के हमले में कितने आम आदमी और सैनिक शहीद हुए यह नहीं बता रहे हैं। बीएसएफ का एक जवान पाकिस्तान के कब्जे में है उसका क्या हुआ प्रधानमंत्री इसकी जानकारी नहीं दे रहे हैं। श्री ठाकुर ने कहा अगर हमारी तरफ से कोई कमी रह गई है तो उसको भी प्रधानमंत्री को देश को बताना चाहिए।

उपायुक्त ने किया सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने धनसार रोड स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय का फिता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि निजी बैंकों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए आज सरकारी बैंक भी अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। धनबाद में बैंक का क्षेत्रीय कार्यालय खुलने से धनबाद का मान और महत्व बढ़ा है। साथ ही यह धनबाद के विकास के प्रति बैंक के प्रतिबद्धता को परिलक्षित करता है। उपायुक्त ने बैंक का क्षेत्रीय कार्यालय खुलने से सभी को शुभकामनाएं दी तथा नियमों का पालन करते हुए लोगों की सेवा करने का अनुरोध किया। मौके पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक प्रमुख (पटना जोन) राजीव रंजन सिन्हा, क्षेत्रीय प्रमुख विवेक कुमार पांडेय, मुख्य प्रबंधक वाई.डी. मिश्रा, चौधरी जयप्रकाश व अन्य अधिकारी तथा उद्यमी मौजूद थे।

बांग्ला भाषी समाज ने किया प्रदर्शन

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड में बांग्ला भाषा और बांग्ला भाषियों के खिलाफ कथित कार्रवाई के विरोध में आज प्रदेशभर में बांग्ला भाषी समाज सड़कों पर उतर आया। झारखंड बांग्लाभाषी उन्नयन समिति के बैनर तले सभी जिला मुख्यालयों में जोरदार प्रदर्शन किया गया और उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। जमशेदपुर में भी विभिन्न बांग्ला संगठनों ने एकजुट होकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि हाल ही में शिक्षा मंत्री के बयान और रांची के डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से नाम हटाने की घटनाओं ने बांग्ला समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। झारखंड बांग्लाभाषी उन्नयन समिति के जिला महासचिव जूरान मुखर्जी ने कहा कि सरकार की बांग्ला विरोधी नीति के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन शुरू हो चुका है। पहले चरण में सभी जिलों में ज्ञापन सौंपा गया है। आंदोलन का अगला चरण 19 मई को सिलचर भाषा शहीद दिवस से शुरू होगा, जहां से 'बांग्ला जनजागरण अभियान' की शुरूआत कर इसे पंचायत स्तर तक ले जाया जाएगा। वहीं जमशेदपुर में आयोजित राज्य अधिवेशन में आंदोलन की आगे की रणनीति तय की जाएगी। उन्होंने दो टूक कहा कि अब बांग्ला भाषी समाज चुप नहीं बैठेगा।

डीएवी सेक्टर 4 के बच्चों का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दसवीं बोर्ड परीक्षा एवं बारहवीं के परिणाम आने के साथ ही डीएवी सेक्टर-4 के विद्यालय प्रांगण में खुशियों की लहर दौड़ गई। दसवीं की परीक्षा में सम्मिलित 320 परीक्षार्थियों में से 50 ने 90% से ऊपर अंक प्राप्त किया जबकि 181 परीक्षार्थियों ने 75% से ऊपर अंक प्राप्त कर पाकर शैक्षणिक क्षेत्र में सफलता का नया अध्याय जोड़ा। सुमेधा महेश्वरी 98.8% के साथ बनी दसवीं बोर्ड में झारखंड की थर्ड स्टेट टॉपर और जिला ने द्वितीय जबकि आयुष कुमार और ध्रुव राज सिंह 98.6% अंक प्राप्त कर जिला स्तर पर थर्ड टॉपर बने। सफलता के स्वर्णिम सोपान चढ़ते हुए दसवीं बोर्ड में कई विद्यार्थियों ने उच्चतम प्राप्तांक हासिल किए। जबकि 12 वीं की अमर ज्योति और शिखा ने विज्ञान (गणित) में 97.6 प्रतिशत अंक लाकर जिला टॉपर बनीं और डीएवी संस्थान को गौरवान्वित किया। आर्ट्स में वेदान्त चौधरी 96.4 प्रतिशत अंक पाकर बोकारो जिला में टॉप फाइव में अपना नाम दर्ज कराया। 12वीं की परीक्षा में विद्यालय के सभी संकाय से सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध अतिक्रमण पर हजारीबाग जिला प्रशासन सख्त, उपायुक्त ने कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। हजारीबाग कोर्रा थाना क्षेत्र के दीपूगढ़ा में सरले मौजा के दीपूगढ़ा क्षेत्र के प्लॉट 81 सहित विभिन्न प्लॉट में चल रहे अतिक्रमण को मुक्त करवाया गया. सरकारी भूमि पर अज्ञात लोगों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा था.ईट और बालू गिराकर मकान बनाने की तैयारी की जा रही थी. इस संबंध में उपायुक्त नैंसी सहाय को सूचना प्राप्त होते ही सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए सीओ सदर मयंक भूषण को मौजा सारले, दीपुगढ़ा थाना क्षेत्र में सरकारी भूमि में किए जा रहे अतिक्रमण को मुक्त कराने का निर्देश दिया.

हीट वेब से बचाव व तैयारी को लेकर जारी निर्देशों का अक्षरश: करें अनुपालन: एसी

सार्वजनिक स्थलों पर प्याऊ की व्यवस्था करने, खराब पड़ें चापाकलों की युद्ध स्तर पर मरम्मत करने का निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पिछले दिनों गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा गर्मी के मौसम को देखते हुए हीट वेब से बचाव एवं तैयारी को लेकर विभिन्न विभागों को व्यवस्था सुनिश्चित करने को निर्देश दिया था। इसी को लेकर अपर समाहर्ता (एसी) मो. मुमताज अंसारी एवं जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार ने हीट वेब से बचाव एवं तैयारी को लेकर अब तक किए गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस क्रम में अपर समाहर्ता ने क्रमवार नगर विकास एवं आवास विभाग, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग/उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग/कल्याण विभाग, कृषि - पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, परिवहन विभाग, ऊर्जा विभाग, अग्निशमन विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, विभिन्न औद्योगिक इकाइयों आदि के द्वारा अब तक की गई कार्रवाई और आगे की तैयारी की जानकारी ली। अपर समाहर्ता ने सभी विभागों को अपने कार्यालय/कार्य स्थल/क्षेत्र अंतर्गत पेयजल की समोचित व्यवस्था करने, नगर निकायों को शहर के विभिन्न हिस्सों/महत्वपूर्ण चौक-चौराहों आदि में पेयजल की व्यवस्था, अस्थायी तौर पर प्याऊ की व्यवस्था, खराब चापाकलों/जल मीनार की युद्ध स्तर पर विभिन्न विभागों/मद से मरम्मति का निर्देश दिया। अपर समाहर्ता ने बैठक में उपस्थित निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों को उनके -उनके कमांड क्षेत्र में प्याऊ/पेयजल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि आमजन/राहगिरों को पेयजल की किसी भी तरह की कोई समस्या नहीं हो। उन्होंने सीएसआर दायित्व के तहत इस दिशा में कार्य करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर अपर समाहर्ता एवं जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी ने जरूरी सुझाव दिया।

सुरक्षा के उपायः-

- जहाँ तक संभव हो कड़ी धूप में बाहर न निकलें।
- जितनी बार हो सकें पानी पीयें। सफर में अपने साथ पीने का पानी हमेशा रखें।
- जब भी बाहर धूप में जायें हल्के रंग के और ढ़ीले-ढ़ीले सूती कपड़े पहनें, धूप के घश्में का इस्तेमाल करें, गमछे या टोपी से अपने सिर को ढकें और हमेशा जूते या चप्पल पहनें।
- अधिक तापमान में कठिन काम ना करें। जहाँ तक संभव हो कड़ी धूप में बाहर के काम से बचें।
- खाली पेट न रहे तथा धूप में नंगे पाव न चले।
- अगर आपका काम बाहर का है तो टोपी, गमछा, छाता एवं धूप वाले चश्मा का इस्तेमाल जरूर करें और गीले कपडे को अपने चेहरे, सिर व गर्दन पर रखें।
- हल्का भोजन करें, अधिक पानी की मात्रा वाले फल जैसे तरबूज, खीरा, नींबू, संतरा आदि का सेवन करें तथा ज्यादा प्रोटिन वाले भोजन का सेवन ना करें, जैसे मांस वा मेवे, जो शारिरिक ताप को बढ़ाते हैं।
- घर में बना पेय जल जैसे कि लस्सी, नमक चीनी का घोल, छाछ, नींबू पानी, आम का पन्ना इत्यादि का नियमित सेवल करें।
- बच्चों और पालतू जानवारों को पार्क किए हुए वाहनों में अकेला ना छोड़ें।
- जानवरों को छांव में रखें और उन्हें खूब पानी पीने को दें।
- अपने घर को ठंडा रखें, पर्दे, शटर आदि का इस्तेमाल करें। रात में खिड़कियाँ खुली रखें।
- अगर आपकी तबीयत ठीक न लगे या चक्कर आए तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

लू के प्रमुख लक्षणः-

- पसीना न आना
- त्वचा का गर्म-लाल एवं शुष्क होना
- सिरदर्द, थकान, चक्कर एवं उल्टी आना
- बेहोश हो जाना
- आंखों की पुतलियां छोटी हो जाना

लू लगने पर क्या करें -

- लू लगे व्यक्ति को छांव में लिटा दें। अगर तंग कपड़े हो तो उन्हें ढीला कर दें अथवा हटा दें।
- ठंडे गीले कपड़े से शरीर पोछे या ठंडे पानी से नहलायें।
- व्यक्ति को ओ०आर०एस०/नींबू पानी/नमक-चीनी का घोल पीने को दें, जो कि शरीर में जल की मात्रा को बढ़ा सकें।
- यदि व्यक्ति पानी की उल्टियाँ करे या बेहोश हो, तो उसे कुछ भी खाने वा पीने को न दें।
- लू लगे व्यक्ति की हालत में एक घंटे तक सुचार ना हो तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाएँ।

मॉब लिंचिंग को लेकर सरकार एवं आयोग संवेदनशील : उपाध्यक्ष

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष (दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री) शमशेर आलम एवं प्रणेश सोलामन, सदस्य बरकत अली एवं इकरारूल हसन बुधवार को जिला दौरा पर थे। आयोग पिछले दिनों जिले के बेरमो अनुमंडल अंतर्गत पेंक नारायणपुर में एक व्यक्ति के पीट झ पीटकर मार डालने के मामले की जांच, मृतक के परिजनों/ग्रामीणों से मुलाकात को पहुंची थी। आयोग के उपाध्यक्ष एवं सदस्य द्वय ने बोकारो परिसदन में उपायुक्त विजया जाधव, पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीपीओ बीएन सिंह, संबंधित बीडीओ/सीओ, पुलिस निरीक्षक/थाना प्रभारी आदि के साथ बैठक की। बैठक में विस्तार से घटनाक्रम, मामले में अब तक जिला प्रशासन - पुलिस प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई के संबंध में डीसी - एसपी व अन्य पदाधिकारियों से जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में अब तक कुल चार लोगों की गिरफ्तारी की गई है, वायरल वीडियो के माध्यम से और 03 लोगों को पुलिस ने चिन्हित किया है, जिनकी गिरफ्तारी को लेकर दबिश जारी है। आयोग के उपाध्यक्ष एवं सदस्य द्वय ने जिला प्रशासन द्वारा अब तक की गई कार्रवाई पर संतोष जताया। कहा कि, प्रशासन ने मामले में मॉब लिंचिंग का मामला दर्ज करते हुए कार्रवाई की है। माननीय उपाध्यक्ष द्वय ने मृतक के परिजन (मां) को प्रावधान के अनुरूप मुआवजा राशि भुगतान के दिशा में पहल करने एवं मामले की सुनवाई को लेकर मुफ्त न्यायिक सहायता पीड़ित परिजन को मुहैया कराने को कहा है। साथ ही, नोडल पदाधिकारी को नियमित गाँव में बैठक करने की बात कहीं। उधर, बैठक के बाद बोकारो परिसदन में उपाध्यक्ष एवं सदस्य द्वय ने संवाददाता सम्मेलन किया। जिसमें कहा कि सरकार एवं आयोग मॉब लिंचिंग की घटना को लेकर संवेदनशील है। इस तरह की घटना पर अंकुश लगें इसकी पुनरावृति नहीं हो। इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने मामले में सख्ती से निपटते हुए कार्रवाई की है, कुछ आरोपितों की गिरफ्तारी की गई है, कुछ आरोपितों को गिफ्तार करने की कार्रवाई किया जा रहा है। मामले में किसी भी दोषी को बक्शा नहीं जाएगा।

डिहाइड्रेशन से बचने के लिए तरल पेय व ओआरएस का घोल जरूरी : न्यायाधीश

डालसा की टीम ने लोगों के बीच ओआरएस घोल का किया वितरण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बढ़ती गर्मी एवं तपिश के बीच जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने बुधवार को सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक और नया काम किया प्राधिकार के चेयरमैन सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश

वीरेंद्र कुमार तिवारी के निर्देश पर डालसा की टीम ने शहर के रणधीर वर्मा चौक , सिटी सेन्टर पर लोगों के बीच ओआरएस घोल का वितरण किया। इस मौके पर अवर न्यायाधीश सह डालसा सचिव मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि झालसा एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देश के आलोक में ओआरएस घोल वितरण का कार्यक्रम शुरू किया गया है यह कार्यक्रम अभी जब तक गर्मी है तब तक जारी रहेगा । इस मौके पर न्यायाधीश मयंक ने कहा कि गर्मी में सबसे अधिक डिहाइड्रेशन का खतरा रहता है। ऐसे में जरूरी है कि तरल पेय व ओआरएस का घोल लेते रहे। आपात स्थिति में बचाव के लिए भी ओरआरएस के पैकेट घर पर रखें। चिकित्सक डॉ. राजीव सिंह ने कहा कि ओरल डिहाइड्रेशन साल्ट (ओआरएस) की मदद से दस्त के दौरान शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी को पूरा करता है। अधिक पसीना आने की स्थिति में भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की मात्रा संतुलित रखने के लिए ओआरएस का घोल दिया जाता है।गर्मी की वजह से होने वाली बीमारियों से सावधानी से बचा जा सकता है। बचाव के लिए अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए। जिससे शरीर में पानी की कमी न हो। पानी की कमी होने से कई तरह की बीमारियां होने का खतरा रहता है। इस मौके पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ कुमार विमलेंदु, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ,सहायक नीरज गोयल, पारा लीगल वॉलिंटियर हेमराज चौहान, राजेश सिंह , चंदन कुमार , डिपेंटी गुप्ता, गीता सिंह, अनामिका सिंह रमेश कुमार, चंदन कुमार , सोनू सिंह, विशाल कुमार, नवीन कुमार, रमेश कुमार, बापी कुमार मंडल श्याम झा ,गिता सिंह,डालसा सहायक अरूण कुमार, सौरव सरकार समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

९६% अंक के साथ पवन ठाकुर बने विद्यालय टॉपर

छात्रों एवं अभिभावकों को किया गया सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 डी बोकारो में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के छात्रों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों एवं उनके अभिभावकों को विद्यालय परिवार के द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सह सचिव जी.पी. सिंह ने छात्रों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए का कि हमारे बच्चों ने जो प्रदर्शन किया है वह सराहनीय है। यह आचार्य एवं अभिभावकों के सतत प्रयास का फल है कि हमारे बच्चे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। विद्यालय आगे भी इनके शिक्षा में हर संभव मदद करेगा ताकि यह और आगे उत्तरोत्तर विकास कर सकें। वहीं विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम अच्छा रहा है जिसमें कक्षा दशम एवं द्वादश दोनों का प्रदर्शन सराहनीय है विद्या भारती छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करती है। जिसके फल स्वरूप आज पूरे भारतवर्ष के विभिन्न संस्थानों में हमारे छात्रों की दमदार उपस्थिति है। कक्षा दशम के भैया पवन ठाकुर 96 %अंक प्राप्त कर विद्यालय के टॉपर रहे , वही परी सिंह 93.4% अंक, हर्ष कुमार 93%, अक्षत कुमार 90.4% द्वादश वाणिज्य संकाय में अंकित कुमार 91.2% , विज्ञान संकाय में अंशिका रानी 89.8%, आकांक्षा कुमारी 86% अनिरुद्ध राज 84% आदि ने विद्यालय का मान बढ़ाया है। विदित हो कि पवन के पिता राजू ठाकुर एक छोटा सा सैलून चला कर पवन का परवरिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं आचार्य ने हर कदम पर मेरे बालक को सहयोग एवं प्रोत्साहित किया। जिसका परिणाम है कि आज मेरा पुत्र विद्यालय का टॉपर बना है। उपस्थित सभी छात्रों एवं अभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था की सराहना की एवं अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय, प्राचार्य एवं आचार्यो का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कक्षा दसवीं एवं 12वीं के आचार्य बंधु भगिनी उपस्थित रहे।

ट्रांसफार्मर में लगी भीषण आग दमकल कर्मियों ने पाया काबू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 2 ए में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब इलाके के एक बिजली ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। बताया जा रहा है कि गर्मी के कारण हुए शॉर्ट सर्किट से ट्रांसफार्मर में चिंगारी निकली, जिसने देखते ही देखते भीषण आग का रूप ले लिया। ट्रांसफार्मर से उठती तेज लपटों ने आसपास की झाड़ियों को भी अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

टाटानगर पोस्ट ऑफिस में खुलेआम शराब पीने का मामला

तीन कर्मचारी निलंबित, एक को ड्यूटी से हटाया गया

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। टाटानगर पोस्ट ऑफिस में ड्यूटी के दौरान खुलेआम शराब पीने की घटना पर डाक विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए तीन कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि एक अन्य कर्मचारी को ड्यूटी से हटा दिया गया है। यह कार्रवाई मामले के मीडिया में उजागर होने और केंद्रीय संचार मंत्रालय द्वारा संज्ञान लेने के बाद की गई है। वरीय डाक अधीक्षक परमानंद कुमार के निर्देश पर एएसपी (वेस्ट) परीक्षित सेठ ने इस मामले की जांच की। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद एलएसजी डाक सहायक नितेश कुमार, ओवरसियर अमित कुमार ठाकुर और नाइट गार्ड जितेन्द्र कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। साथ ही जीडीएस बीपीएम सूरज कुमार साहू को भी ड्यूटी से हटा दिया गया है।उक्त घटना 3 मई 2025 की रात की है, जब टाटानगर पोस्ट ऑफिस परिसर में डाक कर्मचारी कथित रूप से परिसर के भीतर खुलेआम शराब का सेवन करते हुए पाए गए। इस संबंध में एक मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए थे।केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संज्ञान में आते ही डाक विभाग ने इस प्रकार की अनुशासनहीनता को गंभीर सेवा उल्लंघन मानते हुए स्पष्ट किया है कि कार्यालय परिसर में इस प्रकार का आचरण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने की बात दोहराई है।

जिला रामरुद्र सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के बच्चों का ऐतिहासिक प्रदर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रारंभ किए गए जिला रामरुद्र सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, चास, बोकारो ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। यह सिद्ध कर दिया है कि समर्पण और मेहनत के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। यह विद्यालय आज उन हजारों रुपये फीस लेने वाले निजी स्कूलों के लिए भी एक उदाहरण बन गया है, जिनके विद्यार्थी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

बोकारो जिले के 'इस सरकारी विद्यालय ने ऐसे समय में शैक्षणिक उत्कृष्टता की नई मिसाल पेश की है जब शिक्षा केवल संसाधनों पर आधारित मानी जाती है। विद्यालय के शत प्रतिशत छात्र सफल रहे हैं। कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणामों की बात करें तो अभय कुमार और अभिनव गुप्ता दोनों ने समान रूप से 477 अंक अर्जित कर 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। प्रियंका कुमारी ने 463 अंक हासिल कर 94.2 प्रतिशत, प्रज्ञा कुमारी ने 459 अंक के साथ 92.6 प्रतिशत, पंचमी कुमारी ने 448 अंक लाकर 89.6 प्रतिशत तथा भोला कुमार शर्मा ने 447 अंक के साथ 89.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। कक्षा बारहवीं के परिणामों में। विज्ञान के टॉपर्स में नीरज कुमार ने 435 अंक के साथ 87 प्रतिशत, आशी कुमारी और अमन कुमार दोनों ने 426 अंक प्राप्त कर 85 .2. प्रतिशत अंक हासिल किए। वाणिज्य संकाय की बात करें तो आरती कुमारी ने 447 अंक प्राप्त कर 89.4 प्रतिशत, ऋषिका कुमारी ने 435 अंक के साथ 87 प्रतिशत और सोनाली कुमारी ने 418 अंक अर्जित कर 83.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। कला संकाय में काली सिंह ने 421 अंक अर्जित कर 84.2 प्रतिशत, शीतल कुमारी ने 410 अंक प्राप्त कर 82 प्रतिशत तथा आयुष्मान कुमार ने 409 अंक के साथ 81.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय के प्राचार्य संतोष कुमार ने इस शानदार उपलब्धि के लिए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और -अभिभावकों को बधाई देते हुए राज्य के मुख्यमंत्री का भी आभार जताया है उन्होंने कहा कि विद्यालय इससे भी बेहतर प्रदर्शन आने वाले समय में करेगा। वही इस सफलता के बाद छात्रों ने भी राज्य के मुख्यमंत्री का आभार जताया है। छात्रों का कहना है कि हम लोगों ने कभी नहीं सोचा था कि सरकारी स्कूल में फ्री में सीबीएसई की पढ़ाई पढ़ेंगे और स्कूल के साथ राज्य और अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे।

उत्पाद विभाग ने की छापेमारी, अवैध शराब फैक्ट्री का उद्भेदन

पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के औलगढ़ा का मामला

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला उत्पाद बल के सहयोग से पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के औलगढ़ा ग्राम में पंचायत सचिवालय के निकट मंगलवार देर रात एक निमार्णाधीन मकान में छापामारी कर एक नकली विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इसका संचालन अंकित सिंह एवं राहुल माहथा के द्वारा नेपाल महतो के निमार्णाधीन मकान में अवैध रूप से किया जाता था, जिसका देख रेख कशीयटांड़ निवासी गौतम गोप के द्वारा किया जाता था। सभी संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध झारखंड उत्पाद की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत अभियोग दर्ज किया गया है। घटनास्थल से टीम ने भारी मात्रा में तैयार अवैध शराब, शराब बनाने की सामग्री जैसे - विभिन्न ब्रांड के स्टीकर, खाली बोतल, विभिन्न ब्रांड के ढ़क्कन, पंचिंग मशीन आदि जब्त किया गया। छापेमारी दल में निरीक्षक उत्पाद विजय कुमार पाल, अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा महेश दास एवं उत्पाद विभाग बल आदि शामिल थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com